HRA JAMES VISION ISTANTION OF THE Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 1, 1979 (BHADRA 10, 1901)

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अक्ष्य संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

जाग III—**जन्म** 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महाले**बापरीक्षक, संग्र लोक सेवा आयोग, रेल** विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंद्रालय कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक ग्रगस्त 1979

सं० एम०-72/66-प्रशासन-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से दिल्ली पुलिस के ग्रधिकारी श्री एम० एल० सचदेव को दिनांक 21-7-1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस श्राधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 ग्रगस्त 1979

सं० 1-9/79-सी० एंफ० एस० एस०/पर्स-1/5728— राष्ट्रपति, श्री एस० एस० केन्य को 31 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से ग्रगलें ग्रादेश होने तक केन्द्रीय न्याय वैद्क विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई विल्ली, में ग्रस्थायी रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (प्रक्षेप) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 ग्रगस्त 1979

सं० ए० -19031/3/79-हिन्दी---राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री श्रार० सी० वीक्षित, भारत पुलिस सेवा (1964-उत्तर प्रदेश) को दिनांक 17-7-79 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 प्रगस्त 1979

सं० ए०-31014/1/76-प्रशासन-1—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं भ्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय श्रन्मेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्द्वारा, तिमलनाडू राज्य पुलिस से निम्नलिखित प्रतिनियुक्त भ्रधिकारी को स्थायी समाहृति हो जाने पर विशेष पुलिस स्थापना/केन्द्रीय भ्रन्येषण ब्यूरो में दिनांक 7-3-78 से विरुठ लोक-भ्रभियोजक के पद पर मूल रूप से नियुक्त करते हैं:—

ऋम सं०	ग्रधिकारी का नाम		
1. श्रीवी०टी	० वेंकटेसन		·
पद-स्थापन का	राज्य जिससे प्रा	तिनियुक्ति केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यृ	 [रो
वर्तमान स्थान	पर हैं।	ँ की माखा जिस	
		वरिष्ठ लोक-म्रभियोज	क
		के पद पुनर्ग्रहणाधिक	ार
		रखा गया।	
मब्रास	प्तमिलनाडू	सामान्य भ्रपराध स्कं	च/ च/
	•	मद्रास् ।	

2. यह इस	कार्यालय	के श्रावेश	सं०	ए०-31014/	1/76-
प्रशासन-1 (सं०	497/19	79) दिन	र्गक	15-5-197	9 के
श्रिधिक्रमण में है	1				

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1979

संख्या 11/61/79-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सीमान्त सेवा के अधिकारी श्री बी० बी० मोंगिया को तारीख 23 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक विल्ली में जनगणना कार्य निवेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। 2. श्री मोंगिया का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

संख्या 11/77/79-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, भारतीय प्रणास-निक सेवा के मध्य प्रदेश संवर्ग के प्रधिकारी श्री के० सी० दुबे को तारीख 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक मध्य प्रदेश, भौपाल में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दुवे का मुख्यानय भौगाल में होगा। भी 2 (1. कि.) कि. भागाल में होगा। भी 2 (1. कि.) कि. भागाल में होगा। भी 2 (1. कि.) कि. भागाल में महापंजीकार

त० व० प्र<mark>्यसिष्ट्रीय पुलिसे श्रकारिमी</mark> हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1979

सं० 41/15/72-स्थापना—केन्द्रीय सरकार में प्रति-नियुक्ति श्रवधि की समाप्ति पर श्री के० बी० बोहरा, भा० पु० से० (उड़ीसा-1958) से दिनांक 4-8-1979 के अपराह्म से श्रकादमी के उपनिदेशक केपद का कार्य भार छोड़ विया।

> पी० ए० रोशा निवेशक

भारतीय लेखा परीक्षा, लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रगस्त 1979

सं० स्था (ए)/जी० झो०/1732—महालेखाकार गुजरात ने ग्रधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर श्रगला झादेश मिलने सक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा झिंछकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- 1. श्री एस० भ्रार० एस० श्रायंगर 10-7-79 (पूर्वाह्र) (प्रोफार्मा)
- 2. श्री एम० वी० मुयुमुब्रह्मण्यम् 28-7-79 (पूर्वाह्म) से

3. श्री एम० एस० राजगोपालन् 10-7-79 पूर्णाह्न से4. श्री एम० राजेन्द्रन 10-7-79 पूर्वाह्न से

के० पी० लक्ष्मणराव उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर ्रेप्रदेश (प्रथम) इलाहाकाद, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० प्रशासन/11-114/115—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को उन के नामों के ग्रागे ग्रंकित तिथि से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

1.	श्री मोहन लाल महरोत्रा		12-7-79	(पूर्वाह्न)
2.	श्री ग्रार० कृष्णामूर्ति		12-7-79	11
3.	श्री प्रेम नारायण निगम		12-7-79	"
4.	श्री जगदीश चन्द्र श्रीवास्तवा		12-7-79	11
5.	श्री सत्य प्रकाश		12-7-79	"
6.	श्री विनय मालवीया		16-7-79	"
7.	श्री कृष्ण सहाय	•	12-7-79	"
8.	श्री नन्दू तिवारी		12-7-79	17
9.	श्री जगदीण पाल धीर		13-7-79	11
10.	श्री हरिहर प्रसाद बागची		1 2-7-79	"
	श्री कौशल बिहारी लाल श्रीवार	तमा	12-7-79	11
12.	श्री प्रेम सिंह-1		12-7-79	"
1 3.	श्री राम राज राम		13-7-79	"
14.	श्री रामविहल .		16-7-79	11

एस० कृष्णन वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

केन्द्रीय सिविल सेवाओं (श्रस्थाई सेवायें) नियमों 1965 के प्रतुच्छेद (1) के श्रन्तर्गत सेवाओं की समाप्ति सूचना।

सं० ए० एन०/ए०/पी० टी०/डिस्प/8312629—केन्द्रीय सिविल सेवाओं (स्थाई सेवायें) नियम, 1965 के नियम 5 के उपनियम(1) के शर्तानुसार, मैं भ्रार० बी० कपूर, रक्षा लेखा नियन्त्रक पश्चिमी कमान मेरठ छावनी श्री चम्पा भ्रोरियन भ्रस्थाई लिपिक लेखा संख्या 8312629 को नोटिस देता हूं कि उसकी सेवाऐं, उस तारीख से एक माह की समाप्ति

पर, समाप्त समझी जायेगी जिस तारीख को यह नोटिस प्रकाशित होगा या यथास्थिति में उसको दिया जाता है। स्थान मेरठ:

विनांक 7-8-1979

श्चार० बी० कपूर रक्षा लेखा नियन्त्रक पश्चिमी कमान मेरठ छावनी

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022 दिनांक 3 अगस्त 1979

सं०-71019(9)/77-प्रणा०-1: भारतीय रक्षा लेखा सेवा के किन्ठ समयमान के एक परिवीक्षाथीं, श्री विलीप कुमार विश्वास दिनांक 28-12-76 से 31-10-77 तक बिना स्वीकृति के ड्यूटी से अनुपस्थित रहे तथा अनुपस्थित की इस अवधि के परिणाम-स्वरूप सेवा भंग हो गई। दिनांक 1-11-77 (पूर्वाह्न) को पुनः कार्यभार ग्रहण करने पर उन्हें भारतीय रक्षा लेखा सेवा में उसी तिथि से नवीन प्रवेशी माना गया है।

2. दिनांक 3-12-77 के भारत के राजपत्न भाग-III, खण्ड- 1 (पृ० 5462) में प्रकाशित राजपत्न प्रक्षिसूचना सं० 71019(9)/77-प्रशा०-II, दिनांक 9-11-77 उपर्युक्त सीमा तक संशोधित समझी जाए।

श्रार० एल्क्ष्ं बर्ख्सी रक्षालेखाश्रपर महानियंत्रक

वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक ७ श्रगस्त, 1,979 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

सं० 1/2/79-प्रशासन (राज०)/5907— राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी वर्ग के स्थायी ग्रिधकारी श्री जे० के० माथुर को उसी सेवा के वर्ग-1 में 1.4 मई, विकास से 30 जून, 1979 तक की ग्रवधि के लिए नियुक्त करे

2. राष्ट्रपति, श्री जे० के० माथुर को मुख्य नियंत्रक, धायात-निर्यात, भई दिल्ली के कार्यालय में उपर्यक्त ध्रवधि के लिए उप-मुख्य-नियंत्रक, ध्रायात निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

राजिन्दर सिंह उप-मुख्य नियंत्रक, म्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, म्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय प्रशासन अनुभाग-6

नई दिल्ली, दिनीक 6 श्रगस्त 1979

सं० प्र० -6/247(301)/61—राप्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, बर्नेपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु-रसायन) श्री एन० आर० घोष को दिनांक 9-7-79 (पूर्वाह्म) से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, जमभोवपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रप ए, धातु रसायन शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष ने दिनांक 30-6-79 (ग्रपरास्त्र) को बर्नपुर में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु रसायन) का पदभार छोड़ दिया भौर दिनांक 9-7-79 (पूर्वाह्न) को जमगोदपुर में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु शाखा) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० प्र०-6/247(363)/76-II—राष्ट्रपति निरीक्षण निरेशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी०) श्री के० एम० क्रष्णामूर्ति को दिनांक 21 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से ग्रौर भ्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० इंजीनियरी शाखा के ग्रेड (III) के रूप में उसी निरीक्षणालय में तदर्थ भ्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुष्णामूर्ति ने सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और- 21-5-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) का पवभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247/(393)/II — राष्ट्रपति, निरोक्षण निदेशक बम्बई के प्रधीन बड़ौदा में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) श्री एस० बी० माटे की दिनांक 12 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से भौर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए के ग्रेड III) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री माटे ने दिनांक 3-7-79 (ग्रपराह्न) को बड़ौदा में सष्ट्रायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इंजी) का पवभार छोड़ विया श्रौर 12 जुलाई 1979 के पूर्वीय से कलकत्ता में निरीक्षण ग्रधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन)

भ्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 ध्रगस्त 1979

सं० 10/17-79-एस०-तीन—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री डी० एच० कोराली, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाश-वाणी को, दिनांक 4 जून, 1979 पूर्वाह्म से स्थापनापक्ष रूप में आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में पदोन्नति पर नियक्त करते हैं श्रीर श्रगले श्रादेश तक श्राकाशवाणी, कलकत्ता में सैनात करते हैं।

> श्रो० बी० शर्मा प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली, विनांक 8 अगस्त 1979

सं० 28/21/78-एस-II — इस निदेशालय की समसंख्यक प्रियस्चना दिनांक 7 ग्रप्रैल, 1979 का श्रितिक्रमण करते हुए, महानिदेशक श्राकाशवाणी, श्री एम० सी० पी० नाम्बियार, फील्ड रिपोर्टर, ग्राकाशवाणी, कालीकट को श्राकाण-वाणी, कालीकट पर विस्तार ग्रियकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर 30 ग्रप्रैल, 1978 से ग्रगले श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री उप प्रशासन निदेशक कृते महानिदेशक

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

विस्तार निदेशालय

नई बिल्ली, दिनांक 3 भ्रगस्त 1979

सं० 3(48)/79 स्था०(1) — प्रधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्वश्री एस० एल० धीर, के० धार० विज एवं ग्रो० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्ति 31-7-79 से श्रागे 30-9-1979 तक बनी रहेगी।

बद्री नाथ चड्ढा निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० 5-1-79—स्थापना II-2626—नियंत्रक, भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋम नामतथा सं०	पद स्थानापन्न सेवा ·लिए नियुक्ति	के श्रवि	ម ម
		से	तक
———— सर्वेश्री			
1. बी० एस० ह	ली- सुरक्षा भ्रधि-	30-4-79	31-5-79
गरमठ सहाय सुरक्षा ग्रधिव		(पू०)	(श्रप०)
2. एस० एन० र	तेन सुरक्षा श्रधि-	14-5-79	16-6-79
सहायक सुरक्ष भ्रधिकारी ।	ता कारी	(यू०)	(भ्रप०)
		वी	० एम० खासू

बम्बई-400085, विनांक 12 जलाई 1979

उप स्थापना अधिकारी

सं० 5/1/79 स्था० II/2689— नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित कर्मचारियों को तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए उनके नाम के सामने ग्रविध

तक	लेखा	श्रधिकारी	II/सहायक	लेखा	श्रधिकारी	नियुक्त
करते	हैं।		•			·

		स्रवधि	τ
क्रम नामतथा संख्या पद	स्थानापन्न सेवा के लिए नियुक्त किये गये	से	सक
सर्वेश्री			
1. कु ० ए न० एम०	लेखा घधि-	14-5-79	22-6-79
मरचन्ट सहायक लेखा श्रधिकारी		(यू ०)	(গ্ন॰)
2. टी०के० राममू	र्ति सहायक लेखा	29-3-79	22-6-79
सहायक लेखाका	र ग्रधिकारी	(q°)	(ম্ব৹)
3. श्रीमती एच० ए	(च० सहायक लेख	T 16-4-79	6-6-79
कपाडिया सहाय लेखाकार ।	क ग्रधिकारी	(पू ०)	(ম্ব৹)

विनांक 14 जून 1979

सं०5(1)/79-स्थापना 11/2264—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तवर्ष आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:

		भव	धि
कम सं० नाम तथा पद	स्थानापभ नियुक्ति	से (पूर्वाह्म)	तक (ग्रपराह्म)
सर्वश्री 1. वी० नारायन राव वरिष्ठ ग्राशु- लिपिक।	•	2-3-79	4-4-79
 के० सी० इट्टीकुरु सहायक। 	सहायक कार्मिक श्रिधकारी	5-4-79	2-6-79
 वी० ए० वी० मेनन सहायक। 	सहायक कार्मिक श्रक्षिकारी	क 19-3-79	27- 4-7 9
 बी० पी० कुलकर्णी सहायकः। 	सहायक कार्मिक स्रक्षिकारी ।	F 16-4-79	16-5-79
 जी० क्रुष्णमर्थि वरिष्ठ भ्राशुलिपिक 		30-4-79	2-6-79
6. ंके० एल ० कोटेकर		16-4-79	25-5-79
 एच० एस० खडिल कर वरिष्ठ भाग्- लिपिक। 	ययोगरि	2-5-79	13-6-79

कु० एच० बी० विजयकर उप-स्थापना ग्रिधकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत् प्रायोजना शंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 4 ग्रगस्त 1979

सं० विप्राइप/3(262)/76-प्रशासन-12066—- इस प्रभाग की दिनांक जून, 12, 1979 की समसंख्यक ग्राधिसूचना के अनुक्रम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी० वरवानी, जो इसी प्रभाग में 7 जून, 1979 के पूर्वाह्म से 13 जुलाई 1979 के अपराह्म तक के लिए सहायक कार्मिक ग्राधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किये गये थे, को 28 ग्रगस्त 1979 के ग्रपराह्म तक के लिए ग्रथवा श्री पी० बी० नायर, सहायक कार्मिक ग्राधिकारी के ड्यटी पुनंग्रहण करने की तारीख जो भी बाद में हो तक के लिए उसी पद का कार्यभार ग्रस्थायी रूप से संभाले रखने के लिए श्रमुज्ञा प्रवान कर दी गई है।

बर्ज विरुथस्ते प्रशासन भ्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाण विद्युत् परियोजना बुलंदशहर, दिनांक 7 श्रगस्त 1979

सं० नं० पर्वि० प्रशार्वा (141)/7 9-एस/9065—
नरौरा परमाणु विद्यंत परियोजना के मुख्य परियोजना प्रभियंता विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के स्थायी सहायक फोरमैन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न बैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री एल० पी० गुप्ता को, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में, वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजी-नियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 11 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्म से, स्थानापन्न रूप में ग्रिधम ग्रादेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा-II/(139)/79एस०/9066— नरौरा परमाणु विश्चुत परियोजना के मुख्य परियोजना प्रभियता राजस्थान परमाणु विश्चुत परियोजना के, स्थायीवत् वै० स० 'सी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रधिकारी /इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री ग्रार० सी० ढिंढोलीवाल को, नरौरा परमाणु विश्चुत् परियोजना में वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के० पद पर दिनांक 9 जुलाई 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में प्रग्निम ग्रादेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन प्रशासन र्श्नाधकारी कृते सुख्य परियोजना श्रक्षियंता

(परमाणुखनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 8 श्रगस्त 1979

सं० प० ख० प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री प्रेम प्रकाश शर्मा को 11 जन, 1979 की पूर्वाह्म से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/ग्राभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीधर ठाणे, दिनांक 4 ग्रगस्त 1979

सं० टी० ए०पी०एस०/2/813/71—परमाणु अर्जा विभाग के श्रादेश सं० 20/6(1)/77सी० सी० एस०/691, दिनांक 10 जुलाई, 1979 के श्रनुसार पदोन्नति होने के फलस्वरूप क्षेत्रीय लेखा एकक, ऋग श्रीर भंडार निदेशालय, मद्रास में स्थानांतर होने पर श्री बी० डी० कवीश्वर, स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधकारी तारापुर परमाणु बिजलीघर ने, तारापुर बिजलीघर में श्रपने पद का कार्यभार श्रपराह्म दिनांक 21 जुलाई, 1979 से छोड़ दिया।

ए० डी० वेसाई मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 9 जलाई 1979

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 22-6-79 की ग्रिधिसूचना संख्या ए० 32013/1/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री पी० एस० मिल्लिक जो इस समय क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, को दिनांक 18-7-1979 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्ति किया है ग्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

2. राष्ट्रपति ने यह भी निर्णय किया है कि श्रीपी० एस० मल्लिक की वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में पदोल्लित की तारीख 1-11-1977 मानी जाएगी।

> गिरधर गोपाल सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शल्क विभाग केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्त्ता का कार्यालय गुन्टुर-4, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 1/79—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को, अगला श्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय गुन्टुर में श्रधीक्षक ग्रुप 'ख' (राजपित्रत) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है। उन्होंने श्रपने श्रपने नाम के सामने दिखाई गई तारीखों से केन्द्रीय

उत्पाद शल्क के प्रधीक्षकों कार्यभारसंभाज लिया है:—	•	या एवं म	1	2	3	4
क प्रधिकारी का नाम सं०	स ्थान	केन्द्रीय उत्पाद शस्क श्रधीक्षक	12. ঘ	० प्रसादराव	. एस० जी० सी० पी०-काकीनाडा भ्राई० डी० भ्रो०- राजामुन्दरी	5-1-79
		ग्रुप-ख (राजपन्नित) के रूप में कार्यभार संभालने की तिथि	'ख' (श्चपने ः गये :	राजपन्नित) के म्न नाम के सामने कि	उत्पाद शुल्क के निम्न धीक्षक, धार्घक्य के क खाई गई तिथियों से से	ारण, म्रपने- वानिवृत्त हो
1 2	3	4	ऋ० सं०	श्रावकाराका गाम		सेवा निवृत्त होने की
सर्व/श्री	-		,, -			तिथि -
1. श्री० चन्द्रपाल .	श्राई० डी० ग्रो०-I विशाखापट्टनम	3-7-78 (भ्रपराह्म)				(म्रपराह्न में)
2. जी० राधवनाथा राव	यथोपरि	7-7-78	1	2	3	4
		(भ्रपराह्म)	सर्व /श्र			·
3. ए० गंगेह .	सटेनापल्ली, एम० श्रो० श्रार०	12-9-78	1. 甲	हम्मद जफर	. श्राई० डी० घ्रो० विजयवाडा	31-7-78
4. के० कृष्णाराव .	धाई० डी० ग्रो०, ईलरु	16-8-78	2. म	हब्ब इकबाल	. जंगारेडडीगुडम- स्राई० डी० ग्रो०,	31-7-78
5. एम० राजाराव .	म ख् य कार्यालय, गन्टुर	23-8-78			ईलुरु के० एम० स्रो० स्रार०	
6. रामामोहन राव	एम० श्रो० श्रार० II गुन्टुर श्राई० डी० श्रो०-1	ि 31-8-78 (श्रपराह्म)	3. కే	ि कोटइया	. श्राई० डी० ग्रों० ईलुरू	31-7-78
7. वी० वेंकारत्मन .	गुन्धुर एम० स्रो० स्नार-I विजयानगरम	19-10-78	4. ने	० वोरइया	. एम० म्रो० म्रार०-II गुन्दुर म्राई० डी० म्रो०-I	31-7-78
8. बी० कमलाविष्णु .	मादीपटु एम ः श्रो०	12-10-79			गुन्दुर	
8. बार्ण्यमलावञ्जु .	मापापदु एसण् आरण श्रार० श्राई० डी० श्रो०	(भ्रपराह्न)	5. व	ाई० श्रीरामा मूर्ति	. मु <mark>ख्</mark> य कार्यालय, गुन्दुर	31-8-78
	श्रोंगले		6. t í	ो० प्रसादराव	. —यथोपरि—	31-8-78
9. टी० सीताराम .	म डेरे मेटला, एम ः भ्रो ० श्रार०	25-11-78 (भ्रपराह्म)	7. पी	ा० रामालिंगे ग्व रा	यथोपरि	30-9-78
	म्राई०डी० म्रो०- ग्रोंगले		8. ए	स० ए० लतीफ	भाई० डी० भ्रो०-I गुन्टुर	30-9 - 78
10. ए० नारायणामूर्ति .	कंचीकचरेला, एम० ग्रो० ग्रार०, ग्राई० डी० श्रो०, विजयावाडा	24-11-78	9. वे	० गुनेश्वरा राव	. एम० भ्रो० ग्रार०-V विशाखापट्नम श्राई० डी० श्रो-I	30-9-78
11. एम० हबुमन्था राव .	एम० श्रो० श्रार०] राजामृत्दरी श्राई० डी० श्रो० राजामृत्दरी	3-1-79	10. र्ब	to पी० सुबे ह	. कंचीकचरेला, एम० ग्रो० श्रार०, ग्राई० झी० ग्रो० विजयवाडा	31-10-78

1	2	 3	4
11.	क्षी० वी० रामा राव	एम० ग्रो० ग्रार० I राजामुन्दरी ग्राई० डी० ग्रो० राजामुन्दरी	31-12-78
1 2.	ए० सुन्नामनयम	ग्राई० डी० ग्रो०-II विशाखापटनम	31-1-79

सं० 3/79— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' के श्रधीक्षक (राजपतित) श्री बी० कृष्णार्जन राव श्राई० डी० भ्रो०-II विशाखापट्टनम दिनांक 31-12-78 के श्रपराह्न से स्वैच्छा से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 4/79 केन्द्रीय उत्पाद शुरुक के निम्नलिखित ग्रुप 'ख' के श्रधीक्षकों की उनके नाम के सामने दिखाई गई तिथियों को मृत्यु हो गयी हैं:—

क० म्रधिकारी का नाम सं०	तैनाती का स्थान	निधन की तिथि
सर्व/श्री		
1. ए० के० मु० जकरिया निजामी	मेडेरामेटला, एम० भ्रो० भ्रार० भ्राई० डी० भ्रो० भ्रोंगले	19-10-78
2. के० पुरुशोत्म .	एम० म्रो० म्रार० ईलरु म्राई० डी० म्रो० ईलुरू	5-11-78

सं० 5/79—श्री पी० वेनुगोपाल राव, केन्द्रीय उत्पाद शुस्क के स्थायी ग्राधीक्षक ग्रुप 'ख' (राजपतित) ग्राई० छी० ग्रो० राजामुन्दरी को मलभूस नियमावली 56 (जे०) के उपबन्धों के ग्रन्सर्गस दिनांक 31-7-78 ग्रपराह्म से सेवा से निवृत्त कर दिया गया।

सं० 6/79—केन्द्रीय उस्पाद गुल्क समाहर्तालय (मुख्यालय) के कार्यालय प्रधीक्षक श्री कामेण्वर राव को केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहर्तालय गुन्दुर (मुख्यालय) में सहायक मुख्य लेखा प्रधिकारी नियुक्त किया गया । यह नियुक्ति 4-8-78 से, जब से कि उन्होंने उक्त पद का कार्यभार ग्रहण किया, प्रभावी हुई।

सी० भुजंगास्वामी, समाहर्ता

रेल मंत्रालय उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1979

सं० 14--परीचालन एवं विषणन विभाग ने निम्न-लिखित श्रिधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से ग्रंतिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गये हैं:--

(1) श्री ए० एस० कन्सल	एस० टी० ग्री० 31-7-79 (एस०) प्रधान ग्रपराह्म कार्यालय
(2) श्रीएम०पी०शर्मा	डी०टी०एस० 31-7-79 डी०ई० ग्रपराह्म
(3) श्री कें० एन० कोहली	एस० डब्ल्यू०एस० 31-7-79 श्रो०/प्रधान कार्यालय श्रपराह्म
(4) श्रीएस०सी०मिश्रा	ए० सी० भ्रो० 31-7-79 (सी०) बी० एस० श्रपराह्न लखनऊ में

म्रार० के० नटेसन, महा-प्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि बोर्डं

कम्पिनयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर में सर्स एलाईड फटिलाइजर्स एण्ड अर्स लिमिटेड के विषय में। नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रगस्त 1979

सं० 4626—कम्पनी घ्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैससे एलाइड फॉटलाइजर्स एण्ड अर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जायेगी।

जे० बी० सकसैना, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी श्रधिनिमय 1956 श्रौर बिहार टाईप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड के वियय में ।

सं 0 1009/560/78-79-7/2087— कम्पनी श्रिधिनियम 1950 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना धी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पत्न बिहार टाईप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकुल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जायगी।

पी० के० घटर्जी, कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना प्ररूप खाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

26 9 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज II, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/।।/3 से 22/4643/78-79/229---श्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 26,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो कोर्ट रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसहे उपाबड अनुसूची में पूर्व रूप से विकृत है), रिजस्ट्रीगर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्गर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ध्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रवः, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) भ्रभीन भ्रथीत्:— 1. श्री हरी सिंह मेहरा (2) श्रीमित कमला बती (3) श्री एच० सी० मेहरा (4) श्री बी० सी० मेहरा (5)श्री ठी० सी० मेहरा (6) श्री ग्रार० सी० मेहरा, सभी निवासी 7-कोर्ट रोड, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

- 1. (ए) श्रीमित कान्ता कुमारी, पत्नी श्री राम सरूप (बी) श्री राम प्रकाश, निवासी 1025, ताराह बेएरम खान, दरिया गंज, दिल्ली ।
- 2. श्री ग्रोम काश टण्डण सुपुत्र श्री बी० के० टण्डन, 4215/1, ग्रन्सारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली।
- 3. (ए) श्री प्राफुल कुमार जैन (नाबालिंग) (बी) प्रभात कुमार जैन (नाबालिंग) सुपुत्र श्री पी० के० जैन, 1866, महालक्ष्मी मार्किट, भागीरथ पलैस, चांदनी चौक, दिल्ली ।
- 4. (ए) श्री जे० के० कपूर, (बी)श्री एन० के० कपूर सुपुत्र श्री एल० पी० एल० कपूर, 774-तिलक बाजार, दिल्ली।
- 5. (ए) श्री बी० के० मल्होता, (बी) घो० पी० मलहोता, (सी)एस० एस० मलहोता, (डी) धार० एल० मलहोता, (ई) एस० सी० मलहोता सुपुत श्री श्रार० एल० मलहोता, 21-ए, इरिया गंज, दिल्ली तथा मकान नं० 4695, धन्सारी रोड, दिल्ली।
- 6. (ए) श्री बी० के० मलहोता, (बी) श्रो०पी० मलहोता, (सी) एस० एस० मलहोता (डी) ग्रार० एल० मलहोता, (ई) एस० सी० मलहोता, 21-ए, दरिया गंज, दिल्ली ।
- (7) श्री श्रार० के० छाबड़ा सुपुत्र स्वर्गीय श्री डी० डी० छाबड़ा, 5-6, रूप नगर, दिल्ली।
- (8) श्रीमति सरला मदान पत्नी श्री एस० पी० मदान, क्यू०-23, माल टाउन, दिल्ली ।
- 9. (ए) श्री जी० के० भ्राहूजा सुपुत्त श्री एच० भार० भ्राहूजा, (बी) श्रीमति एस० भ्रार० भ्राहूजा पत्नी श्री जी० के० भ्राहूजा, 2437, अस्ती पंजाबियन, सब्जी मण्डी, दिल्ली।
- (10) श्री सुरजीत सिंह, कर्ता, बी एफ 24, टैगोर गार्डन, नई विल्ली-27।
- 11. (ए) श्री पी० के० जैन (नाबालिग) (बी) प्रशान्त कुमार जैन (नाबालिग) सुपुत्र श्री बी० के० जैन, 1866, महालक्ष्मी मार्किट, भागीरथ प्लेस, चांदनी चौक, दिल्ली।
- 12 (ए) श्री सरदारी लाल, (बी) ग्रशोक कुमार (सी) विजय कुमार, (डी) कृष्ण कुमार सुपुत्र श्री एस० एल० ग्रग्नवाल, प्लैंट नं० 19, उषा निकेतन, विल्ली 32 बंगलो रोड, सब्जी मंडी, विल्ली-2।

- (13) श्रीमिति विद्या बतरा, पत्नी श्री सी० एस० बतरा, 43-ए, राजपूर रोड, दिल्ली।
- (14) श्रीमिति लाज बतरा, पत्नी श्री के० एल० बतरा, 43-ए, राजपुर रोड, दिल्ली।
- (15) श्रीमित उषा बतरा, पत्नी श्री ए० के० बतरा, 43-ए, राजपुर रोड, दिल्ली।
- 16. (ए) श्रीमति पूणम श्ररोड़ा पत्नी श्री के० एल० श्ररोड़ा बी-1/7, माडल टाउन, दिल्ली, (बी) श्री कुन्दन लाल एड (एच० यु० एफ०)।
- 17. (ए) श्री जगमोहन आनन्द सुपुत्र स्वर्गीय श्री एल० श्रार० ग्रानन्द, (बी) श्री नरेश श्रानन्द, (सी) सुनील ानन्द सुपुत्र श्री जगमोहन श्रानन्द, 3307, गली डोरेवाली, मो सेट, दिल्ली ।
- 18. (ए) श्री एस० एस० नारूला सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० एस० सिंह, (बी) एच० पी० सिंह, (सी) ए० पी० सिंह, (डी) श्रदंभन सिंह मुपुत्र श्री एस० एस० नारूला, 3486, निकलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली।
- (19) श्री ऋषी कुमार सुपुत्र एल० राधे लाल, 2746, छट्टा प्रताप सिंह, दरिवा कलां, दिल्ली।
- 20(ए) श्री सवर्ण सिंह सुपुत श्री लाल सिंह, (बी) श्री एन० पी० सिंह सुपुत्र श्री स्वर्ण सिंह, (सी) श्रीमित सुरेंद्र कौर सुपुत्री श्री एस० एस० भंडारी, 632, रंग महल, दरिया गंज, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचता के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

2-216 GI/79

(ख) इस सुजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्की बिल्डिंग जोकि 15,666 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लाट पर बनी हुई है, 7-कोर्ट रोड, सिवल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : 5 कोर्ट रोड,

पश्चिम : बंगलो नं० 9 तथा साझी दीवार तथा जायदाद नं०

7ए तथा 7 राजपुर रोड ।

उत्तर : 16 मकान तथा सरकारी गैरेज तथा रोड ।

दक्षिण : कोर्ट रोष्ट ।

श्रार० बी० एल० श्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली/नई दिल्ली-1

दिनांक: 16-8-1979

प्रकृष शाई । टी । एन । एन ।-

आय तर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269व(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रगस्त्रे 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/II/दिसम्बर/4707/78-79/2291—--श्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके अीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० एफ-13 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई

न्नौर जिसकी सं० एफ-13 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और'या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य धास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपामे में स्विधा के लिए;

अतः धव, उक्त यद्यिनियम की द्यारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त यद्यिनियम की द्यारा 269-घकी उपधारा (1) के अद्योग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० भ्रतर सिंह, सुपृत्न स्वर्गीय श्री एस० गुलाब सिंह, नियासी एफ-13 रजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री सुरेंद्र सिंह तथा बलविन्द्र सिंह सुपुत श्री एस० रावेल सिंह, निवासी ए-2/70, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली (म्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक
 किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोइस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्यव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिचाक्ति है, वही ग्रंथ होगा जो उस भव्याय में दिना गमा है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड मकान जोकि 1020.1 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, इसका नं० एफ-13 है, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : प्लाट नं० एफ-14 पश्चिम : प्लाट नं० एफ-12 उत्तर : रोड तथा लान दक्षिण : रोड

> ग्रार० बी० एल० अग्रवाल मक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली-1

दिनांक: 16-8-1979

प्रकप धाई० टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीम सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० मालेगांव/मार्च 79/ 454—अत: मुझे, श्रीमति पी० ललवानी आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से भशिक है

मौर जिसकी सं० सी० टी० एस० के० 204 है तथा जो न्यू वार्ड मालेगांव में स्थित है (और इमसे उपावद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय एस० म्रार० मालेगांव में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 3-3-1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाबार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश्वास मधिक है और मन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में बास्तिब्ध रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त खिन-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किनी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उनतं सिधिनियमं की भारा 269-ग के भन्-सरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के संधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री घार० व्ही० शिपी,
- 2. के० व्ही० शिपी,
- 3. पी० व्ही० शिपी,
- 4. जे० व्ही० णिपी, मामलेदार गली, मालेगांव। (ग्रन्तरक)
- 1. श्री बाबुलाल महाद वाणी (शिनकर)
- 2. माणुकलाल बाबुलाल शिनकर---माइनर
- 3 रतनलाल बाबुलाल शिनकर--माइनर
- 4. जवाहर लाल बाबुलाल शिनकर--माइनर
- 5. मोतीलाल बाबुलाल शिनकर बाबुलाल अंड कं साडी अड़त गाप मालेगांव। (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त समाति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तश्रीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहरूताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अबं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया बबा है।

अनुसूची

प्रोपर्टी सी० टी० एस० ऋ० 204 न्यू वार्ड मालेगांव क्षेत्रफल 45.1 वर्ग मीटर्स,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 739 दिनांक 3-3-79 को सब रजिस्ट्रार मालेगांव के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमति पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सिहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 25**-7-**1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार [हवेली-II/453/79---मत: मुझे श्रीमति पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन सर्वे नं० 69 हिस्सा नं० ए-1/2, क० सं० 692 ए, 2ए/1/1, ग्रीर 693 हिस्सा 1/ए/2/के है तथा जो मुंजेरी, ए० पी० एम० सी० मार्कीट यार्ड रोड, पूना 9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार हवेली II में, रिजस्ट्रीरकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे वृश्यमान अतिफल का पन्नह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) जीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मिलत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुनिया के लिए;

बतः अव, उक्त धिवियम की घारा 269-व के धनुसरण में, मैं चक्त घिधियम की घारा 269-घ की चपधारा (1) के धारीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमित लक्ष्मीबाई काशीनाथ सोजावणे 687, नारायण पेठ, पूना-30 (श्रन्तरक)
- 2. सुपार्श्वनाथ सहकारी ग्रहरचना संस्था, मर्यादित केंजडी बिल्डिंग, 1131, शिवाजीनगर, पूना-5 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्वति के अजैन के सम्बन्द्र में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूजना के राजपत्त में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो सर्वे कु० 692, हिस्सा क० ए-1/2, सर्वे क० 692, ए, 2 ए/1/1, सर्वे क० 693 हिस्सा क० 1ए/2/6 मुंजेरी, ए० पी० एम० सी० यार्ड रोड पूना 9 में स्थित है भौर जिसका क्षेत्रफल 22358 वर्ग मीटर्स है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 453 दिनांक फरवरी, 79 को सब रजिस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमित पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 30-7-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰

आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निदेश सं० एपी 585/एबी एच० / 79-- 80---- अतः मुझे सुखदेव चन्द

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा गया है। तथा जो मकान नं० 868 गली नं० 1 मन्डी ध्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कायिलय स्रवोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जनवरी, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घ्रधिक है घौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि खिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठिनियम या धन-कर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उन्त भिष्ठनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त भिष्ठनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिक्षत स्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री भूप लिह पुत्र श्री घोलक राम पुत्र पैमा राम वासी वीर कालोनी श्रवीहर तहसील फाजिलका (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित साकोरी देवी पत्नि चुनी लाल पुत्र रती राम बासी बारीका तहसील फाजीलका (ग्रन्तिरती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारेमें ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रत्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभा^{ता}तं हैं, वही भर्षं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर नं० 868 गली नं० 1-सीं मन्डी अबोहर जमा कि विलेख नं० 1973 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

प्रकप आई० दी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनाँक 30 जुलाई, 1979

निदेश सं० एपी 586/एबी एच०/79-80---श्रत: मुझे सुखदेव चन्द

आयकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्रीधन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-ध्यों से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो नं० 1 मण्डी श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विण्य है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से पश्चिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाक्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, जक्त शिवनियम के भंभीन कर देने के मस्तरक के वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (वा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या वन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विस्था जाना वा दिए वा जियाने में सुविधा के निए;

अतः भव, उन्त प्रधिनियम, की बारा 269-ग के समुसरण में, में, उन्न प्रधिनियम, की बारा 269-व की उपवारा (1) के बक्षीन निकासिक स्पन्तियों क्षर्यात्:--

- श्री भूप सिंह पुत्र धोलक राम पुत्र पैमा राम वासी बीर कालोनी श्रवोहर तहसील फाजीलका (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित लाली देवी पित्न उप प्रकाश चुनी लाल श्रीर लक्षमी देवी पित्न जगदीश चन्द्र पुत्र चुनी लाल ासी श्रान पिंड बारका सहसील फाजिलका (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिग्निधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति रूपती में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि भ्रौवह सम्पत्ति में हितबड है)।

को यह सूनता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीज से
 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रन्य क्यन्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त भिधिनयम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं भर्च होगा जो उस अञ्चाय में दिया क्या है।

अनुसुची

1/2 हिस्सा श्रज मकान नगर पालिका श्रबोहर नं० 868 खासरा नं० 2749/48 (33-8)2748 (135-3) हाकिम गली नं० 1 मंडी श्रबोहर। विलेख नं० 2024 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस •--

सायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० एपी 587/ टी एस०/79—80—श्रतः मुझे श्री सुखचेव चन्द

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा श्रनुमूची में लिखा है तथा जो मोड मन्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय तलवंडी साबू में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिष्ठत से अधिक है भौर झन्तरक (धन्तरिकों) भौर झन्तरिती (धन्तरितिमों) के बीच ऐसे झन्तरक के सिबे तब पासा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उक्त झन्तरण शिखित में बाक्तविक क्य से कवित नहीं किया यथा है:——

- (क) सन्तरम से हुई किसी पाव की बाबत उन्त बाहि-नियम के सभीन कर देने के सन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निये; स्रोट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घण्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, खिराने में सुविधा के खिबे;

प्रत: प्रय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के धनीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकृति :---

- 1. श्री चरंजीलाल पुत्र साधू राम मकान नं० 8 बी वार्ड नं० 8, मीड मन्डी, (ग्रन्तरक)
- श्री क्रिज लाल पुत्र श्रीराम द्वारा बाबू राम गुप्ता, मेन बाजार मौड मन्डी (श्रन्तरिती)
- 3. जेसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रादी दो मन्जला बिल्डिंग दान मन्दी मोड मन्डी जैसा कि विलेख नं० 1704 जन० 1979 रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी तलवन्डी साबू में लिखा है।

> सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

मोहरः

प्ररूप माई०टी•एन•एम•---

शीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन मूचना

भारत सरक)र

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए०पी०/588/टीएस/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेय चन्द

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मोड मंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय तलवन्डी साबु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्ड प्रतिक्रत से मिष्ठक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐमें अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निश्चिक में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिकार के ससील कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रांबा्स--

- 1. श्री चरन्जीतलाल पुत्र साधु राम पुत्र लाली मल वार्ड नं० 3 मौड मन्डी घर नं० बीIII/65 (श्रन्तरक)
- श्री बाबू राम पुत्र अजि लाल पुत्र श्री राम द्वारा बाबू राम गुप्ता, मेन बाजार, मन्डी मौड (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिख गया है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यंबाह्यिं करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक म्रादी दो मन्जिला बिल्डिंग वाना मन्डी मौड मन्डी ज़ैसा कि विलेख नं० 1701 जन० 1979 रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी तलवन्डी साबू में लिखा है ।

> सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

प्ररूप ग्राई० टी • एन • एस • ---

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 30 जुलाई, 1979

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-से अधिक है

श्रौर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो महेरियां में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकराण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीं) के बीच ऐसे ग्रन्तरिंग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त अधि-नियम के सधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निवित व्यक्तियों ग्रमीत :---3---216GI/79

- 1. श्रीमित चरणों पुत्नी सन्ता सिंह पुत्न खजान सिंह वासी महेरियां, मोगा (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री मलकीत सिंह, गुरदीप सिंह सुपुन्न उजागर सिंह पुन्न बचन सिंह. (2) सुखिवन्द्र सिंह, जोरा सिंह केवल सिंह, बलविन्द्र सिंह नायब सिंह सुपुन्न सागर सिंह, वासी महेरियां, मोगा (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घनिछ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिविनयम के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस भ्रव्याय में दिमा गया है।

अनुतृषी

86क-11म० कृषि भूमि गांव महेरियों जैसा कि विलेख नि॰ 6595 जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

प्ररूप घाई टी • एत • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निदेश सं० एपी 590/मोगा/79-80--- ग्रसः मुझे सुखदेव चन्द

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-१० से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है गया है तथा जो महेरियां में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 108 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्त-विक क्यें से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की वावत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; मौर/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या मन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या अनकर भिवित्यम, या अनकर भिवित्यम, या अनकर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा जिया जाना वाहिए था, जिया में सुविधा के लिए;

मतः सब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व के अनुसरण जै, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।--

- श्रीमित चरणों पुत्री सन्ता सिंह पुत्र खजान सिंह वासी महेरियां. मोगा (श्रन्तरक)
- 3. सर्व श्री मलकीत सिंह गुरदीप सिंह, सुपुत्र उजागर सिंह पुत्र बचन सिंह (2) सुख्विनद्र सिंह, जोरा सिंह, केवल सिंह, बलविन्द्र सिंह, श्रजैब सिंह सुपुत्र सागर सिंह वासी महेरियां, मोगा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति मम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)। को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

लिए कार्यवाहियाँ करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वाक्टरेकरका :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, को उनत प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

63 क०-8 म० कृषि भूमि, महेरियां गांव में जैसा कि विलेख नं० 6628 जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

> सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 30-7-1979

प्रकप भाई। ही। एन। एस।---

भायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भिथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गमक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंग भटिषा भटिषा, विनांक 30 जुलाई, 1979

निदेश सं० एपी 584/एबीग्नार/79-80--- ग्रतः मुझे सुखदेय चन्च

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' नहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० जैसा कि मनुसूची में लिखा गया है तथा जो भबोहर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय मबोहर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन जनवरी, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्ष्त के लिए प्रस्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्षम से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्षम को पन्द्रह प्रतिशत मिक्ष है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्षम, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधितियम के ध्रधीन कर देने के घ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने म सुविधा के लिए; धौर/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या सन्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम की भारा 266-य के धनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीतः—

- श्री राम चन्द पुत्र नाथू राम हिसार वासी गेरा मैडीकल एजेंसी तिलक बाजार हिसार (भ्रन्तरक)
- 2. श्री दीनक्याल पुत्र साबुराम मकान गली नं० 1318 गली नं० 7 मन्डी श्रबोहर (श्रन्तरिली)
 - 3 जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सपत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उनत घिनियम, के अध्याय 20-कं में परिमाणित है, वहीं घर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1317 गली नं० 7 मन्डी श्रबोहर जैसा कि विलेख नं० 2089 जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा

विनांक: 30-7-1979।

मोहरः

प्रकप पाईं टी एन एस -----

भावकर विजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 6 श्रगस्त 1979

निदेश सं० ए पी नं० 596—ग्रतः मुझे सुखदेव जन्द भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इपय से प्रधिक है

भौर जिकी सं० जैसा कि भ्रनसूची में लिखा गया है तथा जो सरकुलर रोड मन्डी भ्रबोहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड भ्रनसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 8-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफक्ष के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण बिखित में बास्तिक का से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रस्तरण से तुईं किसी भाय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अबीन निष्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- श्री करिशन कुमार पुत्र कर्म चन्द श्रबोहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कशमीरी लाल पुत्र टहिला राम हाउस नं० 1617 वाली व नं० 12 मन्डी भ्रबोहर (श्रव्रतरिती)
 - 3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा गया है (व व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पित्ति है)।
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्व कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िक्सी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, जो उक्त धिवियम के घड़्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उन घड़्याय में दिया गया है

मनसची

दुकान सरकुलर (मन्डी रोड ग्रबोहर में जैसा कि विलेख न॰ 1674 8-12-1978 रिजस्ट्री करता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्य सक्षम मधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 6-8-1979

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एत • एस ----

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के घंधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भटिंडा, दिनांक 8 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० एपी नं० 601--म्रतः मुझे सुखदेश चन्द भायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर रात् 'उरत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारम्ह्य 25,000/- रुपमे मे प्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा तथा जो गुरू तेग बहादुर नगर फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कं दृश्यमान प्रतिफल के जिए घन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखड़ प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों)भीर मन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नालिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गरा है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, सकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्रिनयम, या धनकर मिश्रिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया भाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सबीन निश्निजित अपक्तियों, अर्थातः →-

- श्रीमित वचन कौर पतनी चरन सिंह गुरू तेग बहादर गर फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- 2. श्री भगत सिंह पुत्र रतन सिंह पिड खडका कला तहसील फगवाड़ा जिला कपूरणला
 - (ii) सवरन कौर पतनी रतन सिंह (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4: जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिये कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

क्वच्छीकरण:—इसमें प्रमुक्त कटों धौर पदों का, खो उक्त धिक नियम के धन्याय 20-क में यचा परिभावित है, बही धर्म होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं गरूरोग बहादर नगर थगवाड़ा जो कि विलेख नं 1559 मिती 13-12-1978 को रजिस्ट्री करता ग्रधि-कारी फगवाड़ा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिंडा

विनांक: 8-8-1979

प्रक्ष माई• टी• एन• एस•---

मायकर म्रोदेनियम, 1961 (1961 का 43) की श्राप्त 269 प (1) के मग्रीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा दिनांक 30 जलाई, 1979

निदेश सं० एपी 582/एफजैंडग्रार/79-80—-ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय फिरोज-पुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित काजार मृत्य से कम के षृष्यमाम प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य सकते दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से पिन की प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से पिन है, भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) बौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अस्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त स्रीतिक नियम, के स्त्रीन कर देने के सन्तरक के दाविस्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविक्षा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धता, यव उन्त प्रक्रिनियम की बारा 269न के अर्नुसरण मैं, भैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 च की उपचारा (1) के अधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् 1——

- 1. मैं॰ गणेश सिलीगेट श्रौर जनरल मिल्ज फिरोजपुर शहर (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम प्रकाश पुत्र विवान चन्दं बोडर रोड फिरोजपुर शहर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्वत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्ये, जो भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त धिधिनयम, के झध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं घणंहोगा जो उस धब्याय में दिया गया है।

वनुसूची

बिल्डिंग ग्रौर जमीन का 1/2 भाग वोरखर रोड, जैसा कि विलेख नं० 4752 दिसम्बर 1978 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी फिरोजपुर में लिखा है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिंडा

दिनांक 30-7-1979 मोहर: प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज

भटिंडा, दिनांक 30 जलाई, 1979

निदेश सं० 583/एबीग्रार/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

ध्रायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त घ्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से ध्रधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि मनसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबी-हर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से घिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई ∤िकसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी कत या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम या भन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

जतः प्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्रीमित शान्ती देवी विधवा बनवारी लाल वासी 275-ई गरेटर कैलाश नई दिल्ली
- (2) किरन बाला पुत्नी शान्ती देवी वासी 4/7, 5वां श्रारोबर हिन्छे। स्ट्रीट कन्तीवी राची
- (3) सरोज बाला पुत्री शांती देवी वासी 45; एनडीएसई पारट एक नयू दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. बिपिन कुमार पुत्र मथरादास वन्दी सापरनां वाली तहसील फिजलकां (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणं :---६समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया श्रिया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं० 1806/1066 गऊणाला रोड प्रबोहर जसा कि विलेख नं० 1846 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रक्षोहर लिखा है।

> सुखदेश चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 30-7-1979

प्रक्ष आई• टी॰ एत० एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 9 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० 605—अत: मुझे सुखदेव चन्द प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व्यये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा गया है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है धीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रक्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखन में बाह्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रिष्ठितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी कियो आय या किसी घन या घरण घास्तियों, की जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घर्न्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्रीमित गुरनाम कौर विधवा जीउन सिंह मौहन भटिंडा (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गुलाब सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र सुखविन्दर सिंह, जसपाल सिंह पुत्र गुलाब सिंह पिंड मैहमा सूरजा भटिंडा (म्रन्तरिती)
- 3. जो कि ऊपर नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी श्ररके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पार्कींप :---

- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, जो भी घवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इ.५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव ब किमो प्रस्थ क्यक्ति द्वारा प्रभो हस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त ककों भौर पदों का, जो उक्त प्रक्रि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन 1 बीघा 16 बिसवा गुरू नानक सैक्टर भटिंडा विलेख सं० 4439 दिसम्बर 78 रजिस्ट्री करता भ्रधिकारी भटिंडा में लिखा है ।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

विनांक: 9-8-1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस•----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज भटिङा

भटिंडा दिनांक 9 श्रगस्त, 1979

निदेश सं 604—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत भाषक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण भिखित में बास्तविक कप से कियात नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के अश्रीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधित्यम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के प्रनुसरण कों, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीतः—-4—216GI 79

- 1. श्री गुरवियाल सिंह रीयाल सिंह पुत्र भरवृल सिंह मौहता मैदना भटिंडा (श्रन्तर्क)
 - 2. श्री मंगल सिंह पुत्र सजन सिंह भटिंडा (श्रतरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोश्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन 1 बीघा, 16 बिसवा गुरू नानक सेक्टर भटिंडा विलेख नं 4438 दिसम्बर 78 जो रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भर्टिडा

दिनांक: 9-8-1979।

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 9 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पीपी एन० 603—ग्रतः मुझे सुखदेव वन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

दिनांक दिसम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से ग्रीधक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर
अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत अधिनयम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः घन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के घनुसरण में, में, उक्त घिनियम की घारा 269-व की उपघारा () 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 2. श्री गुलजारा सिंह, सुरजीत सिंह, श्रजीत सिंह, श्रवतार सिंह पुक्ष मेहर सिंह वासी पिंड गंगा श्रला भटिंडा (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>धर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध, को भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षक्टीकरण:--इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही मधें होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन 1 बीधा 16 बिसवा गुरू नानक सेक्टर विलेख नं० 4437 दिसम्बर, 78 जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन रेंज, भटिडा

दिनांक: 9-8-1979

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

भायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 (1) के बम्रीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश नं० ए० पी० 602—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वृणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्निक्तित्व उद्देश्य से एक्त भन्तरण निक्ति में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रश्तरण से दूर्व जिली आय की बाबत उक्त श्रीत-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त भिवित्यम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्णात् :---

- 1. श्रीमित गुरनाम कौर विधवा जीउन सिंह, भटिंडा (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रवतार सिंह, मोहिन्दर सिंह, हरबंस सिंह, मनजीत सिंह पुत्र बसवंत सिंह वासी कोट गुरू भटिंडा (श्रन्तरिती)
- जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में लिखा गयों है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्वन क सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यकोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

भ्रन् सूची

जमीन 1 बीधा 16 बिसवा गुरूनानक सैक्टर भटिंडा बिलेख नं० 4436, दिसम्बर 78 र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 9-8-1979

प्रकप भाई । टी । एन । एस । ---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० 606--श्रतः मुझे सुखदेवचन्द आयकर अधिनियम, (1961 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से ग्रधिक है श्रौर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्चिनियम, या धन-कर भश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः भवः, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-थ की उक्कारा (1) के भविन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः——

- 1. श्री हरभजन सिंह पुत्र चरन सिंह पिछे मौडल टाउन गुरू नानक पुरा खेरा रोड फगवाड़ा। (ग्रन्तरक)
 - 2. मेसर्स मीक उटो टरेडरज खेरा रोड फगवाड़ा।(ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि उपर न० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मै० मीक श्राटो ट्रेडरज खेरा रोड फगवाड़ा का हिस्सा जैसा कि विलेख न० 1583 तारीख दिसम्बर, 1978 रजिस्ट्री करता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख 16-8-1979 मोहर:

धक्प भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1979

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल

के पन्द्रह प्रतिया से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) स्वीर

धन्तरिती (प्रनारितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घाय धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, जबत अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्⊸ श्री सन्तोष कुमार
 द्वारा जववन्त सिंह निवासी ससावत परः जौ० जानसथ मुजफ्फर नगर ।

(ग्रन्सरकः)

2. श्री श्रमरीक पुत्र प्रीतम सिंह व प्रीतम कौर, पत्नी प्रीतम सिंह निवासी ग्राम देवतपुरी, परः व तहः जानसथ, मुजफ्फरनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचनाजारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भड़पाय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस महसाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम इसहनिवाला में 41,275/- रुपये में बेची गई।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, कानपुर

तारीख: 4-7-1979

मोरहः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1979

निदेश सं० 600-ए/कानपुर---ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त धर्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के धर्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से मधिक है म्रोर जिसकी सं 0 11 है, तथा जो ग्राम पडियापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय डेरापुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन तारीख 23-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है भीर श्रम्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया मधा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त ध्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भास्तयों को; जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तविती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उन्न प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम की प्रारा 269-व की उपधारा (1) कि स्वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री ममती झाः गयादीन निवासी रूरा पुरवा मजरा मौजा दया परगना, देरापुर (कानपुर),
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शिवली पत्नी राम प्रसाद व इन्दराणी, पत्नी सुबदार निवासी ग्राम पडियापुर, मजरा मौजा, दणवरा, सुजनपुर परगना, देशपुर, जिला कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनु सूची

कृषि भूमि ग्राम दया नवस्थर 11 रक्षा 9 2-16 22,000/- रुपये में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 4-7-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० 900-ए/गाजियाबाद—ग्रतः मुझे भ० व० अतुर्वेदो भागकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है

धौर जिसकी सं० के० म्राई० 1 है तथा जो कविनगर गाजियाबाद में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रोर जो पूर्ण रूप मे विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 17-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं दिया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिर्मियम के भवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपमारा (1) के अधोन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:——

- 1. श्री जी० सी० मिश्रा, पुत्र श्री पी० मिश्रा, निवासी 158, कलकक्षेत्र, कालोनी, (मद्रास)। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गफाली चौधरी पत्नी श्री ब्रिजेश कुमार श्रग्नवाल निवासी के०ई० 13. कविनगर, गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त प्रान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नम्बर, के० ग्राई० 1 क्षेत्रफल 1229-54 वर्ग गज स्थित कविनगर, गाजियाबाद में 39,345-28 पैसे में बैचा गया।

> भ० च० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-7-1979

मोहरः

प्ररूप माई• टी• एन• एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

चारत सरकार

कायांत्रय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

चतुर्येदी धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाबार मूल्य 25,000/- क्पए के ध्रधिक है

ह्यौर जिसकी सं० 518 है, तथा जो ग्राम नासरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और मन्तरित (ग्रस्तरितयों) भीर पन्तरिती (ग्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर पन्तरिती (ग्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर पन्तरिती (ग्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (प्रन्तरकों) के निए तय पाया गया प्रतिकृत्व, निम्ननिधित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्रय में किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त व्यक्षितियम के घ्रष्टीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे अचने में सुविधा के बिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आसा चाहिए का या, खिणाने में सुविधा के सिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री विजय नरेश गुप्ता, पुत्र स्व० रामजीलाल निवासी 103, जी०टी० रोड, गाजियाबाद। (प्रन्तरक)

लोनी त० व जिला गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती णर्मा देवी पत्नी हरप्रसाद भर्मा हेमन्त कुमार, शैलेन्द्र कुमार भर्मा व राहुल भर्मा निवासी 12, निर्मेला छावनी, हरिद्वार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वी का व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 विन के मीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पर्दा का, का उन्त श्रीधनियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट रकवा 9712.5 वर्ग मीटर जो गजरती में 2156 गज है, रकवा 518 मि० स्थित ग्राम नामरपुर में 60,000/-रुपये में बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर झायुक्त, निरीक्षण झर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 6जुलाई, 1979

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०----

-भायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जुलाई 1979

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

मोर जिसकी सं० 45/50-ए है, तथा जो गया प्रसाद लेन, कानपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिषांतः—— 5—216G1/79

 श्री किशनचन्द रम्नोगी पुत्र बलदेव रस्तौगी।, माकिन 45/50, ए० गया प्रमाद लेन, मूलगंज, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सलीम उल्ला पुत्र करीमउल्ला, सा० 94/82, पेचबाग, खलील ग्रहमद पुत्र मोहस्मद हुसैन, 78/325. ग्रनवरगंज, ताज मुहस्मद पुत्र श्रमूद खां, 78/35, ग्रनवरगंज, कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी क्रन्य व्यक्ति, द्वारा, क्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त ग्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रन<u>ु</u>सूची

गृह सम्यक्ति नम्बर 45/50-ए, गया प्रसाद, लेन कानपुर में 45,000/- रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-7-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के भ्रधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 जुलाई 1979

निदेश सं० 560-ए/कानपुर—श्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10 है तथा जो काकादेव में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात:— श्री डाबटर सूरज नरायन सबसेना,
 30/2, चावल मन्डी, कानपुर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जनपाल सिंह भल्ला, तथा श्रीमती भूपेन्द्र कौर 120/822, रंजीत नगर, कानपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त समाति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया शया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर, 10 ब्लाक्ष 4 काफादेव में 47,625-68 रुपए में बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 16-7-1979

प्रकप साई• टी• एन• एस•---

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1979

निदेण सं० 589-ए/मु० नगर—ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी पायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिषान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 188 है, तथा जो गेदाना खुर्द में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मु० नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिषक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चित, कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

धतः धव, उनत धिवनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के धवीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री णिवकान्त पुत्र अस्तानन्द व श्रीमती विमला विधवा अस्तानन्द, गेदाना खुर्द, पर० व जिला : मुजफ्फरनगर, । (श्रन्तरक)
- श्रीमती भ्रशरफी देवी पत्नी लाल चन्द्र निवासी गेदाना, कला पर० व जिला मुजफ्फरनगर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, को उक्त ग्राधि-नियम, के धाञ्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रामं होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 122/1 वांके गेदाना, खुर्द परगना मुजफ्फरनगर में 12,000/- रुपये की बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-7-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० 581-ए/बुढाना——ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 640 है, तथा जो खलवापुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबल श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बुढाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-12-78 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के दिवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शक्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐमें दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरित (अम्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उक्त प्रस्तरण कि बित में वाम्तिक रूप से किंबत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविवा के लिए; ग्रौर/था
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या धन्य धाहितयों को जिस्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उन्त धिवियम, की धारा 269-ग के मनुसर में, में, उन्त धिधिनयम की धारा 269-म की अपक्षारा (1) के बाबीन निम्नलिखित स्थिनतयों, अर्थातः— श्री देयदत्त पिसर परमानन्द त्यागी निवासी पुरा परगना शिकारपुर, तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फर नगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुरली धर, श्रशोक कुमार पिमरना कालीराम त्यागी साकिन पुरा, पर:, शिकारपुर जिला मुजफ्करनगर। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संगत्ति के धर्मन के मंत्रंध में कोई भी धाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्याबर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति ब्रारा शक्षोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

रुपच्की करण: --- समें प्रयुक्त गक्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भ≉पाय में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि नम्बरी 640/31।। +15 का 1/4 भाग ग्राम पुरा परगना शिकारपुर जिला मुजफ्फरनगर में 48,000/- रुपए में बेची गई ।

> भ० घ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, कानपुर

तारीख: 6-7-1979

प्रकप धाई• टी• एन• एस•---

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० 586-ए/देहरादून—अप्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृह्य 25,000/— रु० से प्रक्षिक है,

भौर जिसकी सं० 40/3 है, तथा जो भन्डारी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यलय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-78 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभन से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि खित में बास्तिक कप से किंबत नहीं किंबा गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः ग्रव उस्त ग्रविनियम की बारा 269-म के प्रनुत्तरण में, में, उपत ग्रविनियम की बारा 269-म की उपशारा (1) के अधीन, निज्निभिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री शम्भू नाथ कौल पुत्र प्रनाद कौल. निवासी 40/3. भण्डारी बाग, देहरादून । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नीलम पंडित पत्नि श्री राजेन्द्र पाल सिंह निवासी 19 लक्की बाग, देहरादून। (ग्रन्तरिती)

को या मुजना आरो करके पुर्वोक्त सम्मति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं!

उन्त सम्पत्ति के अन्तेन के सम्बन्ध में कोई मा आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भविध, जो की भविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हरक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही प्रबं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 834 मि० रकवा कमीवेण 13 स्थित मौजा लक्खी बाग, केन्द्रीय दून:, देहरादून व एक दुकान नगर-पालिका नं० 40/3, भन्डारी बाग, देहरादून में 70,000/ रुपये का बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 7-7-1979

प्ररूप भाई • टी० र्न ● एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 24 जुलाई 1979

निर्देश सं० 931-एसीए/ग्रलीगढ़/ 78-79—-श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-सा के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से यधिक है,

स्रोर जिसकी सं० 788 है, तथा जो मी० शाहजहांपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय स्रलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 20-12-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (अन्तरितियों) क बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में शस्तर शिक का से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्या गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविश्वा के लिए;

अतः सम, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--- श्री रमेश उर्फ रमेशाचन्द सुपुत वासदेव निवासी मौ० शाहजहांपुर ताजपुर, परगना व त० कोल, जिला श्रलीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्रीराजपाल व राम चरन सिंह व सूरत पाल सिंह, हरीपाल सिंह सुपुत्र श्री दंगल सिंह साकिनान मौ० खिटकारी खेडा, पर० व त० कोल जिला० ग्रलीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त संपत्ति के मर्जन के पंजंध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस पूबना के राजपत में प्रकारत को नारीच से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजगत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोत्तरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदीं तः, जा उकत स्वितियम के ग्रह्माय 20-क में यथापरि-माधित हैं, वही मर्च होगा जो, उस सध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुस्ची

कृषि भूमि नं० 788 जोकि मौजा शाहजहांपुर ताजपुर परगना व तहसील कोल जिला अलीगढ़ में 36,000/- की बेची गयी जिसकी बाजारी मुख्य 77,000/- रुपये है।

> भ० च० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-7-79

प्राह्य आई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 1979

निर्देण सं० 937/ए०सी०क्यू०/मथुरा/78-79—-प्रतः मुझे भा० च० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त मधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूच्य 25,000/-र• से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2518 है, तथा जो रानी मंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री महेशचन्द श्रग्रवाल मुपुत्र श्री दाऊदयाल एवं श्रीमती शकुंतला अग्रवाल, पत्नि रमेशचन्द श्रग्रवाल निवासी मानिक चौक, मथुरा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नारायण दाय पुत्न शिव चरन लाल निवासी बरमाथा तहमील छाना, जिला मथुरा व कृष्ण गोपाल मुपुत्न मूल चन्द, चौक बाजार, मथुरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शास्त्रीकरण: → इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, उकत ग्रीध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रथं होगा चो उस आयकर में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि नं० 2518 बाके रानी मंडी, मथुरा में 70,000/ रुपये की बेची गयी जिसका बाजारी मूल्य 70,000/- रुपये हैं।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-7-79

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०---

अ।यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायार आयारर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेण सं० 1021 /ए०सी०ए/फिरोजाबाद/78-79—-ग्रत: मझे,भ० च० चतुर्वेदी

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० 242 श्रा है, तथा जो मौजा रहाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपानत अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध कारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-12-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है भौर भन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बासतिक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त भ्रिष्टिनयम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिक्षा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें मारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्राधिनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के धनुमरण में, मैं उक्त भिधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षातः---

- श्री रामचरन सुपुत्र श्री चुन्नीलाल यादव निवासी नागाला भाऊ, त० फिरोजाबाद, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राधण्याम सुपुत्र श्री नन्हमल आसम राज फिरोजाबाद, श्रागरा श्रध्यक्ष उपरोक्त समिति जिन्दल नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड स्थित फिरोजाबाद, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

वयत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिन् नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्रचल संपत्ति नं० 242 श्र बाके मौजा रहाना तहसील फिरोजाबाद में 9,000/- रुपये की बेची गयी जिसका बाजारी मूल्य 15,200/- है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-7-79

धाई० टी॰ एन० एस॰----

भ्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निदेश सं० 968/ए० सी० क्यू ०/भर्थना/78-79---- ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी **आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची में वर्णित है, में स्थित है (मीर इससे उपाबद मन्मूची में मीर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भरिया नाइटाना में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके बुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ममिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए

(क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, जक्त भिन्न नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या

त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्देश्य से उस्त भन्तरण,

लिखित में नास्तिवक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भ्रम-कर भ्रधिनियम, या भ्रम-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंथ, शक्त ग्राधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरम में, में, जक्त ग्राधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्निश्चित व्यक्तियों, ग्रामीत्:—— 6—216GI/79 श्री जमुना प्रसाद णिव लाल भरमाई न्यू खाराल न्यू कालोनी गुरजा, इटावा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हृदय राम निहाल सिंह, मुन्ती लाल, बादणाह राम भरण (नाबालिग), बादणाह राम अवतार, राम चन्द, लाल सिंह (नाबालिग), बोबी राम अवतार, अप्पारे, राजा राम, किताब श्री पत्नी अपाय राम पेसोपूर राकेण कुमार (नाबालिग) पुत रघु राज सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी गाधिया पारीहार, भरकना, जिला इटावा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भी र पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के घट्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गठिया पारिहार में कृषि भूमि नं० 166 ध में 67,000/-रुपये की बेची गयी जिसका बाजारी मृल्य 12,6000/- रु० है। भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-7-79

प्ररूप आई । टी । एन । एस • ---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० 962/एसीए०/ग्रागरा/78-79—-ग्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूख्य 25,000/- के से सिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं 19/10-ए/66 है तथा जो जयपुर हाउस, ग्रागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22-12-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संयोपुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐते वृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (ग्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बांच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मसिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण विश्वित में यास्तिक कप से कथित नहीं क्या गया है कर

- (क) सन्तरण संहुई किसी साय की बाबत, उन्त बिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी थाय या कियो घन या ध्रम्थ आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आयकर अक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना चाहिए या, द्विपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रबं, उन्तं प्रधिनियमं की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्तं धिधिनियम की घारा 269म की उपचारा (1)के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. (1) श्री राजेन्द्रकुमार णकुजा सुपुत्रश्री भ्रोम प्रकाश शकुजा
 - (2) श्रोमप्रकाशं णकुजा सुपुत्र श्री राम लाल जयपुर हाउस, लोहा मन्डी, वार्ड श्रागरा। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती दयावती पत्नि हरी सिंह
 - (2) मुन्दर लाल
 - (3) जोगेन्द्र पाल 19/10 ए/66, जयपुर हाउस, भ्रागरा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

₹अस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि नियम के प्रक्याय 20के में परिभाषित हैं, वही
 पर्य होता, वो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 19/10 ए/66 जयपुर हाउस, ग्रागरा में 12,000/- रुपये का बेचा गया जिसका बाजारी मूल्य 1,56,745/- है ।

भ० च० **चतुर्वेदी,** सक्षम प्राघिकारी**,** सहायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा: 25-7-79

प्रकप बाई• टी•एन• एत•---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, बहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निदेश सं० 763/ए०सी०वयू०/ग्रागरा/79-80---ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रार: 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- व्यए से अधिक है

भीर जिसकी सं० 94 है, तथा जो मुलतानपुर छावनी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रागरा में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन तारीख 1-12-78 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृज्यमान प्रति-कल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चक प्रतिशत प्राप्तिक है भीर मन्तरक अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम निख्ति में बास्त्रविक कप से क्या नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से दुई किसी धाय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी कश्ते या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी प्राय मा किसी धन या ग्रम्य ग्राहितयी की. जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियंस, 194.2 (1922 का 11) या उपत प्रशिनियम का खन-भर भिष्टित्यस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिये था, छिपाने मेंसुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुश्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिबत स्पन्तियों, ग्रयांत :---

- श्री श्रोमप्रकाश पुत्र स्व० कुन्दनलाल निवासी प्लाट नं० 21, सुनीता कफ पांड बम्बई। (श्रन्तरक)
- 2. श्री नत्थीलाल पुत्र बापू लाल व श्रीमती प्रभादेवी पितन श्री नत्थी लाल पुत्र महाबीर प्रमाद पुत्र नत्थी लाल उक्त साकिनान सुल्तानपुर छावनी, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करण प्योक्त समालि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वार्तन के यम्बन्ध में होई भी माओप :---

- (क) इस मुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिष्ठ या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थावत में हितबज्ञ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास जिख्या में किए जा मकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्दों श्रीर पत्रों का, को उक्त सिध-नियल के अध्याय 20-कों यथा परिवालित है, बही सर्वे होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक किता मकान नम्बरी 94 बाके मुलतानपुर छावनी, ग्रांगरा में 75,000/- रुपये में बेचा गया जिसका बाजारी मूल्य 10,8625/- है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-7-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस •-----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के श्रष्टीत सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निदेश सं० 958/ए०सी०ए०/सहारनपुर/78-79--प्रत: मुझे, भ० च० चतुर्वेदी
आयकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ' उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-च के शधीन मुझन प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका जित बाजार मूक्य
25,000/-व० से प्रधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा पूंबारका, में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-78
को पूर्वोवत संपत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यवापूर्वोवत संपत्ति का जित्र बाजार मूल्य, उसके

बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत विश्वक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) जीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरि-

तियों) के बीच ऐसे सन्तरन के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप है

कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की नावत उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसचे दचने में मृतिधा के लिए। जौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वधा था सिया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविचा के लिए;

सतः धर, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, उन्त प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री चेतु पिसरवीर सिंह मौजा पूंबारका डा० खास परगना व तहसील सहारनपुर।

(ग्रन्सरक)

 श्री श्रोमवीर व राजन राजकुमार जी विलायत प्रकाश [्बली कुदरती पिता हल्कीककी [साकिद मौजा पुंवारका परगना व तहसील सहारनपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक दे
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त सिंधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्ध्यो

मौजा पूंबारका परगना व तहसींल व जिला सहारनपुर में कृषि भूमि 36,500/- रुपये की बेची गयी जिसका कि वास्तविक बाजारी मूल्य 11,68,000/- रुपये है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-7-79

प्रकृप धाई • टी • एन • एस • ---

भागकर श्रिक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 श्रगस्त, 1979

निदेण सं० 923/ए/बुलन्दशहर/--म्रतः मुझे, भरत चन्द चतुर्वेदी

अधिकार अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ र॰ से अधिक है और जिसकी सं॰ कृषि भूमि है तथा जो खुर्जी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जी में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के अधीन 26-12-78 को

पूर्वोक्त समाति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छड़् प्रतिगत प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तर्कों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्रायं की बाक्त, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (बा) ऐती तिनो आय या जिनी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायनर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

बता सब, उका प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मदन सिंह व जायबीर सिंह पुत्रगण मनम्मा सिंह निवासी खुर्जा जिला बुलन्दशहर।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुभाष चन्द्र पुत्र लाला फूल चन्द निवासी खुर्जा जिला बुलन्दशहर।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पति के घर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख के 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20क में परिभावित हैं, वहीं धर्म होया, जो उस सध्याय में विया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि नं० 3019, 3020, 3024, 3025, 3026, 3030, 3032, स्थित खुर्जा में 8500/- रुपये में बेची गयी।

भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

िंदनांक 2-8-79 मोहर: प्ररूप गाई० टी० एन∙ एस०——

आयकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर र हिनांक ३ क्यास्त १६

कानपुर, दिनांक 3 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० 938 ए/कानपुर/—म्ब्रतः मुझे भरत चन्द चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 232, 384, 486, 708 है, तथा जो छारौली में स्थित है) स्रोर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण छा से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दाधरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान पतिकत के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह गतिगत से प्रतिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और पन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्र गाया गा गीकर निम्नतिखा उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिस्खान में वास्तिक कर से कियात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पीर/वा
- (व) ऐसी िक्सो आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में मुक्किश के लिए;

भत: भव, उन्त भिधितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भिधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निभ्नतिश्वत व्यक्तियों, भर्मात:--

- श्रीमती राजरानी परिन जैनाथ गुप्ता, राजनाथ वसुरेन्द्र नाथ गुप्ता, पुत्र जैयनाथ गुप्ता, निवासी 3 सेन्द्रल न्यू महारानी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री चेतनस्वल्प गुप्ता, वश्रलोक गुप्ता, श्ररूण गुप्ता निवासी 16 ईस्टन जैभी, न्यू महारानी बाग, न्यू देहली ।

(अन्तरिती)

कायह पुर्वना जारी हरके प्रवेशित पमानि के धर्जन के लिए कार्यवाह्यिं करला हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस पूचता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धवित्र वाद में समान्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारां;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी श्राय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित बूँ, बही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि नम्बर, 232, 384, 486, 708, 232 के टुयूबर्पैल कोठी स्थित छारौली परगना दादरी जिला गाजिया<mark>बाद में</mark> 11,00000/- रुपये ; बेची गयी ।

> भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख 3-8-1979 मोहर: प्ररूप थाई • टी व एन • एस ---

आक्कर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रष्ठीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह भायक**र मायुक्त (निरीक्षण)** .श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० 945ए/कानपुर/—-श्रतः मुझे भरत चन्द चतुर्वेधी भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 90/102ए हैं, तथा जो इफ्तकाराबाद में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908)1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-12-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और धन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निश्निजित्तत उद्देश्य न इका धम्तरण लिखित में बास्तविश्व का से कथि नहीं किया गया है——

- (अ) अध्यारण से हुई विसी भाव का नाका उकत अधिनियम, के भन्नीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे सकने में मुक्तिया के लिए; भौर/वा
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या भ्रत्य पास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

धसः सवः उक्त सधिनियम की धारा 269 व के समुसरण कें, में, उक्त सिवियम की धारा 269 व की उपवारा (1) के सधीनः निश्नविधित व्यक्तियों, वर्षात्ः --- श्रीमती जोहरा खातून पत्नि स्व० मोहम्मद श्रहमद श्रली जमील श्रहमद, श्री मती नबस्तउम पत्नि दिलशाद, नजमा खातून, पत्नि सरताज श्रहम्मद, निवामी 105/234-ए, चमन गंज, कानपर।

(श्रन्तरक)

 मैनेजमेंट कमेटी श्राफ मारक्यू कलान इफ्तकरा काद, कानपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह पूर्वना जारी हरहे गुगेश सम्मान के भनेन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संरक्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताखरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिश गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति 90/102-ए, इपतकरा बाद कानपुर में 62,000/- ६० बेची गयी।

भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 3-8-79 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी• एन० एस•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० १४६-ए/कानपुर/--म्रतः मुझे भरत चन्द चतुर्वेदी आयकर ग्रिश्चिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-अब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर रुपये से भिधक है 25,000/-मृत्य स्रोर जिसकी सं०117/71 है तथा जो सरवोदय नगर,कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 26-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित धहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में धाक्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत उक्त, प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, मारतीय भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के लिए;

धतः, भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:—

- श्री पी० एन० कपूर,
 बी-340, न्यू त्रिवेनी कालोनी, न्यू देहली।
 (ग्रन्तरक)
- श्री वैद प्रकाश, धर्म प्रकाण, श्री मती नगीया
 24/44, बिरहाना रोड, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रग्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त भिष्टिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भन्याय में विया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 117/71 सरवोदय नगर, कानपुर में जिसका क्षेत्रफल 2324 वर्ग फीट है, यह सम्पत्ति 143,000/ ह० में बेची गयी है।

> भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्राय**कर श्रायुक्त (निरी**क्षण**), श्रजेंन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 6-8-79 मोहर : प्रकप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियन, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 7 श्रगस्त,, 1979

श्रीर जिसकी सं० गृह सम्पत्ति है तथा जो की शलपुरी, कानपुर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख 5-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अस्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिगत से सिधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वत में वास्तिक है पो किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की वावत अक्त अधिनियम के झधीन कर देने के झक्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे वक्तने में सुविधा के लिए; और/या
- (खः) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं कियागया था या किया थाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर। में, में, जनत अधिनियम की घारा 269-म की स्पन्नारा (1) अधीन, विश्वतियिक श्यकित्यों, भ्रवति 7----216GI/79

- श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नि रवेल सिंह, निवासी 117एच-1/431, 20 काकादेव कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती णकुन्तला देवी जैयसवाल पत्नि तिभूवन नाथ जयसवाल, 21/1, चटाई मोहन कानपुर व श्री परस नाथ जैयसवाल पुत्र राजा राम जैयसवाल निवासी 31/6, गुमानी मोहल्ला, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के **भर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मा शक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भन्य क्यक्ति धारा, घधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसम प्रमुक्त कन्दों घीर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

गृह समात्ति नं 118/335, में स्थित कौशल पुरी कानपुर में 84,000/- रु० की बेची गयी।

भरत **चन्द** चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 7-8-79 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 153/79-80---यतः मुझे के० के०वीर,

भायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से भिषक है

भ्रौर जिसकी सं० 5-9-1142 वीभारा है, जो कीनग कीटी रास्ता हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान 19 िसम्बर 1978।

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितो (अन्तरितिया) के बीच एसे प्रत्ररण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाउन, उक्त बिश्वियम, के मधीन कर देते के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उसने बचते में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसा कि ती नाय या कियो बन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्न, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिविनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एम एस० आर० बेग पिता महमद श्रली बेग धर नं 11-2-555/1-बी श्रगापुरा हैदराबाद (श्रन्तरक)
 श्री धर्मलोनाग पिता शिवकुमार 15-5-332 उसमान गंज हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्मात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भविष्य या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वव्होकरका:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पवीं का, की उनत प्रधिनियम, के घध्याय 20-क में परिभावित हैं, बढ़ी धर्म होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-1111 बीभारा ने 9की नगकोटी के रास्ते पर है हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 5627/78 ऊप-रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाइ

तारीख 13-8-1979 मोहर: प्रक्षप प्राई• टी• एम• एस•⊸—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना धारत संरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैवराबाध, दिनांक 13 ग्रगस्त 1979

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 154√79-80—अतः मुझे के० के० वीर

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कमरानं० 10 डोर नं० है, जो उसबीय शापिन्ग सेन्टर हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्नविक अप से कवित नहीं किया गया है :----

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त सिधिनयम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाधिनियम, या धन-कर घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिश्ती धारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः प्रवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म के अवुसरण में; में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति :---

- मैसर्स श्रसोसियेटेड बीलडर्स और रीयल स्टेस्ट ओपोजिट श्रावाद रास्ता हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री मैसर्स बाज पनटर प्रेसेस ध्रदीपती में गनी कोटीडो नं 10 श्रबाद शापिंग सेन्टर च्यीरागली लेन हैदराबाद। (ग्रन्तिति)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धंर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीटी नं० 10 होयनजलेपर आबीद मार्पिंग सेन्टर-भीरागली लेन हैवराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 5422/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 13-8-1979 मोहर: प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 155/79-80--यतः मुझे के० के० वीर,

आय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1-8-44/13/2 पहला सतावर है, जो धीकडपली हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1978 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरितों (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि बित में वास्तविक कर से कित नहीं किया नया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से मन्दरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किवा जाना काहिए वा, छिपानें में सुविधा के सिए।

त्रतः सब, उन्त प्राप्तियम, की धारा 269ना के प्रतु-सर्थ में, मैं, उक्त प्रजिनियम की धारा 269ना की उपवारा (1) के ब्राप्ति निव्नविधित व्यक्तियों अर्थात् !--

- 1. श्री एम० पी० ब्रदम्मा (2) मेस वीरेश (3) बी० जगदीणवर राऊँ (4) एम० आर० सुरेशा (5) एम० एस० हनुम-तन्तराऊ (6) एम० एस० रमेश (7) सुक्रमीनी (8) एन वीजयालाक्षमी (9) एम० जेन्द्राकला तमामी का घर 1-8-44/13/2 धीक इपल्ली हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुरुदास पिता स्वर्गीय तानूमल 1-8-44/13/2 धीकड़पली, हैंदराब।द (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली सस्ताका घर नं० 1-8-44/13/2-वीस्तेन 244-00 वर्गेमीटर धीकडपली हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5442/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीखा: 13-8-1979

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० श्रार० ये० सी० सं० 156/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'बक्ट मिलियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मिलीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उविद बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से मिलक है

श्रीर जिसकी सं० 1-8-44/13/2 वीबाग है, जो जमीन की सतह चीकडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिगत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए स्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए स्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिए स्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेश्य से उक्त अन्तरण कि लिख से वास्तिविक क्षत से किया नहीं किया गया है।

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की वाक्त, उक्त प्रश्चितियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे वचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मध्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या, धिथाने में सुविधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में चक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारां (1) के सधीन; निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) श्रीमती एस० बी० बदरम्मा पत्नी लेट एम० बी० सत्यनारायना (2) श्री एम० एस० वीरेश (3) एस० जगदीशवर राऊ (4) एस० एस० सुरेश (5) एम० एस० हनुमन्था राउ (6) एस० एस० रमेश (7) श्रीमती रकुमनी पत्नी बी० यादगिरी (8) एन० विजयलक्ष्मी पत्नी बी० के० नास्ती (9) मिसेज एम० चन्त्रकला पत्नी एम० बीनारतना 1-8-44/13/2 चीकड्पल्ली हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री भगवान दास पिता स्वर्गीय तानूमल 1-8-44/14/
 चीकड़पल्ली हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पर्थों का, जो उक्त प्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभा-जित है, वही धर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की सप्तह घर नं० 1-8-44/13/2 विस्तीर्ण 244 वर्ग मीटर चीकड्पल्ली हैदराबाद में है रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2037/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-8-1979

शारूप भाई• टी० एन॰ एस•----

म।यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के मधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13-8-79

सं श्रार० ए० सी० नं० 157/79-80—-यतः मुझे के० के० वीर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-2-240 गगनमहल है जो रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित भाजार मुक्य से कम के दृष्यमान प्रतिष्ठां के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रृष्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशय ध्रिक है और घन्तरित (भ्रम्तरकों) भीर घन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखत में बास्तविक कप से चित्रत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उस्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कृती करने या उससे वचने में पुक्तित के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी बन या अस्य अपिन्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चोडिए बा, छिपाने में सुविधा के जिए;

चतः श्रद, उक्त प्रवितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रवीत निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:──

- (1) श्रीमती गाधू सरस्वथम्मा परनी स्वर्गीय एग० श्रीनिवासा गास्त्री (2) एम० सिवानन्धा शास्त्री (3) एस० गूरुमूरथी (4) डाक्टर साधू विजयकुमार म० नं० 16-9-32 ए/1 दरा मलकपेट हैंदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी० वी० कामण पिता बी० एन० कामथ 49 सी पालीनाका बान्द्रा बम्बई-50 (श्रन्तरिती)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास जिक्षित में किये जा सर्केंगे।

हपक्कि रच: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मधै होगा, जो उस मध्याय में विया वसा है।

धनुसूची

धर ग्रीर खुली जमीन घर नं० 1-2-24 गगनमहल रास्ता दोमालगुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5636/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 13-8-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्मर्जन रेंज हैसराबाध

हैयराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

म्रार० ए० सी० नं० 158/79-80——यतः मुझे के० के० वीर,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1-2-41 है, जो गगनमहल रास्ता हैद्राबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 सितम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है भौर श्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तियत्त अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत जक्त धिक्षित्यम के घधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या िसी बन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुक्षिष्ठा के लिए;

भत: सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपीत :---

- 1. (1)श्रीमती साधूसरस्थवम पी० ए० जी० एस० सिवानन्धा सास्त्री (2) एस० सिवानन्धा सास्त्री (3) एस० गूरुसूरशी (4) द्वाक्टर एस० विजय कुमार म० नं० 16-9-32/ए/1 सलकपेट हैद्राबाद (श्रन्तरक)
- 2. शेशागिरी एन० कामय म० नं० 1-2-41 गगनमहल रास्ता हैद्राबाद (प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के प्रजैन के मम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त भिक्षित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर भौर खुली जमीन नं० 1-2-240/1 गगनमहल रास्ता डोमालगूडा हैद्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5637/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद में ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 13-8-1979 मोहर: प्ररूप गाई॰ टी॰ एन• एस•----

भाषकर ग्रांचिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-घ (1) के भागीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैद्राबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1979

सं॰ भ्रार॰ ए० सी॰ नं० 159/79-80-(यत: मुझे के० के० बीर,

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-5-879 है, जो हिमायतनगर हैबाबाद में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैबाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (धन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निकिति उद्देश्य से उच्त मन्तरण निकित में बास्तविय कप से श्रीरत गहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त बांध-मियम के घंधीम कर देने के धन्तरक के बायश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर बाँधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां; छिपाने में सुविधा के जिए;

भतः भव उक्त भवितियमं की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, सक्त महिनियम की घारा 269-म की उपधारः (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात्।—-

- श्री श्रीनीवाम एस० ग्राचार्या ओस्मानिया विश्वविद्यालय
 म० नं० 4-1-896 थे तिलक रोड हैदाबाद (ग्रन्तरक)
- 3. म्रनीरुंध गुप्ता पिता रामनिवास गुप्ता 21-2-661 चार कमान हैबाबाद्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बश्त सम्बत्ति के भन्नेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 48 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी कसे 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारत;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही भन्ने होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ नुसूची

घर नं० 3-5-879 विस्तीर्ण 580 वर्ग यार्ड एम० एल० के मकान के सामने हिमायतनगर हैद्राबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 5281/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 13-8-1979 मोहर: प्ररूप झाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1979

भार० ए० सी० नं० 160/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ध्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 3-5-462 है, जो नारायन गूडा हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाखार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से बधिक है घोर अन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भौतियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी क'रने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरक में, मैं एक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अभ्रीन, विम्वजिति व्यक्तियों, भ्रयौत् :--- 1. (1) डी॰ श्रार॰ वासुदेव—स्मातमाकूर महबूबाद (2) येसललीत देवी (3) डी॰ ग्रार॰ रवीन्द्रावास (4) श्रीमती मेन असरा सनतीश (5) डी॰ ग्रार॰ सुदीर धन्द्रा (6) डी॰ एम॰ सुमिता (7) श्री ग्रार॰ नवीनखेन्द्रा 3-4-462 नारायनगुडा हैदराबाद

(भ्रन्सरक)

2. श्री सी० ग्रार० प्रभाकर राओ मकान नं० 5-5-973 /ए हिन्दी नगर गोशामहल हैंबराबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी
 धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभावित हैं वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मनजीला मकान घर नं० 3-4-462 नारायन गूड़ा हैदराबाद बीस्टर्न 754 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5653/ 78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 13-8-1979

मोहर :

8-216GI/79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीकण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 भगस्त 1979

भ्रार० ए० सी० नं 161/79-**80--य**तः मुझे के० के० वीर,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके यश्वात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रेणी 820 वर्ग मीटर है, जो मैंदुकूर रास्ता प्रोदटूर में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, प्रीदटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत 19 दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त प्रधितियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की घारा 269-घ की उपवारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) सर्व श्री शंकर नारायन राऊ (2) टी. पदमानाभा राउ वसंथापेट प्रीददूर कुड़डापाह जिला (अन्तरक)
- 2. श्रीमती साबी इन्नीशबी पत्नी स्वर्गीय एस० ए० सन्तार साहेब निवासी कागीयापापेटा गली कुडडापाह जिला (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

्विक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्टगाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 820 वर्गमीटर मदक्कर रास्ता प्रोक्टूर कइपा जिला रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 332/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय प्रोदटूर में।

> कै० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 13-6-1979 मोहर : प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाव हैदराबाव, दिनांक 13 ग्रगस्त 1979

भार० ए० सी० नं० 162/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 181/1 श्रौर 181/2 है, जो कोन्डापेट कुडहापाह स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनूसूची में श्रौर पूर्णक्प से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कुडहपाह में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 19 दिसम्बर 1978 को

(1908 का 16) के अधान 19 दिसम्बर 1978 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरितों) को बीच ऐसे अन्तरितों) को बीच ऐसे अन्तरित के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के घंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने म सुविधा के लिये; खौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

मतः सन, उनत भिन्नियम की घारा 269 ग के भनुसरण में, मैं उनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपघाराः (1) के अधीननिम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री वी० शैकग्रनवरबाशा पिता वी० एस० मदार साहेब कङ्का तालुक सिघोट(अन्तरक)
- 2. श्री भ्रनशील सुबारेड्डी, पुत्र सेशारेड्डी पेनापली गाऊ कुड़डापाई जिला (भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरो के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्टितयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीरायती जमीन कीनहापेट गाऊ सरवे नं० 181/1 श्रीर 181/2 कइपा जिला में है वीर्स्तन 2.45 ए सर्क रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 5255/78 ऊप रजीस्ट्री कार्यालय कइपा में

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-8-1979

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 163/79-80- यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के भंधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे तं० 181/1 श्रीर 181/2 है, जो कोंडापेट गांव कुडपाह तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कुडुपाह में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठतियम, 1908 (1908 गा 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1978 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिमियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के किए; भौर/या

लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवियम वा अन-कर अधिनियम वा अन-कर अधिनियम,1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिमाने में सुविभा के लिए;

यतः धन, उन्त अधिनियम नी नारा 269न्म के घनवरण में, उन्त प्रक्षितियम की धारा 269न्म की उनकारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात् :---

- गौक चिन्ना मदारसाहेव (2) गोक भ्रनवरबाशा निवासी कुष्ठुपाह (श्रन्तरक)
 - 2. ग्रोलशील वेनकाट सुबारेडी कइपा में (ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उबत श्रिष्ठ-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्थ होगा, जा उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीरायती जमीन कोनद्दापेट गाऊ कडपा जिला में है। सरवे नं॰ 181/1 श्रीर 181/2 वीस्तीर्ण 2.30 एकर्स है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं॰ 5256/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कुडापाह में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त, निरीक्षण भ्रजन रेज हैवरानाच

तारीख : 13-8-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

धायकर प्रशिविषय, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के बाबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 म्रगस्त 1979

निर्देश सं श्रार थे सी नं 164/79-80-(यतः मुझे के के वीर,

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से भिक्षक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-374 हीमायेत नगर है, जो हैदराबाद में है स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से बाधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्विय नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; अभेर/मा
- (ख) ऐंसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को; जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अय, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के जनुसरण में। में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) अधीन निवनसिवित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. इकटर सच्चीतानमदा मीसर्स मेन शायला राउ के ध्वार में तारनाका हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. इकटर वसनत राउ जीवरगीकर धर नं० 3-6-374 गली नं० 2 हीमायतनगर हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी झम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

धमसूची

घर नं० 2-6-374 कहाजाता है "कलपना" गली नं० 2 हीमायत नगर हैदराबाद 29 रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 5285/78 ऊप रजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में।

कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज हैवराबाद

तारीखा:13-8-1979 मोहर: प्रकप भाई• टी• एन• एस•--नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 व (1) के मधीन सूचना
वास्त सरकार

कार्यासय, सङ्ग्यक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज II अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश पीं० आर० नं० 660 ए० सी० क्यू० 23-1329 आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त सम्निनियम' कहा गया 🛊), की धारा 269-वा के धावीन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ४० से प्रविक है भ्रौर जिसकी सं० म्युनी हाउस नं० 3328, न्यू म्यूनि नं० 409, 409/1 है । सथा जो वार्ड नं० 4, पोटलीयावाड नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दीसम्बर 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण निखित में बास्तिविक

(क) ग्रस्तरण से हुई किसी बाब की बाबब उनत श्रीवित्यम, में ग्रीवित कर वेंगे के बच्चरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या

कप से कथित नहीं किया गया है:--

(च) ऐसी किपी आप या किसी वन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साम-कर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तरिती आरा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, धन उन्त अधिनियम की धारा 269भा के अनुसरण में, बें; उन्त अनियम की घारा 269भाव की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत्:—

- (1) श्री गांडाभाई एरीमाई गांधी श्रीमती गाजराबेन गांडाभाई गांधी पोरलीयाबाद नवसारी। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री जगाभाई नीछाभाई पटेल श्रीमती शांतावेन जगा-भाई पटेल नाना फलीया, गांव साटेम नवसारी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की शबधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम विखित में किये जा सकेंगे।

हक्क किरग: -- इसमें प्रयुक्त गर्थों स्रोट पर्शे का, जो उक्त स्थितियम के सप्टयाय 20 क में परिमाधित है, यही सर्थ होगा जो उप प्रस्थाय में दिया गया है।

बनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका क्षेत्रफल 142 वर्गगण है जो म्यूनि हाउस न० 3328 न्यू म्यूनि नं० 409, 409/1 वार्ड नं० 4 पोटलीयावाड नवसारी में स्थित है तथा रिजस्ट्री-कर्त्ती अधिकारी नवसारी द्वारा दिसम्बर 1978 में रिजस्ट्रीर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11 भ्रह्मदाबाव

सारीख 26-3-1979 मोहर:

प्रकृष आई • टी • एन • एस • ----

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) भी धारा 289म (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज II अहमदाबाद

ग्रहमबाबाद, विनांक 28 मार्च 1979

पी० आर० नं० 662 ए० सी० यू० 23-1333/19-8/78-79---मत: मूझे एस० सी० परीख भागकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाखार मूह्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी नार्ध नं० 2218, 2221 तथा 2222 । तथा जो वार्ड नं० 10 सुरत में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत धाधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) यन्तरण ये हुई किसी माय की बाबत, उन्त मधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अभ्य पास्त्रयों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः धव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-त के धनुवरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:——

- (1) श्री गणेणदास विभावनदास, सीनी कलीया, मेइनरोड सुरत। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री महेन्द्रभाई तूर्क मगूभाई थेलाभाई देसाई शांति

निकेतन सोसायटी, बंगलौर नं० 211, स्टेशनरोड सुरत । (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध, जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए अ सकेंगे।

स्पष्ठीकरण !---इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जीसका क्षेत्रफल 212--12-13 वर्ग मीटर हैं जो नोघ नं० 2218, 2221 तथा 2222, बोर्ड मं० 10 सुरत में स्थिति हैं तथा रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी सुरत द्वारा दीसम्बर 1978 में रजीस्ट्रार्ड किया गया है।

> एस० सी० परीख सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II श्रहमदाबाव

तारीख 28-3-1979 मोहर : से मधिक है

प्रकृष भाई • ही • एन • एस • ---

आय कर अधिनिस 1961 (1931 का 43) की धारा 264-घ (1) के घघीन सूचना आर-1 करकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 25 श्वर्प्रेल 1979

सं० ए० सी० क्यु० 23 ई-1984 (806)/11-4/78-

79-यतः मुझे एस० सी० परीख, झायकर मिहिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिहिनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के झडीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द॰

श्रीर जिसकी सं० दो मंसीलपाला श्रावास मकान, 268-60 वर्गगज जमीन पर खडा हुआ है। तथा जो स्ट्रीट नं० 3, कोजेश्वर प्लाट, पोरबंदर में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-12-1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाधार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकन का पण्डह प्रतिवात प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रश्तरकों) और प्रन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रम्तरण लिखित में व्यस्तिवक कप से कथित नहीं किया नया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबन उक्त अधि-रियम के मधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य पास्तियों को चिन्हों भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मधिनियम, माधन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के जिसे;

धतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वाव:---

- (1) श्री मोटनलाल सुंदरजी मित्रवेदी इन्क्रमटेक्स श्रोफिस के पास, पोरबंदार। (श्रन्तरक)
- (2) श्री डोताभाई भ्रानंदजी मोढा तथा भ्रन्य स्ट्रीट नं० 3, भोजेक्वर प्लाट, पोरबंदर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झालोप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी करे 48 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कों ।

स्थव्ही करन :--इसमें प्रयुक्त शब्दों बोर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही धर्च होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

दो मंजील का भ्रावास-मकात जो 268-60 वर्गगज क्षेत्रफल-वाली जमीन पर खड़ा है जो स्ट्रीट नं० 3 कोंजंश्रर प्लाट पोरबंदर में स्थीत है जिसका पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रक्षिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्ट्र बिक्री दस्तावेज नं० 3481/5-12-78 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

तारीख : 25-4-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमधाबाब, दिनांक 25 अप्रैल 1979

2065 (808)/16-1/78-79--- अतः मूझे एस० सी० परीख,

भायकर मिसिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मिसिक है

भीर जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 22/1 एफ० 8 पैकी प्लाट मं० 21 तथा 22 है । तथा जो बोडी बंदर रोड, भाराम होटेल के पास, जामनगर में स्थित है 'श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ताधि-कारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त ग्रिमित्यम के ग्रिमित कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे बचने में सुबिधा के लिए; ग्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनायं भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियां जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्थातः -- 9-216G1/79

- (1) श्री मधुकान्त नरमंराम राठी, 112/बी०, सुमेर क्लब रोड, नानगर? (भ्रन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती बीमलाबेन बल्लभदास पटेल (2) श्री बल्लभदास ध्रम्बाभाई पटेल, कृष्ण कुंज, न्यू जेईलरोड, पलनचक्की पासे, जामनगर। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वीक्त सम्मित के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी
 भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा)
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त भिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसची

6550 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली जमीन पर खंड ग्रंक छोटा रूम जिसका सीटी सर्वे नं० 22-1-ग्रंक 8 पैकी प्लाट नं० 21 जमा 22. जो बेडी बंदर रोड, ग्राराम होटल के पास जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्णवर्णन ता० 9-1-79 को रजिस्ट्रेशन नं० 67 से रजिस्ट्रीकृत बीकी वस्तावेज में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाय

तारीख: 25-4-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधान सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज

म्रहमवाबाद, दिनांक 26 भ्रप्नैल 1979

महमदाबाद, दिनाक 26 अप्रला 1979

निर्देश सं० पी० श्रार० 666/ए० सी० क्यू० 23-1357/
19-7/78-79---श्रतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० नींध नं० 2064 बी है। तथा जो भौजा-भाई शेरी, बार्ड नं० 6 महीधरपुरा विस्तार, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपावड ध्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

- को पूर्वोकत सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीथ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी माम या किसी घम या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्यं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः भव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) 1 सुभौतिन भदेशकुमार कागलवाला सशीकेश रापार्टमेंट, मानपुरा, सूरत
- 2. भारतीबेन, सुमन गौरी विमनलाल की पूत्री काजी मोहलो, हरोपुरा, सुरत (मन्तरक)
- (2) बाबूभाई ठाकोर भाई जरीवाला 5/16, हरीपुरा, भोया शेरी, सुरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अभ्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे

स्पन्धीकरण: --इममें प्रयुक्त शक्तें और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया मया है।

अनुस्ची

जमीन श्रौर मकान जो बार्ड नं० 6 नोंध नं० 2064 बी० भोजाभाई शेरी, महीधरपुरा, सूरत में स्थित है तथा जो रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी सूरत द्वारा दिसम्बर 1978 में दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज म्रहमदाबाद

तारीख: 26-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी∙ एन० एस०-

आयकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 श्रप्रैल 1979

विर्देश सं० पी० आर० 667/ए० सी० क्यू० 23-1358/ 19-7/78-79—-अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोंध नं० 1456 वार्ड नं० 1, है । तथा जो मारवाडी मोहलो, नानपूरा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपापत्व श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक सप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की जारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रणीत्:---

- (1) सतीशचन्द्र ललुभाई कपाडिया प्लैट नं० 85, दीप मंगल सोसायटी दलीचंद नगर के पास, नानपुरा, सूरत (भ्रन्तरक)
 - (2) 1. कपिलाबेन धीराजलाल वांकाथाला
 - 2. वसंत लाल धीरजलाल बांकाथाला
 - 3. धनसृखलाल धीराजलाल वांकाथाला
 - 4. बिपनचन्द्र धीरजलाल बांकाथाला
 - 5. रमेश चन्द्र धीरजलाल वांकाथाला
 - 6. रेजमरूख गली, नाथू वश्च चाल, नानपुरा, सूरत (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त यन्तो भीर पहों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होता जो उस श्रध्याय में दिया गया है:

ग्रमुख्यी

जमीन ग्रीर मकान जिसका कुल माप 142 वर्ग जग हैं ग्रीर जो नोंध नं० 1456 वार्ड नं० 1 मारवाडी मोहलो, नानपुरा सूरत में स्थित हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी, सूरत द्वारा दिसम्बर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 26-4-1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

मार्थकर ग्रीविभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सङ्गयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

्मर्जन रेंज-II

म्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० पी० भ्रार० 671/ए० सी० क्यू० 23-1192/ 6-1/78-79---यतः मुझे एस० सी० परीख,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ह० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रे० स० नं० 129 प्लाट नं० 28, 29 है। तथा जो जेनलपुर गांव उर्मी कालोनी ग्रीर ग्रोल्ड पावरा रोड को मिलाता रोड, बडोदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उप-बद्ध ग्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रिजस्ट्रीकरण ग्राधियनम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 4-12-1978

1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वस्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उसत ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

ं मतः भव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों मर्थात्:---

- (1) 1 भाइ लाल भाई करसनदास पटेल 2. रथजी-भाई उमेदभाई पटेल 3. भाइलाल भाई करसनदास पटेल जूना पादरा, बडोदा, (ग्रन्तरक)
- (2) सपना को० ग्रा० हाउसिंग सोसायटी लिं० 63, हरींभाई को० ग्रा० हाउसिंग सोसायटी, जूना पादरा रोंड, बढोदा (भ्रन्तरिती)

की यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के शर्जन के चिए कार्यवाहियां शुरू फरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयंकर अक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

परार्टमेन्ट बिल्डिंग के लिये पिलिंच कर बांध काम सहित जमीन जो रें ० स० नं० 129 जेवलपूर गांव प्लाट नं० 28, 29 जो उमीं सोलायटी और श्रोल्ड पादरा रोड को मिलाने वाल रोड पर बडोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा द्वारा 5-12-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीइत विलेखों नं० 5735 से 5737 में प्रविश्तित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारीख: 2-5-1979

मोहर ः

प्रकप भाई॰ दी॰ एत॰ एव॰-----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांतय, सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरोक्कण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० पी० धार० 672/ए० सी० क्यू० 23-1228/6-1/78-79- यत: मुझे एस० सी० परीख धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मूस्य 25,000/- हुपये से अधिक है और

जिसकी सं० रे० स० नं० 121, 116 एक० पी० नं० 547 प्लाट नं० 23ए है तथा जो उमीं कालोनी, टी० पी० एस० न० 1, जेतलपुर गांव बडोदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1978 की

पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रक्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (धन्तरकों) धौर प्रम्वरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में कर
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्ति । नियम के अधीन कर ं ्य की बाबत उक्त अधि-करने या उसने ्यने के अन्तरक के दायित्व में कमी । बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः शव, उक्त श्रीधिमयम की धारा 269ना के धनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनयम की धारा 269ना की उपधारा (1) श्रीमित निम्निविक्त व्यक्तियों, श्रीत् :---

- (1) श्री जयंतिभाई वेवजीभाई 23, उर्भी कालोनी, बडोदा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चंद्रकान्त गोर्धनभाई श्रमीन 23-ए उर्मी सोसायटी, सयाजी गंज वाई बडोदा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूच ,ना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ' अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त ' अक्तियों में से किसी क्यक्ति शारा ;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशि / की तारीख से
 45 दिस के भीतर उक्त स्था र संपर्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारा, अन्नोहस्तान्नरी
 के पास लिखित में किए 'जा सकेंगे ।

स्पच्टीकरण :-- इसमें प्रेयुंक्त गर्क्यों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रिशित्यन, कि ग्रध्याय 20-क में परभाषित के वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में किंगा गया है।

अनुसूची

जमीन तथा एक मंजला बंगला जो प्लाट नें० 23-ए उमीं सोसायटी बडोदा टी० पी० एस० नं० 1 जेतलपुर गांव है सं० नं० 121, 116 एफ०पी० नं० 547 पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बडोदा द्वारा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5917 दि० 21-12-1978 में प्रवर्णित है।

एस० सी० परीखं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 2-5-1979

प्रकप आई+ टी+ एन+ एस+---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई, 1979

सं० पी०म्रार० 681/ए०सी०क्यू 23-1203/19-7/78-79---म्रतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- वपये से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० नोंध नं० 93 वार्ड नं० 9 उत्तरी दिशा में 'है' सम्पत्ति है तथा जो खांडवाला घोरी, वाडी फालिया, सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूक्य, बसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से धिष्ठक है और घन्तरक (घन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित बहेरा स उन्त अस्तरण शिखित में वास्तविक स्वपंसे कथित नहीं किया गया है ——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जबन प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्व में कमी करने या उससे यचने में सुनिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिप्तियम या धन-कर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपासे में सुविधा के लिए;

प्रत: भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण उप-बारा (1) के अबीन निम्नलिखित ध्रक्तियों, अर्थाल्1--

- (1) खान्डवाला फैमिली दूस्ट के दूस्टी:
 - 1. उमिला बेन, रतनलाल विठलदास की पत्नी,
 - 2. दिलीप रतनलाल खांडवाला,
 - 3. सनत रतन लाल खांडवाला,
 - 4. जगदीश रतनलाल, खांडवाला,
 - विजय रतन लाल खांडवाला, खांडवाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० श्रम्तलाल नगीनदास गंजीवा, चम्पक लाल नगीन दास गजीवाला, नवापुरा, लिखु गोरी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
 जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शक्यों भीर पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अयें होगा, जो उस घड़्याय में विका गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जिसका कुल माप 160.53 वर्ग मीटर है तथा जो नोंघ नं० 93, वार्ड नं० 9, उत्तरी दिशा में 'बाई' संपत्ति जो खांडवाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत द्वारा दिसम्बर, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, ुँसक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 10-5-1979

प्रर्जन रेंज-II, धहमदाबाद ।

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर प्रक्रितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घटीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

नं० पी० म्नार० 680/ए०सी०क्यू० 23-1209/19-8-78-79---म्रत: मुझे एस० सी० परीख

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से प्रिधिक है

भीर जिसकी सं० नोंध नं० 93, वार्ड नं० 9 संपत्ति का दक्षिण भाग है तथा जो खांड वाला गेरी, वाडी फालिया सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रशीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधिक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के भिन्नी कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

भतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षातु:—

- (1) खांडवाला फैमिली ट्रस्ट के ट्रस्टी :
 - 1. उमिला बोन, रतन लाल विठलदास की पत्नी
 - 2. दिलीप रतन लाल,
 - 3. सनत रतन लाल
 - 4. जगदीश रतन लाल
 - विजय रतन लाल खांडवाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत।
 (अन्तरक)
- (2) 1. शांता बेन, काशीराम मगन लाल की विधवा
 - 2. धनसुख राम काशीराम
 - 3. धीरज लाल काशीराम
 - 4. जेकिशनदास काशीराम
 - 5. रमेश चन्द्र काशीराम
 - भखनदास काशीराम
 - गांताबेन काशीराम, सगीर महेण चन्द्र, काशीराम, के बाली की हैिसियत में
 - शांता बेन काशीराम, सगीर प्रमोद चन्द्र काशीराम के बाली की हैसियत में नवगढिया शेरी, नवापुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यमितयों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उपत ग्रिश-नियम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रम होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन श्रौर मकान का दक्षिणी भाग जो खांड वाला शेरी, वाडी फालिया सूरत नीघ नं० 93 वार्ड नं० 9 में स्थित है जिसका कुल माप 142.15 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत द्वारा दिसम्बर, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—-II, अहमदाबाद।

तारीख: 10-5-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के श्रधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज--II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई, 1979

श्रीर जिसकी सं० नोंध नं० 93, वार्ड नं० 9 दक्षिण विशा की संपत्ति है तथा जो खांडवाला शेरी, वाडी फालिया सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन विसम्बर, 1978 को

1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) शन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के श्रीम कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत भिन्नियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उनत भिन्नियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के भिन्नीत निम्निजित व्यक्तियों, भर्यात् :---

- (1) खांडवाला फैमिली ट्रस्ट के ट्रस्टी :---
 - 1. उमिलाबेन, रतनलाल विटलदास की पत्नी
 - 2. दिलीप रतनलाल
 - 3 सनत रतनलाल
 - 4. जगदीश रतनलाल
 - विजय रतनलाल खांड वाला भेरी, वाडी फालिया, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) कान्ती'लाल जगजीवन दास जरीवाला रमाबेन बालाभाई, जरीवाला खांड वाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्णन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उनत पंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख किसी प्रन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क, में परिकाधित हैं, वहीं शर्च होगा, को उस श्रष्टमाय में विवा गया है।

भनुसूची

खांडवाला बिलडींग का दक्षणी भाग जो नोंघ नं० 93 वार्ड नं० 9 खांडवाला शेरी, बाडी फालिया, सूरत में स्थित है भौर जिसका कुल माप 142.15 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी, सूरत द्वारा विसम्बर, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्री-कृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1979

प्रकृप पाई • टी • एत • एस •----

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1979

नं० ए०सी० क्यू० 23-I-2043(818)/16-6/78-79----श्रत: मुझे एस० सी० परीक्ष

भायकर भिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिर्धानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सै० प्लाट नं० 18-ए० पर मकान 'सीनक" नाम से प्रख्यात है तथा जो एरीहर की० श्रो० हा० सोसायटी, कालावड रोड, राजकीट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण १५ में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन 21-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत मधिक है भीर भन्तरित (भन्तरितों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं। कया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किया आगकी बाबत उका अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करके का उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः भव, उक्त ग्रिझिनियम को धारा 269-ग के अभूक सरण में में, खुक्त ग्रिधिनियम की धार. 269-१ की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकात्:—— 10—216 GI/79 (1) श्री रतीलाल अजलाल स्निवेदी, हरीहर को० ग्रो० हाउसिग सोसायटी, कालाबड रोड, राजकीट।

(ग्रन्तरक)

(2) मणीबेन आणंद भाई कणसागरा, लाठ भीसोरा, तालुका उपंलेटा, जिला राज कोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना अारी करके पूर्वानन सम्बन्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचन। की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकत किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पब्लीकरण:--इमर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रसि-नियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं ग्रथं होना जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लोट नं० ए०/18 पर खड़ा मकान व जमीन जिसका क्षेत्र फल 301-2-0 वर्ग गज है जो हरीहर को० स्रो० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कालावड रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी राजकोट द्वारा बिकी स्स्तावेज नं० 5082—21 दिसम्बर, 1978 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव

तारी**ख**: 23-5-1979

प्रकृप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सद्दाधक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 जुन 1979

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23/I/2294(822)/1-1/79-80---श्रत: मुझे एस० सी० परीख

धायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त धिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीन जन्नन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर नम्मति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- क्पर्ये से अधिक है

म्रीर जिसकी सर्वे नं० 424-बी पैकी ग्राउन्ड फ्लोर, का भाग, मकान में है तथा जो घी कांटा पोस्ट प्राफिस गली, गजकरण बाडी के सामने (शालपुर वार्ड-2,) म्रहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ म्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण म्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 4-12-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूवॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राक्षितियम के भ्रधीन कर देने के भग्तरक के दाायरव में कभी करने या उसमे बजने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी स्राय या किमी धन या सम्य श्राम्तियों की जिन्हें मारतीय भायकर पश्चितियम 1922 (1922 का 11) या उकत मधितियम या धतन्यर प्रधितियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रसट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, छिराने में मुबिक्षा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- श्री जयन्ती लाल पोपटलाल मरेना घी कांटा पोस्ट श्राफिस गली, गजकरण की वाडी के सामने, घीं कांटा श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- श्री मनहर लाल बाबु भाई मोदी,
 भीं कांटा पोस्ट श्राफिय गली,
 गजकरण की वाडी के मामने,
 श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)
- (1) श्री चमनजी ताराजी,
 पता—जिस प्रकार ऊपर दिया गया है।
 - (2) श्री सांकलचंद चेलाजी, पता—जैसे ऊपर दिया गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप-

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरण:--इनमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं प्रयंहोगा जो उन्न ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 424-बी, वार्ड णालपुर-2 में (ईमारत याने प्राउन्ड फ्लोर) जो श्री कांटा पोस्ट ग्राफिस गली, गजकरण की वाडी के सामने, घी कांटा श्रह्मदाबाद में 83-61-30 वर्ग मीटर नमीन पर स्थित है तथा बीकी दस्तावेत्र नं० 10653/4-12-78 से रिजस्ट्रीजर्वा श्राधकारी श्रह्मदाबाद द्वारा रिजस्टर्ड किया गा है याने प्रायटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० मी० परीख यक्षम प्राधितारी बहुबक अत्यक्तर श्रत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-79

प्रक्प घाई० टी० एन० एस०---भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 23 जून 1979

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से धिधक है

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 424-बी, ईमारत की प्रथम मंजिल का भाग है तथा जो घी, कांटा पोस्ट श्राफिस गली, गजकरण की वाडी के सामने, (णालपुर वार्ड-2) श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के जिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल प्राप्त्रका श्रीर अन्तरक (अन्तरिक) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से क्या नहीं किया गया है:—

- (क) प्रनारण से हुई किसी आप की प्रावत उक्त प्रशितियम के प्राप्तीन कर देने के ध्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियम या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निधिक्ति व्यक्तियों, ग्रमीत्:--- श्री जयन्तीलाल पोपटलाल मेहता, घी कांटा पोस्ट श्राफिस गली, गजकरण की वाडी के सामने, घी कांटा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्री नलीन कुमार बाबु भाई मोवी,
 भी कांटा पोस्ट श्राफिस गली,
 गजकरण वाडी के सामने,
 श्रमहदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी स्वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) द्वा सूबना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसो भन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरडडीहरग:--इनमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धमुसुची

सर्वे नं० 424-बी, वार्ड शालपुर-2 में ईमारत (यान प्रथम मंजिल), जो घी कांटा पोस्ट श्राफिम गली, गजकरण की वाडी के सामने, घी कांटा, श्रहमदाबाद में 83-61-30 वर्ग मीटर जमीन पर स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज, नं० 10652/4-12-78 से रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

तारीख: 23-6-79

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1979

श्रौर जिसकी सं० वर्धमान नाम से प्रख्यात है तथा जो ढेबरभाई रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रम्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत , जक्त भ्रिम्नियम, के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धानी निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1. (1) श्री कीरीट कुमार चीमनलाल भाई दलाल,
 - (2) श्री नीतिनकुमार गुलशंकर भाई वलाल, प्लाट नं० 78, मेहता बिल्डिंग, सायन वेस्ट, बम्बई-4000020। (म्रन्तरक)
- श्री जयसुखलाल नंदलाल भाई शाह, एडवोकेट, मेहता पैट्रोल पम्प के सामने, ढेरूरभाई रोड, राजकीट। (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री कान्तीलाल टी० परीख 'वर्धमान' ढेरूर रोड, राजकोट। (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरु करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रभं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'वर्धमान', नाम से प्रख्यात ईमारत जो 810 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है तथा ढेरूर रोड, राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 4969 ता० 14-12-1978 से रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है ।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 26 जून, 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 2 जुलाई, 1979

सं० ए०सी०नयू०-23-I-2145(825)/16-6/78-78-अतः मुझे एस० सी० परीख
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० परावजार, राजकोट में दो मंजिल का मकान है तथा जो परावाजार, वेजीटेबल मारकेट के सामने राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रीव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्यनियम, या धनकर ग्रीव्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः घव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त, प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री वेणीलाल डिल्ह्याभाई मोरी तथा श्रीमती दमयंती वेणीलाल मोदी परावाजार, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री छपील दाम मुखलाल पाला, स्वीस वाच कं० दरजी बाजार, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) रीना बुक सेन्टर,
 - (2) श्री श्रम्तलाल चांपसी बाई,
 - (3) रमेश चन्द्र एन्ड कं० सब दर्जी याजार, राजकोट में। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ष्ठना सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भन्याय में दिया गया है ।

अनु पूर्वी

जमीन पर खड़ा मकान जिसका क्षेत्रफल 115.9 वर्ग गज है, जो दरजी बाजार, नेजीटेबल मारकेट के सामने राजकोट में स्थित है तथा बिकी उस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है जो दिनम्बर, 1978 में प्राप्त सूचना अनुसार रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 2-7-79 मो**ह**र :

प्रकप भाई•टी•एन•एस•—

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269म (1) ने मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1999(828)/16-6/78-79--

ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रीन जिसकी सं० श्री बल्लभ कन्या विद्यालय रोड, पुरानी रघुबीर मील के पश्चिम में राजकोट हैतथा जो बल्लभ विद्यालय रोड, ढेवर रोड के पास, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर पन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्दरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्क नियम के अधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षित्यम, या धन-कर भिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के शनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की कारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. (1) श्रीमती जयाकुंवर नटवरलाल दोमाडिया,
 - (2) श्री बापालाल श्रोधवजी दोमाडिया
 के मुख्तयार श्री प्रभुलाल ग्रोधवजी दोमाडिया
 जुना पावर हाउस के पास,
 दोमाडिया बिल्डिंग,
 राजकोट । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री हरसुखलाल गांजलदास,
 - (2) श्री नरोत्तमदास गोकलदास, 33, कोर्माशयल चेम्बर्स, राजकोट्। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त भम्पति के धर्जन के मम्बन्ध में कोई भी बाजेप :---

- (क) इस भूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिया सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील, से 30 दिन की अविद्या, जो भी अविद्या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भाष-नियम, के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है जो बल्लभ कन्या विद्यालय रोड, पुरानी रघुवीर प्रायल मिल के पश्चिम में ढेबर रोड, के पाम राजकोट में स्थित है, तथा जैसे ता० 7-12-1978 की रिजस्ट्रीट्रेशन नं० 4868 से, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी राजकोट ढारा रिजस्ट्रीइन बिक्री इस्तावेज में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-7-79

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I -2037 (836) | 11-2 | 78-79---अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मझम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मति, जिनका उत्वित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए में प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० रिव स्नायल मिल की 1672-20-0 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली जमीन है तथा जी पुरानी पोस्ट स्नाफिस की उत्तर साइड में केशोद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय केशोद में रिजस्ट्रीकरण स्नधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 31-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वान में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसो प्राय की वाबत, उक्त प्रिमियम के अजीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी का या अन्य प्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रवः, उक्त भाधनियम मिश्रारः 269-ग के ग्रतुसरण में। में, उक्त श्रिष्ठिनयम की अरुर 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्विक्तियों, चचात :---

- 1. (1) जान्ताबेन गरद चन्द्र
 - (2) प्रकृतल राय, भगवान दास तथा ग्रस्य भगवनादीस वालजी चोलेण के कानूनी बारिस पुरानी पोस्ट ग्राफिस के पास, केणोत, जिला जनागढ़।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) प्रभाबेन जयन्तीलाल नथवाणी,
 - (2) रसीलाबेन, परीलाल नथवाणी,
 - (3) श्रस्मीनाबेन रमेशाचन्द नथवाणी, सब— फेर श्रोक, मुकुन्दभाई बछेड़ा, जाल स्रोरियन्टइस, तीसरी मंजिल. श्रद्धानन्द रोड, विले पार्ले, बम्बई-56

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना वारो करत पूर्वोक्त सम्पति के अव। के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वीं, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख पे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उप श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

रिव आयल मिल की 1672-20-0 वर्ग मीटर क्षेत्र फल वाली जमीन जो पुरानी पोस्ट आफिस की उत्तर साईड में केगोब में स्थित है तथा बिक्की दस्तावेज नं० 1134/30-12-1978 से रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी केगोब द्वारा रिजरटर्ड किया गया है याने मिलना, जैसे उसमें पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम पाधिकारी महायक स्रायकर श्राप्टक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 31 जुलाई 1979

प्रारूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-1983 (837)/11-4/78-79—प्रतः मझे एस० सी० परीख प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क॰ से भिधिक है

ग्नीर जिसकी स० म्यु० सेन्सम नं० 10-5-22, 1931-32 का लेख नं० 79 तथा 1953-54 का लख नं० 110, 355-1-8 वर्ग गज जमीन है तथा जो नीलम गेस्ट हाउस, के पास, एस० टी० रोड, पर, पोरपंदर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्थी में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 14-12-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकालिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निविवन में वास्तरिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक्सो ग्राय की बाबत उक्त ग्रीवित्यम के ग्रीवीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य यास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम भी धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निश्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- श्री लक्ष्मीदास जयन्त गोकाणी,
 श्री दामोदर भाई मेथजी के कुल मक्तयार,
 केदारेण्यर,
 पोरबन्दर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री नारणदास, गरिवेन दास, लोराणा,
 'हे मक्टुंज', एस०टी० रोड, नीलम गेस्ट हाउस के पास पोरबंदर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ कितो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

करव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त गड्यों और पर्यों का, जो उक्त
प्रिवित्यम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित
हैं, बही अर्थ हो। जो उत्त ध6वाय में विया
गया है।

मनुसूची

'हेमकुंज' नाम से प्रख्यात मकान जो 355-1-8 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है, जिसका प्यूनि० सेन्सस नं० 10-5-22 है जो एस० टी० रोड, नीलम गेस्ट हाउस के पास, पोरबंदर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 3574/14-12-79 से रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी पोरबन्दर द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है, याने जैसे प्रोपर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 31 जुलाई 1979

प्रकप भाई• टी•एन•एस•---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण)

धर्जन रेज-1, ध्रमवाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-1-2089(832)/11-4/78-79—ग्रत: मुझे एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- दुपए से अधिक है

भौर जिसकी सर्वें नं० 3484/1, सीटी सर्वे नं० 3, स्ट्रीट नं० 196 है तथा जो लाल बंगला रोड, न्यू फुवारा के पास, पोरखंदर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पोरबन्दर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मृझे यह निषवाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उच्च धन्तरण लिखित में बाक्तरिक का से स्थित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (भा) ऐसी किसी पाय वा किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

शतः ग्रम, उनत ग्रधिनियम की धारा 269 ना के मनुसरक में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—216GI/79 श्री शार लिलत चन्द्र वामोदर भाटिया बसार, गोपीनाथ जी की हवेली के पास, पोरबंदर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जीवाभाई रणमल, बाडी रोड, न्य फ़ुवारा के पास, पोरबंदर ।

(मन्तरिती)

को यह मूतना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की सर्वाच या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाघ, जो भी सर्वाघ बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य क्यक्ति हारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आधि-नियम, के शब्दाय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्च होना, जो उस प्रध्याय में विशा गया है।

प्रमुसू वी

330 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन जिसका सर्वे नं० 3484/1, सिटी सर्वे नं० 3, स्ट्रीट नं० 196, जो लाल बंगला रोड, न्य फुवारा रोड, के पास पोरबंदर में स्थित है। रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पोरबंदर द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 3557/13-12-78 से रिजस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-7-79

मोरह ः

प्रकप आई • टी • एन • एस • ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० सी० क्यु०23-I-1703(833)/11-6/77-78—-ग्रत: मुझे एस० सी० परीख

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशितियम' कहा गमा है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 58, खड-खड यार्ड नं० 1 है तथा जो कुष्णा नगर, पेरावल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरावल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल का पत्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) गौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिय तय पाया गया प्रतिकल पर से क्यित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी नाय का बाबा उका अधि-नियम के श्रष्ठीत कर हेने के प्रस्तरक के धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त भिषितियम की धारा 269-ग के भनुसरजु में, में, उक्त भवितियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के भवीन जिन्तिविज्ञ व्यक्तियों, अर्थात् ।—— श्रीमती पुष्पावती तुलसीदास, पुरानी कोर्ट के पास, पेरावल, जिला जूनागढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्री रमेशचन्द्र, प्रभुदास, एम० जी० रोड, पेरावल, जिला जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अपिकत द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थळक्षिण्यः ---इसमें प्रयुक्त शस्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चितियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खली जमीन जिसका क्षेत्रफल 190-45 वर्ग मीटर है जो प्लाट नं० 58, खड खड यार्ड नं० 1, कृष्णानगर, पेरावल में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पेरावल क्षारा विकी दस्तावेज नं० 1170/30-12-1978 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्**मखाव**ाद

तारीख: 27-7-1979

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर श्रिवियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11; श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए०सी०क्य 23-1210/198/79-80--प्रतः मुझे एस० सीं० परीख

अत्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नोध न० 416 वार्ड नं० 9 है तथा जो स्टोर शेरा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रितिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निकित उद्देश्य से उचित धन्तरण कि बिच तथा गया ग्रतिकल निम्निकित उद्देश्य से उचित धन्तरण कि बिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-य के भनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) शांता बेन, बैनुंठ राय,
 - (2) ज्योतीन्द्र बैकुंठ राय,
 - (3) जय प्रकाश बैकुंठराय ग्रौर हेमा एन० देसाई
 पी० ए० होल्डर :
 हंसाबेन बापुभाई देसाई
 क्षिनावेन बैकुंठ राय मरेना,
 मीनाक्षीबेन बैकुंठराय मरेना
 स्टोर शेरा वाडी, फलिया,
 सुरत ।

(अन्तरक)

श्री भगवानदास गोपालदास जरीवाला,
 9/416, स्टोर शेरा, वाडा, फलिया, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाष्ट्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, जो भी
 मवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीसर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस प्रश्माय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भ्रौर मकान जो वार्ड नं० 9, नोंध नं० 416 में उपस्थित है। श्रौर जिसका क्षेत्रफल 148.83 है श्रौर जो स्टोर शेरा, वाडी फलिया, सूरत में है। ये प्रापर्टी रजिस्ट्री श्रिधकारी के कार्यालय में तारीख 26-12-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-7-1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा

269 न्य (1) के मजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, श्रहमदाबाव.

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी०ग्रार० 698-एक्वी-23-11-1273/4-3/78-79—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे सं० 5, पैकी प्लाट नं० ए, है तथा जो भवव

जिसकी स० रेबेन्यू सब स० 5, पेकी प्लाट न० ए, है तथा जो भरव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भरच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 21-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पंजह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी मायकी बाबत उक्त मधि-नियम, के अधीन कर वैने के अग्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया / गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

ग्रतः, मम उन्त प्रधिनियम की भारा 269 म के मनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 269 म की उपचारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों, सर्वात ा-→ श्री सोमाभाई नानाभाई गांव द्यापी, जिला भरुच

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) मै॰ म्रजन्ना कारपोरेशन पार्टनर्स ।
 - (2) श्री पी० एस० प्रजापती
 - (3) श्री नयनकुमार मधुसुदन मजुमुदार श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन की घ्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया नया है।

प्रनुसूची

जमीन जिसका रवेन्यू सर्वे नं० 5, कि अत्तीराकन सब प्लाट नं० ए है, जिसका क्षेत्रफल 7029 स्क्वेयर गज है। ग्रौर जो भग्न में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी भग्न के कार्यालय में नं० 21-12-1978 के रोज रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० सी० परीख सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमवाबाद

तारीख: 3-8-1979

प्र**क्ष्य धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---**

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

ृकार्यालय, स**हा**यक **भायकर भायुक्त (निरीक्षक**)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमवाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं रेवेन्यु सं० नं० 6 है तथा जो भरुच ग्रावि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का ∫16) के ग्रधीन 7-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्वरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बाक्सिक अप से कियात नहीं किया यथा है —

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त शिख-मियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिए। धौर/बा
- (च) ऐसी किसी अथ्य या कियी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन, उन्त ग्रांधिनियम की धारा 269 म के ग्रन्-सर्च में, में, उन्त ग्रांधिनियम की धारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित म्निन्तयों, ग्रंथिस्--

- 1. (1) श्री जसुबेन मोह्तभाई माधव भाई की विधवा,
 - (2) लक्ष्मी बेन-बुधमाई जेवाभाई की विधवा
 - (3) हंसाबेन—पुत्री जेवभाई मावजीभाई पी० ए० होल्डर भ्रोफ नं० 1 से 3
 - 1. हिमत्तभाई व्रिभुवन,
 - रमेश भाई मोहनभाई श्रावि भरुच।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैं० श्रंबीका कारपोरेशन पार्टनर: भागीदार:
 - (1) श्री पुनमभाई एस० प्रजापती
 - (2) श्री नयनकुमार मधुसूबन मजुमदार नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई मी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में अकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन।
 की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिष्ण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त ग्रिप्तियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही गर्ब होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रेवेन्यु सं० नं० 6 है, जो भरुच म्रावि में है। जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ ग्रीर 24 गुंठा है। जो रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी भरुच के कार्यालय में ता० 7-12-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 3-8-1979

प्रकाप साई० टी० एस० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 ग्रगस्त 1979

निदेण मं० पी०श्रार० 700/एक्वी० -23-II-1302/7-4/78-79—श्रतः, मुझे, एस० सी० परिख, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ह० से अधिक है श्रीर जिसकी

मं० 220, 221, श्रितिरक्त टीका नं० 24-सी है श्रीर मर्वे नं० 1007, तथा जनालपोर रोड, पवसारी में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरज अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 21-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निक्तित में बास्तिक का में कथित नहीं किया गया है !--

- (क) धन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; प्रोर/या,
- (ज) ऐसी किसी धाय या किमी धन या बन्न बास्तियों को जिम्हें भारतीय धाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिशियम, या धन-कर श्रिशिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मथ, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में उक्त पश्चिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्स णंकर विजय कं० भागीयार:
 - (1) वसन्त राय दाह्याभाई देसाई, नवसारी,
 - (2) बिपिन चन्द्र ईश्वरलाल देसाई, अबरामा,
 - (3) कान्तीलाल छोटेलालभाई देसाई, भ्रवरामा,
 - (4) पंकजकुमार सोमचन्द शाह, बम्बई
 - (5) प्रविन कुमार मुकेर चन्द शाह बम्बई,
 - (6) शकुन्तला गुलाबभाई देसाई, नवसारी
 - (7) प्रभुभाई दाजीभाई पटेल, नवसारी,
 - (8) प्रकाण वरुनराय देसाई, नवसारी,

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री प्रकाश वसंतराय देसाई, नवसारी,

(2) श्री उसाबेन प्रकाश भाई देसाई, नवसारी हाल में यू० एस० ए० में हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह श्रुवना बादी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्बत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक्ष से
 45 दिन की भवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवींच, जो भी
 भवींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब
 किसी प्रमथ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टरेकरगः --- इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पदों का, जो उक्त अधि-सियम के प्रत्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं प्रसं होगा जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन और मकान जो जलालपोर रोड, नवसारी में है और जिसका स० तं० 220 और 221 की प्रतिरिक्त है। जिसका टीका नं० 24-सी, न नं० 1007 है और जो क्षेत्रफल 1398. 94 स्ववायर गज है। जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नवनारों के कार्यालय में ता० 21-12-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परोख सक्षम मधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज-II, श्रहमदाबाद

तारीखः 3-8-1979

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस • —-

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 296-ध (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निदेश सं० एसी क्यू० 23-11-1300(701)19-8/78-79,—अतः मुझे एस० सी० परिख, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० नोंध नं० 1022-K कि अनाराकत श्रोर 1024/50 कि अनाराकत है तथा जो वार्ड नं० 7 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-1978

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत प्रस्तरण विखित में वास्तिकल कर से कचित नहीं किया गया है:—

- (ह) मन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत 'उक्त प्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के अक्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (■) ऐसी किसी जाय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्वतः ग्रव, सक्त ग्रिविनियम, की वारा 269-न के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उप-धारा (1) के मधीन निकालिकिन व्यक्तियों, वर्षीत् :--- आदेम इक्राहिम रामपुर दुन्की, सूरत

(ग्रन्तरक)

- (1) इसमाइल श्रह्मद किडी, तंकारिया, जिला, भक्त्व
 - (2) यूनुफ मोहम्मद पटेल, रामपुर छेडाभ्रोल, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 विन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूचींक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रष्य स्थित द्वारा; भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थवडीकरण :→-इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्रस श्रिधिनियम के भड़वाय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्ष होगा, जो इस मध्याय में दिया गया है।

मनुबूधी

जमीन श्रीर मकान जो वार्ड नं० 7 नोंध नं० 1022-के पै कि श्रीर 1024/50 श्रतिरिक्त सूरत में है श्रीर जिसका क्षेत्र फल 123/24-50 स्क्वायर मीटर, स्वकायर गज है। जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के दफ्तर में बर्ज ता० 8-12-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० परिख सक्षम मधिकारी, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 3~8-1979

प्ररूप आई० दी० एन० एस०--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी०ग्रार० 702-एक्वी० 23-1297/19-8/78-79—-श्रतः, मुझे, एस० सी० परिख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्कात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उपए से प्रधिक है

म्रीर जिसकी नोंध नं० 1746-बी वार्ड नं० 5 है, तथा जो सैयदपुरा, पुलिस चौंकी के सामने, में स्थित है) भ्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण क्य में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता मिश्रीकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 6-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में बास्तबिक रूप से किखा नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घरि-नियम, के बधीन कर देने के घन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किमी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को. जिन्हें भारतीय ग्रायकर भन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्यम, या धन-कर भिन्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवा, उपत भविनियम, की घारा 269-ग के मणुः सरच में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों धर्यात् :— श्री हीरालाल दाहयामाई मोदी, नानपुरा, धोबी शेरी, सुरत ।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) निर्मलाबेन छंगनलाल --सूरत
 - (2) नामवलाल छोटेलाल:--सूरत
 - (3) ईश्वरलाल छोटेलाल --सूरत
 - (4) मायनोर भूपेन्द्र कान्तीलाल--सूरत
 - (5) मायनोर राजुन कान्तीलाल--सूरत
 - (6) कान्तीलाल नानालाल--सृरत
 - (7) श्रीमती चन्दनबेन नटवरलाल—सूरत
 - (8) हफमा बीबी इसमाईल, ईन्नाहीम दुधा-सूरत
 - (9) मेरीमम बोबी ईसमाइल ईम्नाहीम दुधा--7--सूरत
 - (10) फानमाबीबी --वही--
 - (11) मुरेरुन्तसा कमालखान--सूरत
 - (12) रमेश चन्द्र जयकिशनधास ---सूरत

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वांवर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

भनुसूची

जमीन जिसकी नोध नं० 1746-बी, बोर्ड नं० 5 है, म्रीर जो पुलिस चौकी के सामने सैयधपुरा सूरत में है। जिसका क्षेत्रफल 53.61 स्क्वायर मिटर हैं। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 6-12-1978 को रजिस्टर्ड हुए हैं।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-8-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) में प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 3 ध्रगस्त, 1979

निदेण सं० पी०म्रार० 703/एविय/23-1298/19-8/78-79—-म्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं नोंध नं 1022-के पैकी स्रोर 1024/50 पैकी है तथा जो पैकी बार्ड नं 7 सूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 8-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घषिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरितों (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मन्तिविश्व उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्त ग्रीघ-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

सतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणीतः --- 12—216G1/79

1. श्री ग्रादम इक्राहिम,

रामपुरा, टुनकी , सूतर ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) इब्राहिम मोहम्मद पटेल,

(2) युसुफ इसमाइल पटेल,

(3) म्रायाससा इम्राहिम पटेल, रामपुरा, छोडाभ्रोले, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के यर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, को उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं भयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अपुसूची

जमीन ग्रीरमकान जो वार्ड नं० 7 ग्रीर नोष नं० 1922-के की श्रतिरिक्त ग्रीर 1024/50 कि श्रतिरिक्त वी एरिया में है ग्रीर जिसका क्षेत्रफल 123.24.50 स्क्वायर मिटर है जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 8-12-78 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, श्रह्मदाबाध

तारीख: 3-8-1979

प्रकप धाई०टी० एन• एस•----

म्रायकर म्रिमिन्यम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० पी० आर० 704-ए०सी० बयू० 23-1299/19-8/78-79--अत: मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नोद नं 1022-के कि श्रीतरिक्त श्रीर जो 1024/50 भी श्रीतरिक्त सी एरिया, वोर्ड नं 7 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में श्रीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है भीर श्रन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक उप से किया नहीं किया गया है: ——

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम या घन-कर भधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भव, उन्त धिविनियम की धारा 269-ग के ग्रवुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,ग्रयांतु:—च श्री श्रादम इक्राहिम रामपुरा, तुनकी,

ं सूरत ।

(भ्रन्तरक)

- (1) ग्रहमय मोहम्मद पानडोर, इटावा पालुका, पलसाना, जिला सुरत ।
 - (2) मोहम्मद श्रहमद पानडोर, इटाबा, जिला सूरत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिये एतदुदारा कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्रिविनियम के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

भनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो वार्ड नं० 7 में नोद नं० 1022-के की श्रांतिरिक्त श्रौर 1024/50 की श्रांतिरिक्त सी एरिया में जिसका क्षेत्रफल 123.24.650 स्वयायर मिटर है। श्रौर जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 8-12-78 के दिन रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रष्टमदाबाद

तारीख: 3-8-79

प्रकप भाई०टी०एन०एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 3 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० पी०ग्रार० 705/ए०सी०क्यू० 23-1241/19-8/78-79—श्रतः मुझे एस० सी० परिख बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे न० 430 है तथा जो उमस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय का सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के जिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रधिक्त प्रधिक है, घीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घौर प्रन्तरिती (धम्बरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिविध्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निध्वत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है !—

- (क) प्रशास्त में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या अप-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए:

अतः प्रज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की चमकारा (1) के सप्रीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्वास् :---

- 1. ननजीभाई मगत भाई
 - (2) हसमुख भाई मगनभाई
 - (3) मगुभाई मगन भाई
 - (4) महन्द्र मगनभाई
 - (5) मनीपेन मगनभाई लाल भाई की पत्नी कनविद बार्ड, दुमस ।

(ग्रन्तरक)

 श्री छोटुभाई, केशवभाई पिथावप भीमपोरटा, तालुका भौरायंसी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्बक्ति के मज़न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

श्वकीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत प्रधिनियम, के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टाय में विका गया है।

अनुसूची

जमीन जो उसमें में है जिसका सर्वे नं० 430 है। जिसका क्षेत्रफल 2 एक 9 गंडा, है। श्रीर जो रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी सूरत में के कार्यालय में तारीख 2-12-1978 के रोज रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारी**खः** 3-8-1979

प्रकप चाई० टी • एन • एस • →---

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाव ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पीर्भुषार० 706-एक्वी 23-1241/19-8/78-79---प्रतः, मझे, एस० सी० पारिखा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-आ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निक्षास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- वं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 431 हिस्सा 2 पैकी जमीन है तथा जो दुमस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-12-1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिथ के है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी आय का बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या फिसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ मन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, खिपानें में सुविधा के लिए;

बतः सब, उन्त प्रधिनियम की कारा 269ग के अन्भरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के सबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्ः⊸

- 1. (1) महेन्द्र कुमार मगनलाल
 - (2) धनसुखनाल मगन लाल
 - (3) शाहमुखभाई मगन लाल
 - (4) मगुभाई मगन लाल
 - (5) मनीबेन मगनलाल लालभाई कनबीबार्ड, द्रुमस ।

(भ्रन्तरक)

 श्री छोटुभाई केशव भाई पीथावाला, सुलतानाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर तंपति में द्वितक क किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रकोहस्ताकारी के पास सिकाद में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: - इसमें प्रमुक्त सन्दों और पवों का, जो जनत प्रधिनियम के शब्याय 20-क में परिश्राणित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रक्ष्याय में दिया गया है।

अभुसूची

जमीन जो दुमस में है। जिसका सर्वे नं० 431 हिस्सा 2 पैकी है श्रौर जिसका क्षेत्र फल 3 एकड़ है जो रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 2-12-1978 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-8-1979

प्रकप भाई० टी॰ एन० एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 ग्रगस्त 19789

निर्देश सं० पी० भ्रार० 707-एक्यू 23-1241/ 19-8/78-79---भ्रतः मुझे एस० सी० परीख,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से मिधिक है

भीर जिसकी सर्वे सं० 382 प्रार्ट नं० 1 (हिस्सा-1) है तथा जो बुमस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिविनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्रत बाजार मूल्य से कमं के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की मई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर यह कि घन्तरक (घन्तरकों) और प्रन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत बग्वरण लिखित में वास्तविक हर ने स्थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिवियम के भिष्ठीत कर देने के भण्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस धिधिनियम या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिसी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

म्रातः भव, उक्त भिनियम की धारा 269-म के मनुसरक में, में, उक्त भिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन किम्मलिखित व्यक्तियों, भर्यातः—

- 1. (1) रेवा बेन हिरजीभाई मयुभाई
 - (2) मोहनभाई हरजीवनदास
 - (3) भोपाल भाई हरजीवन भाई
 - (4) रामभाई हरजीवनभाई
 कनपीवाड,
 डुमस तह० घोर्यसर,
 जिला सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री छोटेभाई केणवभाई पाडावाला, सुलतानावाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीय---

- (क) इस सूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध था सरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भिधोहस्ताकारी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

 गडिशकरण:--इसमें प्रमुकत शब्दों भीर पदों का, को सकत प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

जमीन जो डुमस में है जिसका सर्वे नं० 382, और भाग-1 (हिस्सा-1) है। जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 2 गुंठा है। जो रिजस्ट्री श्रधिकारी सूरत के कार्यालय में तारीख दिसम्बर, 78 के रोज रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रज, II, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 3-8-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज, श्रमहदावाद श्रहमदावाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निवेश सं० पी०श्रार० 708-एसी०क्यू० 23-1241/19-8/78-79—श्रतः मुझे एस० सो० परीख,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 421 है, तथा जो विलेज नांद सुलतानाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरक्ष में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 2-12-1978 की

सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2-12-1978 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, छक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 9-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री नाथुभाई लालाभाई और ईश्वरभाई नाथुभाई, जयन्तीभाई नाथुभाई भगवती भाई नाथुभाई, मनहर भाई नाथुभाई, महरबेन मगनभाई लाल भाई की विधवा । धनसुख भाई मगनभाई णायपुल भाई मगनभाई महेन्द्रभाई मगनभाई । इमस, तह० चौर्यासी ।

(ग्रन्तरक)

 श्री छोटेभाई केणवभाई पंड वाला, सुलतानावाद, ता० चौर्यासी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकते।

स्वव्योकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के घष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथें होगा जो उस प्रक्याय म दिया गया है।

वनुसूची

सुलतानाबाद में जमीन जिसका सर्वे नं० 421, है श्रौर जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 33 गुंठा, है। जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में 2-12-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद ।

तारीखः ३ ग्रगस्त, 1979

प्रारूप धाई • टी • एन • एस •--

आयकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के धिवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायक्स (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी०श्रार० 709-ए०सी०वय्०-23-1241/19-8/ 78-79—ग्रतः मुझे एस० सीसें परीख,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त म्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम म्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से म्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 245, भाग-1 (हिस्सा-2) श्रीर एस० नं० 245, है तथा जो भाग-2 मुलतानाबाद, तालुका चौर्यासी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) बोर धन्तरितो (धन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निधानिका उद्देश में उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त प्रशि-नियम के अधीन कर येने के भन्तरक के लायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भिश्तित्वम, या धन-५०२ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं सन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाता चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त मिविनियम की द्वारा 269-ग के अनु-सर्ग में, मैं, उक्त मिबिनियम की द्वारा 269व की उपधारा (1)के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. (1) बेनीलाल दयाराम दलाल,
 - (2) लीलावती, बेनीरासाल दलाल ,
 - (3) रमेण भाई बेनी लाल दलाल,
 - (4) निरंजन बेनीलाल,
 - (5) मुकुन्द बेनीलाल, दलाल, बालाजर, रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

- 2. (1) छोटेभाई केशवभाई पंडावाला,
 - (2) मरगीबेन छोटेभाई पंडावाला ,
 - (3) श्रशोकभाई छोटेभाई पंडावाला,
 - (4) ग्रजानभाई छोटुभाई पंडावाला, महेश भाई छोटेभाई पंडावाला,
 - (6) बावादवने छोटेभाई पंडावाला, सुलतानाबाद, ता० चौर्यासी, जिला सुरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचा। जारी करके पूर्वी स्त सम्पत्ति क सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में को भा पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिए या तस्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ जो भी श्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, धजीहस्ताक्षरी के
 पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

क्षा इही कर शास्त्र :--इसमें प्रयुक्त मान्यों और पड़ों का, जो उनस धिक्षित्यम के धाइयाय 20-क में परि-भाषित हैं, बड़ी धर्म होगा, जो उस धाइयाय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जो गांव मुलतानाबाद में है। जिसका सर्वे नं० 245 पार्ट 1 श्रौर 2 (हिस्सा-1-2) है श्रौर जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 23 गुंठा श्रौर 1 एकड़ 6 गुंठा, है। जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मूरत के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख : 3-8-1979

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०---

भागकर ग्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भार्यकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 10 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० ए/सिल/78-79/438-46--श्रतः मुझे रा० ना० बरा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-इपए से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० दाग नं० 4868/4867 है तथा जो पट्टा नं० 739 में स्थित है (भ्रौर इससे जगाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सिचलर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरफ, लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्राधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की ग्रारा 269-व की उपप्रारा (1) के क्षतीन निम्निसित व्यक्तियों, भर्यात्:--

- (1) श्री उदय नारायण गोसाई
- (2) श्री बिद्याधर गोसाई
- (3) श्रीमती मीरा गोसाई
- (4) श्रीमती मालती गोसाई
- (5) श्री श्याम सुन्दर गोसाई
- (6) श्रीमति महे श्वनी गोसाई
- (7) श्रीमति उर्मिला गोसाई
- (8) श्रीमति साबिती गोसाई

घस्तरक

श्री सम्पत्ति मल पुगालियां सुपुत्र श्री अर्जुन लाल पुगलालियां (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा को उस ग्रव्याय में दिया गया है।

घनुसूषी

जमीन का माप 4 कट्टा 11 छटांक भ्रौर एक बलान का माप 800 स्के० फुट सिचलर में हायलाकांधी सड़क पर स्थित है। जिला कछार, असाम।

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, शिलांग

दिनांक: 10-8-1979

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

August 1979

No. M-72/66-Ad.V,—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sachdeva, an officer of Delhi Police, to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21-7-1979 and until further orders.

The 6th August 1979

No. 1-9/79-CFSL/5729.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Kainth, as Senior Scientific Officer (Ballistic) in the Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi with effect from the forenoon of 31st July, 1979 and until further orders.

The 8th August 1979

No. A-19021/3/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Dikshit, IPS (1964-Uttar Pradesh) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17-7-79 and until further orders.

The 10th August 1979

No. A-31014/1/76-Ad. I—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules 1965, Director Central Bureau of Investigation and IGP/SPE, hereby appoints in substantive capacity on permanent absorption the following deputationist officer from the State Police of Tamil Nadu to the post of Sr. PP in SPE/CBI w.e.f. 7-3-1978:—

SI. No.	Name of the Officer	Present place of posting	State from which on deputation	Branch wherein lien kept on the per- manent post of Sr. PP in CBI
1	2	3 .	4	5
	ri V.T. Venka- an.	Madras	Tamil Nadu	GOW/ Madras

2. This issues in supercession of this Office Order No. A-31014/1/76-Ad. I (No. 497/1979) dated 15-5-1979.

G. L. GROVER Administrative Officer (E)/CBI

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 8th August 1979

No. 11/61/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. V. Mongia an officer belonging to the Indian Frontier Administrative Service, as Director of Census Operations, Delhi, with effect from the forenoon of 23 July 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Mongia will be at Delhi.

No. 11/77/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Dubey, an officer belonging to the Madhva Pradesh Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, with effect from the forenoon of 1 August, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Dubey will be at Bhopal.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 13th August 1979

No. 41/15/72-Estt.—On completion of his tenure of deputation with the Central Government Shri K. B. Vohra, I.P.S. (1958-Orissa), relinquished charge of the post of Deputy Director, in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad with effect from 4th August, 1979 Afternoon.

P. A. ROSHA, Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUIARAT

Ahmedabad, the 7th August 1979

No. Estt. (A)160/1732—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the date shown against, each, until further orders.

S/Shri			*	Date
 S.R.S. Iyengar 				10-7-79 FN (Proforma)
2. M.V. Muthusubran	any	am.		28-7-79 FN
3. M. S. Rajagopalan				10-7-79 FN
4. M. Rajendran				10-7-79 FN

K. P. LAKSHMANA RAO

Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 27th July 1979

No. Admn. I/11-144 (XVI)/115—The Accountant General U. P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each,:—

1.	S/Shri Mohan Lal Mehrotra					ė	12-7-79
2.	R. Krishna Murty						F.N. 12-7-79
-		•	•	•	•	•	F.N.
3.	Prem Nrain Nigam						12-7-79
							F.N.
4.	Jagdish Chandra Srive	astava		•			12-7-79
							F.N.
5.	Satya Prakash	•		-			12-7-79
							F.N.
6,	Vinay Malviya .		-				16-7-79
							F.N.
7.	Krishna Sahai						12-7-79
							F.N.
8.	Nandu Tewari .			_			12-7-79
							F.N.
9,	Jagdish Pal Dhir				_		13-7-79
	_					•	F.N.
10	Harihar Prasad Bagel						
	Titi inti Titand Dager	11	•	•	•	•	12-7-79
11	Kaushal Behari Lal St	rizzoate					F.N.
, , .	Kausiai Delia(i Lai 5:	iivast	ıva		•	•	12-7-79
12	Dram Cincle I						F.N.
14.	Prem Singh-I	•	•	•	•	•	12-7-79
12	Dam Dai Dam						F.N.
15.	Ram Raj Ram .	•	•	•			13-7-79
							F.N.
14.	Ram Dihal .		•				16-7-79
							F.N.
					-		

Senior Deputy Accountant General (A)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Notice of the termination of service issued under article 5(1) of the CCS (TS) Rules 1965

No. AN/A/pt/Disp-8312629.—In pursuance of the proviso to sub Rule (I) of Rule 5 of CCS (Temporary Service) Rules 1965, I, R. B. Kapoor, Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut Cantt, hereby give notice to Shri Champa Oreon Ty. Clerk, A/C No. 8312629, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published on, or as the case may be tendered to him

Station: Mcerut Cantt. Dated 26th July 1979.

R. B. KAPOOR
Controller of Defence Accounts
Western Command, Meerut Cantt,

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 3rd August 1979

No. 71019(9)/77/AN-I.—Shri Dilip Kumar Biswas, a probationer in the Junior Time Scale of Indian Defence Accounts Service remained absent form duty without sanction from 28-12-76 to 31-10-77 and the period of absence has resulted in break in service. On rejoining duty on 1-11-77 (FN) he has been treated as a fresh entrant to the Indian Defence Accounts Service from that date.

2. The Gazette notification No. 71019(9)/77/AN-II, dated 9-11-77 published in the Gazette of India dated 3-12-77 Part III Section 1 (Page-5536) may be viewed as modified to the extent stated above.

R. L. BAKSHI Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 7th August 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(FSTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn.(G)/5907.—The President is pleased to appoint Shrl J. K. Mathur a permanent officer of Section's Grade of CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 14th May, 1979 to 30th June, 1979.

2. The President is also pleased to appoint Shri J. K. Mathur as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi for the aforesaid period.

RAJINDER SINGH
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIFS & DISPOSALS (ADMN. SFCTION A-6)

New Delhi, the 6th August 1979

No A6/247(301)/61.—The President is pleased to appoint Shri N. R. Ghosh. Asstt. Inspecting Officer (Met-Chem.) in the office of Director of Inspection. Burnour to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met. Chem.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A. Met-Chem Branch) on ed-hoc basis in the office of the Director of Inspection, Jamshedpur wef 9-7-79 (FN) and until further orders.

Shri Ghosh relinquished the charge of the office of AIO (Met-Chem) in Burnpur on 30-6-79 (AN) and assumed charge of the office of ADI (Met-Chem.) in Jamshedpur on 9-7-79 (FN).

The 7th August 1979

No. A6/247(363)/76-II.—The President has been pleased to appoint Shri K. M. Krishnamurthy, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Madras to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) on ad-hoc basis in the same Inspectorate wef 21st May, 1979 (FN) and until further orders.

Shri Krishnamurthy relinquished the charge of the office of AIO (Engg.) and assumed charge of the office of IO (Engg.) in the office of DI, Madras on the forenoon of 21-5-1979.

The 7th August 1979

No. A6/247(493)/II.—The President has been pleased to appoint Shri S. V. Mate, Assit. Inspecting Officer (Engg.) at Baroda under the Director of Inspection, Bombay to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service (Group A) Engg. Branch) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Calcutta wef 12th July, 1979 (FN) and until further orders.

Shri Mate relinquished the charge of the office of AIO (Engg.) at Baroda on 3-7-79 (AN) and assumed charge of the office of IO (Engg.) at Calcutta on the forenoon of 12th July, 1979.

P. D. SETH, Dy. Dir. (Admn).

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th August 1979

No. 10/7/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri D. H. Korali, Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Calcutta with effect from the forenoon of 4th June, 1979 until further orders.

O. B. SHARMA

Dy Director of Administration

for Director General

New Delhi, the 8th August 1979

No. 28/21/78-SII.—In supersession of this Directorate's earlier notification of even number dated 7-4-79, Director General. All India Radio is pleased to appoint Shri M. C. P. Nambiar, Field Reporter, All India Radio, Calicut to officiate as Extension Officer, All India Radio, Calicut on a purely ad-hoc basis with effect from 30-4-78 until further orders.

S. V. SESHADRE Dy. Director of Administration for Director General

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG) VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 3rd August 1979

No. 348/7-Estt.(I).—The ad-hoc appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of Superintendent (Grade I) are further continued beyond 31-7-1979 and upto 30-9-1979.

B. N. CHADHA, Dir. of Admn,

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Personnel Division

Bombay 400 085, the 9th July, 1979

No. 5/1/79-Estt. II/2626—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Security Officers for the period shown against their names:

Sl. Name and No. Designation	Appointed to Officiate as	Period			
146. Designation	Oniciate as	From	То		
Shri B.S. Huli-	Security Officer	30-4-79	31-5-79		
gerimath Asstt. Security Officer		(FN)	(AN)		
2. Shri S. N. Sen	Security Officer	14-5-79	16-6-7 ⁹		
Asstt. Security Office		(FN)	(AN)		

V. M. KHATU

Dy. Establishment Officer

Bombay 400 85, the 14th June, 1979

No. 5/1/79-Estt. II/2264—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:—

Sl. Name &	Appointed to	Period				
No. Designation	officiate as —	From	То			
1. Shri V. Narayana	Asstt. Personnel	2-3-79	4-4-79			
Rao Sr. Steno.	Officer	(FN)	(AN)			
2. Shri K. C. Ittikuru	Asstt. Personnel	5-4-79	2-6-79			
Assistant	Officer	(FN)	(AN)			
3. Shri V.A.V. Menon	Asstt. Personnel	19-3-79	27-4-79			
Assistant	Officer	(FN)	(AN)			
4. Shri V.P. Kulkarni	Asstt. Personnel	16-4-79	16-5 - 79			
Asstt.	Officer	(FN)	(AN)			
Shri G. Krishna-	Assit. Personnel	30-4-79	2-6-79			
murthy Sr. Steno	Officer	(FN)	(AN)			
6. Shri K. L. Kotekar	Asstt. Personnel	16-4-79	25-5-79			
Assistant	Officer	(FN)	(AN)			
7. Shri H.S. Khadilkar	Do.	2-5-79	13-6-79			
Sr. Steno		(FN)	(AN)			

The 12th July, 1979

No. 5/1/79-Estt. II/2689—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer-II/Asstt. Accounts Officer for the period shown against their names:—

Sl. Name and No. Designation	Appointed to officiate as	Peri	od
No. Designation	Officiale as	From	То
1. Kum. N.M. Merchet Assit. Accounts Officer	officer-II	14-5-79 (FN)	22-6-79 (AN)
2. Shri T. K. Ramamoorthy Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	29-3-79 (FN)	22-6-79 (AN)
3. Smt. H.H. Kapadia Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	16-4-79 (FN)	6-6-79 (AN)

Kum. H.B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 4th August 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm.12066.—In continuation of this Division's notification of even number dated June 12, 1979, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 7, 1979 upto the afternoon of July 13, 1979 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of August 28, 1979 or till Shri P. B. Nair, APO resumes duty whichever is later.

B. C. THATTE, Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 7th August 1979

No. NAPP/Adm/1(141)/79-S/9065.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri L. P. Gupta a permanent Assistant Foreman in Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientic Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of July 11, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(139)/79-S/9066.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri R. C. Dindoliwal a quasi-permanent SA 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of July 9, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN Administrative Officer for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION) Hyderabad-500016, the 8th August 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Prem Prakash Sharma as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an offidiating capacity with effect from the forenoon of June 11, 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO: TAPS, the 4th August 1979

No. TAPS/2/813/71.—Consequent on his transfer on promotion to the Regional Accounts Unit of the Directorate of Purchase and Stores in Madras vide DAE order No. 20/6(1)/77-CCS/691, dt. 10-7-1979, Shri B. D. Kavishwar, a permanent Accountant and officiating Asstt. Acctts. Officer, TAPS has been relieved of his duties in TAPS with effect from the afternoon of July 21, 1979.

A. D. DESAI, Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th July 1979

No. A.32013/1/79-EC.—In continuance of this Department Notification No. A.32013/1/78-EC, dated 22-6-79, the President is pleased to appoint Shri P. S. Mullick at present working as Senior Technical Officer on ad-hoc basis in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta to the grade of Senior Technical Officer on regular basis wef 18-7-79 (FN) and to post him in the same station.

2. The President is also pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri P. S. Mullick in the grade of Senior Technical Officer will be 1-11-77.

GIRDHAR GOPAL Asstt. Dir. of Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Guntur, the 26th March 1979

No. 1/79—The following permanent Inspectors of Central Excise have been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Grup-B (GAZETTED) in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) on the dates noted against each:

SI. Name of the Officer No.			Date of ssumption of charge as Super-intendent of Central Excise Grup-B (Gazetted)
S/Shri	_		(Gazetteu)
-,		I.D.OI Visakhapatnam	3-7-78 (AN)
2. G. Raghunatha Rao	-	Do.	7-7-78 (AN)
3. A. Gangalah	-	Sattenapalli, MOR	12-9-78
4. K. Krishna Rao		I.D.OEluru	16-8-78
5. M. Rajarao .		Hqrs. Office, Guntur	23-8-78
6. N. Ramamohana Rao		MOR-II Guntur I.D.OI Guntur	31-8-78 (AN)
7. V. Venkataranam	-	MOR-I Vijayanagarai IDO-II Visakhapatnai	
8. B. Kamalavishnu	•	Maddipadu M.O.R. IDO-Ongole	12-10-78 (AN)
9. T. Seetharam .	•	Mederametla MOR IDO-Ongole	25-11-78 (AN)
10. A. Narayanamurthy		Kanchikacherla MOR, IDO-Vijayawa	24-11-78 da
11. M. Hanumantharao D7		MOR-I Rajahmundry IDO-Rajahmundry	
12. Ch. Prasadarao .		S.G.C.P. Kakinada IDO-Rajahmundry	5-1-79

No. 2/79—The following Superintendent of Central Excise, Group B (Gazetted) retired from service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each.

SI. No.	Name of the Officer Station		Date of retirement from service (in the A.N.)	
1	2		3	4
	S/Shri		·	
1.	Md. Jaffar .		IDO-Vijayawada	31-7-78
2. 1	Mahaboob Iqbal		Jangareddigudem MOR of IDO-Elur	31-7-79 u
3. 7	Γ. Kotaiah ,		I.D.OEluru	31-7-78
4. 1	K. Veeraiah .	•	MOR-II Guntur IDO-I Guntur	31-8-78

1	2	3	4
5.	Y. Sriramamurthy	Hqrs. Office, Guntur	31-8-78
6.	C. Prasadarao	Do.	31-8-78
7.	P. Ramalingaswararao	Do.	30-9-78
8 :	S.A. Latcef	I.D.OI Guntur	30-9 -7 8
9,	K. Gunneswararao	MOR-V Visakhapatnam IDO-I Do,	30-9-78
10.	B.V. Subbaiah	Kanchikacherla MOR IDO- Vijayawada	31-10-78
11.	D.V. Rama Rao	MOR-I Rajah- mundry IDO-Rajahmundry	31-12-78
12.	A. Subramanyam	IDO-II Visakhapatnam	31-1-79

No. 3/79.—Shri V. Krishnarjuna Rao, Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) I.D.O.-II Visakhapatnam has proceeded on voluntary retirement from service with effect from 31-12-78 A.N.

No. 4/79—The following Excise Grup-B (Gazette) each while working at the s	expired on the dates r	
Sl. Name of the Officer No.	Station	Date of expiry
S/Shri		
1. A.K. Md. Zakria Nizami	Mederametla MOR IDO-Ongole	19-10-78
2. K. Purushotham	MOR-III Eluru IDO-Eluru	5 - 11-78

No. 5/79.—Shri P. Venugopala Rao, permanent Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) I.D.O.-Rajahmundry was retired from service with effect from 31-7-78 A.N. under the provisions of F.R.56 (I).

No. 6/79.—Shri K. Kameswara Rao, Office Superintendent of Central Excise, Hqrs. Office. Guntur was appointed as Asstt. Chief Accounts Officer-II, Group-B (Gazetted) Hqrs. Office, Guntur with effect from 4-8-78 the date he took over charge of the post.

C. BHUJANGASWAMY, Collector

NORTHERN RAILWAY

New Delhi-1, the 8th August, 1979

No. 14—The following officers of Transportation (Traffic) & Commercial Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each:—

Sl. No. Name			1	Date from which inally etired
1 2				3
1. Shri A.S. Kansal, STO(S)/HQ		•		31-7-79 (AN)
2. Shri M.P. Sharma, DTS/DE	•			31-7-79 (AN)

1	2			 3
3.	Shri K. N. Kohli, SWSO/HQ .			31-7-79 (AN)
4.	Shri S.C. Misra, ACO(C)/BSB at LKC	C		31-7-79 (AN)
_				NATESAN L Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Allied Fertilizers & Ores Pvt. Ltd.

New Delhi, the 31st July 1979

No. 4626/12613.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the

name of the M/s. Allied Fertilizer & Ores Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. B. SEXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Blhar Type Foundry Private Limited

Patna, the 6th August 1979

No. (1009)560/78-79/2087.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Type Foundry Private Limited unless cause is shown to the Contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. P. K. CHATTERJEE Registrar of Companies Bihar, Patna

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-11001

New Delhi, the 16th August 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/Dec-3 to 22/4643/78-79/2291.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7 situated at Court Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Hari Singh Mehra, (2) Smt. Kamla Wati,
 (3) Sh. R. C. Mehra, (4) B. C. Mehra, (5) D. C. Mehra & (6) R. C. Mehra, r/o. 7-Court Road,
 Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. (a) Smt. Kanta Kumari, w/o. Sh. Ram Sarup
 (b) Sh. Ram Parkash, s/o. Loriend Chand both r/o
 1025, Tarah Bairam Khan, Darya Ganj, New Delhi.
- Sh. Om Parkash Tondon, s/o. Sh. B. K. Tondon, 4215/1, Ansari Road, D/Ganj, Delhi.
- (a) Sh. Prafull Kumar Jain, Minor (b) Sh. Prabhat Kumar Jain (Minor), ss/o. Sh. P. K. Jain, 1866, Mahalaxmi Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi.
- (a) Sh. J. K. Kapoor (b) Sh. N. K. Kapoor, 88/0.
 Sh. L. P. L. Kapoor, 774-Tilak Bazar, Delhi.
- (a) Sh. B. K. Malhotra (b) O. P. Malhotra (c) S. S. Malhotra (d) R. L. Malhotra (e) S. C. Malhotra, ss/o. Sh. R. L. Malhotra, 21-A, Darya Ganj, Delhi & House No. 4695, Ansari Road, Delhi.
- (a) Sh. B. K. Malhotra (b) Sh. O. P. Malhotra (c) Sh. S. S. Malhotra (d) R. L. Malhotra (e) S. C. Malhotra, ss/o. Sh. R. L. Malhotra, 21-A, Daryagan, Delhi.
- Sh. R. K. Chhabra, s/o Late Sh. D. D. Chhabra, 5/6, Roop Nagar, Delhi.
- 8. Smt. Sarla Madan, s/o. Sh. S. P. Madan, Q-23, Model Town, Delhi.

(a) Sh. G. K. Ahuja, s/o. Sh. H. R. Ahuja (b)
 Smt. S. R. Ahuja, s/o. Sh. G. K. Ahuja, 2437, Basti
 Pujabian, Subzi Mandi, Delhi.

- Sh. Surjit Singh, Karta, B-F/24, Tagore Garden, New Delhi-27.
- (a) Sh. P. K. Jain (Minor) (b) Sh. Prashant Km. Jain (Minor) ss/o. Sh. P. K. Jain, 1866, Mahalaxmi Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi
- (a) Sh. Sardari Lal (b) Sh. Ashok Kumar (c) Vijay Kumar (e) Krishan Kumar, ss/o. Sh. S. L. Aggarwal, Flat No. 19, Usha Niketan, 32-Bungalow Road, S/ Mandi, Delhi,
- Smt. Vidya Batra, w/o. Sh. C. L. Batra, 43-A, Rajpur Road, Delhi.
- Smt. Laj Batra, w/o. Sh. K. L. Batra, 43-A, Rajpur Road, Delhi.
- Smt. Usha Batra, w/o. Sh. A. K. Batra, 43-A, Rajpur Road, Delhi.
- (a) Smt. Poonam Arora, w/o. Sh. K. L. Arora, B-1/
 Model Town, Delhi (b) Sh. Kundan Lal & Sons (HUF).
- (a) Sh. Jagmohan Anand, s/o. Late L.G.R. Anand,
 (b) Sh. Naresh Anand (c) Sunil Anand, S/o Sh. Jagmohan Anand, 3307, Gali Dorewali, Morigate,
 Delhi.
- (a) Sh. S. S. Narula, s/o. Late S. S. Singh (b) Sh.
 H. P. Singh (c) A. P. Singh (d) Ardaman Singh, ss/o. Sh. S. S. Narula, 3486-Nichelson Road, Morigate, Delhi.
- Sh. Rishi Kumar, s/o. L. Radhey Lal, 2746, Chhata Partap Singh, Dariba Kalan, Delhi.
- (a) Sh. Swaran Singh, s/o Sh. Lal Singh (b) Sh.
 N. P. Singh, s/o. Sh. Swran Singh (c) Smt. Surinder
 Kaur, s/o. Sh. S. S. Bhandari, r/o. 632, Rang Mahal,
 Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca single storyed bungalow with free-hold land measuring 15,666 sq. yds. known as 7-court Road, Civil Lines, Delhi and bounded as under:—

East: No. 5, Court Road.

West: Bungalow No. 9 & Common Wall & Prop. No. 7A & 7 Rajpur Road.

North: 16 Qurs. & Garrages of Govt. land & Road.

South: Court Road.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date 16-8-1979 Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14 A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 16th August 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/Dec/4707/78-79/2291.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. F-13 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December, 1978

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market value I have property as aforesaid exceeds the apparent of the than fifteen per cent consideration therefor by more of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Attar Singh, s/o. Late S. Gulab Singh, F-13, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh & Balvinder Singh ss/o. S. Rawel Singh, A-2/70. Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on a free-hold plot of land measuring 1020.1 sq. yds. bearing No. F-13, Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. F-14 West: Plot No. F-12 North: Road and Lawn

South: Road

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date 16-8-1979 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 25th July 1979

Ref. No. CA5/SR. Malegaon/March '79/454.—Whereas, I, Smt. P. L. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 204 situated at New Ward, Malegaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offlecr at Malegaon on 3-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--14-216GI/79.

(1) 1. Shri R. V. Shimpi.

hri K. V. Shimpi.
 Shri P. V. Shimpi.
 Shri J. V. Shimpi, Mamledar Galli, Malegaon.

(Transferor)

(2) 1. Shri Babulal Mahadu Wani (Shinkar)
 2. Shri Maniklal Babulal Shinkar—Minor.
 3. Shri Ratanlal Babulal Shinkar—Minor.

 Shri Javaharlal Babulal Shinkar—Minor. Shri Motilal Babulal Shinkar.
 Babulal & Co. Sadi Adat Shop, Malegaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 204, New Ward Malegaon 45-1 Sq. Mcters. (Property as described in the sale deed registered under D No. 739 dated 3-3-1979 in the office of the Sub-Registrar, Malegaon).

> Smt. P. LALWANI, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 25-7-1979

Seal:

(1) Smt. Laxmibai Kashinath Sonawane, 687, Narayan Peth. Punc-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 30th July 1979

Ref. No. CA5/SR. Haveli/Feb. 79/453,--Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 692, Hissa No. A1/2, S. No. 692 A, 2A/1/1 & 693 Hissa 1A\$2/K situated at Munjeri, APMC Market Yard Road, Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Pune on Feb. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Suparshwanath Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, Kenjali Building, 1131, Shivajinagar, Punc-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land out of S. No. 692, Hissa No. A1/2, S. No. 692 A, 2A/1/1 and 693, Hissa 1A/2/K, situated at Munjeri, APMC Market Yard Road, Pung-9.

(Proporty as described in the sale deed registered under No. 453 dated Feb. 1979 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune).

Smt. P. I.ALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Rance Poona.

Date: 30-7-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A. P. 585/ABH/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhop Singh s/o Dhokal Ram s/o Pema Ram r/o Vir colony, Abohar Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Smt. Shakori Devi w/o Sh. Chuni Lal s/o Rati Ram r/o Baryka Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Anybody interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of House No. 868 Gali No. 1-C, Mandi, Abohar as mentioned in the deed No. 1973 of Jan., 79 of the Sub-Registrar, Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 30-7-79

Seal:

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A.P. 586/ABH/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aabohar on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Bhop Singh s/o Dhokal Ram s/o rema Ram r/o Vir colony, Abohar Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Smt. Lali Devi w/o Sh. Om Parkash s/o Chuni Lal, Smt. Laxmi Devi w/o Jagdish Chander s/o Chuni Lal r/o Baryka Teh. Fazilka, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of house No. 868, Gali No. 1-C, Mandi Abohar as mentioned in the deed No. 2024 of Jan., 79 of the Sub-Registrar, Abohar.

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 30-7-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A. P. 587/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Maur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Charanjit Lal s/o Sadhu Ram, House No. B.III Ward No. 8, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Lal s/o Sh. Sri Ram c/o Sh .Babu Ram Gupta, Main Bazar, Maur Mandi,

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House measuring 40' X 154' at Maur Mandi as mentioned in the deed No. 1704 of Jan., 79 of the Sub-Registrar, Talwandi Saboo.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Asquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A.P. 588/TS/79-80.—Whereus, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Maur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwani Saboo on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Charanji Lal s/o Sh. Sadhu Ram s/o Lali Mal Ward No. 3, Maur Mandi House No. B.III/65.

(Transferor)

(2) Sh. Babu Ram s/o Brij Lal s/o Sri Ram through Babu Ram Gupta Main Bazar, Maur Mandi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop measuring $20^{\circ} \times 151^{\circ}$ at Maur Mandi as mentioned in the deed No. 1701 of Jan., 79 of the Sub-Registrar, Talwandi Saboo.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Inconce-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A.P. 589/MGA/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Mahesri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Moga on Jan. 1979 for an apparent consideration which is for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Charno d/o Santa Singh s/o Khazan Singh r/o Mahesri Teh. Moga.

(Transferor)

(2) S/Sh. Malkiat Singh, Gurdip Singh s/o Ujjagar Singh s/o Bachan Singh & Sukhmander Singh, Jora Singh, Kewal Singh, Balwinder Singh, Naib Singh, Ajaib Singh s/o Sagar Singh s/o Bachan Singh of Mahesri Tch. Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 88 K 11 marlas as mentioned in the deed No. 6595 of Jan., 79 of the Sug-Registrar, Moga.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A.P. 590/MGA/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Mahesri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Charno d/o Santa Singh s/o Khazan Singh r/o Mahesri Teh. Moga.

(Transferor)

(2) S/Sh. Malkiat Singh, Gurdip Singh s/o Ujjagar Singh s/o Bachan Singh & Sukhmander Singh, Jora Singh, Kewal Singh, Balwinder Singh, Naib Singh, Ajaib Singh s/o Sagar Singh s/o Bachan Singh of Mahesri Teh. Moga.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 aobve.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 K 8 Marlas as mentioned in deed No. 6628 of Jan., 79 of the Sub-Registrar, Moga.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Rcf. No. A.P. 584/ABH/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Jan. 1979

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-216GI/79

- (1) Sh. Ram Chand s/o Sh. Nathu Ram, Sissar.
 (Transferor)
- (2) Sh. Deendial 8/0 Sh. Sahu Ram H. No. 1818 Gail No. 7 Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1371 Gali No. 7, Abohar as mentioned in the deed No. 2029 of Sub-Registrar, Abohar dated 12-1-79.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th August 1979

Ref. No. 596/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Krishan Kumar s/o Shri Karam Chand, Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Kashmiri Lal s/o Sh. Hehla Ram House No. 1617 Gali No. 12, Mandi Abohar.

 (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop bearing No. 626 as mentioned in the deed No. 1674 dated 8-12 1978 of Sub-Registrar, Abohar.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-8-79 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 8th August 1979 Ref. No. AP 601.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Phagwara, on December, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the sai dAct, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Bachan Kaur wife of Shri Charan Singh, Guru Teg Bahadur Nagar, Phagwara. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Bhagat Singh s/o Shri Rattan Singh 2. Smt. Sawaran Kaur wife of Sh. Bhagat Singh village Rurka Kalan Tehsil Phagwara District Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybdy interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IEXPLANATION:—The terms and expression used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House $40' \times 45'$ as mentioned in the registration deed Nol 1559 dated 13-12-1978 of Sub-Registrar, Phagwara.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 8-8-79 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. AP.582/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Ganesh Silicate & General Mills, Ferozepur City.
 - (Transferor)
- Sh. Ram Parkash s/o Sh. Dewan Chand, Boarder Road, Ferozepur City.
 (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of building and land as mentioned in the deed No. 4752 of December, 1978 of Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 30th July 1979

Ref. No. A.P.583/ABH/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at Abohar

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Abohar on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Shati Devi wd/o Sh. Banwari Lal R/o Kiran Bala D/o Shanti Devi r/o 4/7 /th Ariner Hindustan street colony, Ranchi, Smt. Saroj Bala d/o Shanti devi r/o 45 NDSE Part-I New-Delhi through Smt. Shanti Devi P.O.A.

(Transferor)

(2) Sh. Vipan Kumar s/o Sh. Mathra Dass r/o vill. Sapanwali Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 1806/1066 Gulshan Road, Abohar as mentioned in deed No. 1846 of Sub-Registrar, Abohar.

SUKHDEV CHAND. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 30-7-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 9th August 1979

Ref. No. 605.—whereas, I, SUKHDEV CHAND.

6802

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gurnam Kaur wirow of Sh. Jeon Singh, Mohalla Mehna, Bhatinda.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Gulab Singh s/o Sh. Nand Singh, S/Sh. Sukhminder Singh, Jaspal Singh s/o Sh. Gulab Singh vill. Mehma Surja, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

*(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha and 16 Biswas in Guiu Nanak Sector, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 4439 of Dec., 1978 registered with the S.R. Bhtinda,

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatinda,

Date . 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th August 1979

Ref. No. 604.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhtinda on Dec., 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurdial Singh, Dial Singh s/o Maktool Singh, Mohalla Mehna, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Mangal Singh s/o Sh. Sajjan Singh, Bhtinda.
 (Transferce)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.

 (person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha and 16 Biswas in Guru Nanak Sector, Bhtinda as mentioned in sale deed No. 4438 of Dec. 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 19-8-1979.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th August 1979

Ref. No. 603.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule, situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurdial Singh and Dial Singh s/o Sh. Maktool Singh, Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Sh. Gulzara Singh, Surji Singh, Ajit Singh, Avtar Singh S/o Sh. Mehar Singh, R/o Vill. Ganga, Distt. Bhatinda

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha and 16 Biswas situated in Guru Nanak Sector, Bhatinda as per registration deed No. 4437 of Dec. 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 9th August 1979

Ref. No. 602.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec., 1978.

for an apparent consideration which i_S less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—216GI/79

- (1) Smt. Gurnam Kaur widow of 'Sh. Jeon Singh, Bhatinda: (Transferor)
- (2) S/Sh. Avtar Singh, Mohinder Singh, Harbans Singh, Manjit Singh ss/o Balwant Singh, R/o VIII. Kot Guru, Distt. Bhatinda,

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha and 16 Biswas in Guru Nanak Sector Bhatinda as mentioned in sale deed No. 4436 of Dec., 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th August 1979

Ref. No. AP. 606/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at

Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Phagwara on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harbhagan Singh s/o Charan Singh, back side of Model Town, Gurunanak Pura, Khera Road, Phagwara.

(Transferor)

- (2) M/s. Meck Auto Traders, Khera Road, Phagwara.
 (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person which the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 marlas as mentioned in the Registration deed No. 1583 of Dec. 78 of the Sub-Registrar, Phagwara.

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 16-8-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th July 1979

Ref. No. 597-A/M.Nagar/79-80,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jansath on 16-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Santosh Kumar s/o Jaswunt Singh r/o Losawat Parg, Jansath, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Amrik s/o Pritam Singh, Pritam Kaur w/o Pritam Singh r/o vill. Devanpuri Parg. & Tah. Jansath (Muzasfarnagar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Isahnivala sold for an apparent consideration of Rs. 41,275/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-7-79.

PORM ITNS ____

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th July 1979

Ref. No. 600A/Kanpur,—Whereas, I_{\star} B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and earing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Derapur on 23-12-78 for an apaprent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bhabhuti Aa. Gayadin r/o Rurapurwa Majra Mauja Daya Pargana Derapur Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shivka w/o Ram Prasad, Indrani w/o Subedar r/o vill. Pariyapur Majra Mauja Dashahra Sujanpur Pargana Derapur Distt. Kanpur.

(Transferce)

Objeticons, if any, to the aquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Daya No. 11 measuring 9 bigha 2 biswa 16 biswansi sold for an appaent consideration of Rs. 22,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Daet: 4-7-79. Scal:

(1) Shri G. C. Misra s/o Sri P. Misra r/o 158 Kalakchetra Colony (Madras).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 900-Λ/78-79/G. Bad.—Whereus, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 17-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whih havec not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Shafali Chowdhary w/o Sri Brijesh Kumar Agarwal, r/o K. E. 13, Kavinagar, Gazlabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K. E. 1 measuring 1229.54 sq. yd. situated at Kavinagar, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 39,345.28 P.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-7-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 901-A/G. Bad.-Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 12-1-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Naresh Gupta s/o Late Ramji Lal r/o 103 G.T. Road, Gaziabad Loni Tah, & Distt. Gaziazad. (Transferor)
- (2) Shrimati Sharma Devi w/o Har Prasad Sharma, Hemant Kumar, Shailendra Kumar Sharma, Rahul Sharma r/o 12 Nirmala Chawani, Hardwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall hve the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1812.5 sq. meter i.e. 2165 sq. yd. Khasara 518 meter situated at village Nasarpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-7-1979.

 Shri Kishanchand Rastogi s/o Baldeo Rastogi r/o 45/50-A, Gaya Pd. Lane, Moolganj, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th July 1979

Ref. No. 262-A/Kanpur/P.N./79-80,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering Officer at Kanpur on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Salimulla s/o Karimulla r/o 94/82 Pechbagh, Khalil Ahmad s/o Mohd. Hussain 78/325 Anwarganj, Taj Mohd. s/o Mahmood Khan 78/325 Anwarganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 45/50-A Gaya Pd. Lane Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-7-79.

Scal :

 Dr. Suraj Narain Saxena, 30/2, Chawalmandi, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Shri Jaspal Singh Bhalla and Smt. Bhupendra Kaur 120/822 Ranjitnagar, Kanpur.

> > (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th July 1979

Ref. No. 560-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur on 19-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 Block H Kakadeo sold for an apparent consideration of Rs. 47,625.68 P.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-7-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th July 1979

Ref. No. 589-A/M.Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzasfarnagar on 24-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17-216GI/79

- Shri Shivkant s/o Shri Bramhanand, Smt. Vimla w/o Shri Bramhanand Rohana Khurd Parg. & Distt. Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) Smt. Asharfi Devi w/o Shri Lal Chandra r/o Rohana Kala Parg. & Distt. Muzaffarnagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 188 measuring 1 bigha situated at Rohana Khurd Pargana Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 12,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 581-A/Budhana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhana on 8-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dovdatta s/o Shri Parmanand Tyagi r/o Pura Pargana Shikarpur, Tah. Budhana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

 (2) S. Shri Murlidhar, Ashok Kumar, ss/o Shri Kaliram Tyagi r/o Pura, Shikarpur Distt. Muzaffarnagar, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 640 (1/4th part) situated at village Pura Parg. Shikarpur Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-7-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th July 1979

Ref. No. 586.A/Dehradun/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 20-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Sri Shambhu Nath Kaul s/o Shri Prasad Kaul r/o 40/3 Bhandaribagh, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Nilam Pandit w/o Sri Rajendra Pal Singh r/o 19 Lakki Bagh, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasara No. 834 Meter Rakba Karmavesh, 13 citu ated at Mauja Lakhi bagh central dun Dehradun and a shop Nagarmahapalika No. 40/3 Bhandaribagh, Dehradun sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 7-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th July 1979

Ref. No. F. No. 931/Acq./Alg./78-79.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 20-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ramesh Urf Ramesh Chandra s/o Shri Basudeo r/o Village Shajahanpur, Kol. Aligarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajpal, Ram charan Singh, Suratpal Singh, Haripal Singh ss/o Shri Dangal Singh r/o Village Khitkari Kheda Parg, & Tah, Kol, Aligarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 788 situated at village Shahjahanpur Tajpur Parg. & Tah. Kol, Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th July 1979

Ref. No. F. No. 937/Acq/Mathura/78-79.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 16-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mahesh Chand Agarwal s/o Shri Dau Dayal and Smt. Shakuntala Agarwal w/o Shri Ramesh Chandra Agarwal r/o Manik chauk, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Narain Das s/o Shri Shivcharan Lal r/o Barsath Tah. Chata Distt. Mathura, Shri Krishna Gopal s/o Shri Moolchand, Chauk Bazar, Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 2518 near Rani Mandi, Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/-,

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. F. No. 1921/Acq./F.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Firozabad on 22-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to where that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Ram Charan
 s/o Shri Cruni Lal Yadav
 r/o Nagala Bhau Tah, Firozabad, Agra.
 (Transferor)
- (2) Shri Radhey Shyam s/o Shri Nanhoomal Asamraj, r/o Firozabad, Agra Authorized Officer of Cooperative Housing Society Ltd. Firozabad, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 242A measuring 1 Bigha, Char Biswa, 18 Biswansi and No. 242B measuring 3 bigha, 3 biswa 15 Biswansi totalling 4 bigha 8 biswa and 13 biswansi situated at village Rahana, Tah. Firozabad sold for an apparent consideration of Rs. 93,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. F. No. 968/Acq./Bharthana/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana, Etawah on 22-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Jamuna Pd.
 s/o Shiv Lal Bharmai Nikharhal,
 r/o New Colony, Chaudhari Gurja,
 Etawah.

(Transferor)

(2) S/Shri Sardar Hirdayaram, Nihal Singh, Munnilal, Badshah Ram Saran minor, Badshah Ramautar, Ram chand, Lal Singh minor Boby Ram Autar Apparay Rajaram Kitab Sri w/o Shri Apapram Peshopur Rakesh Kumar minor s/o Shri Ragburaj Singh s/o Shri Muhar Singh r/o Gathia Parihar, Bharthana, Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gathia Parihar, Bharthana. Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 67,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-7-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. F. No.962/Acq./Agra/78-79.--Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 22-12-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri Rajinder Kumar Sakhuja s/o Sri Om Prakash Sakhuja
 - 2. Shri Om Prakash Sakhuja s/o Sri Ram Lal r/o Jaipur House, Lohamandi Ward, Agra. (Transferor)
- (2) Smt. Dayawanti w/o Shri Hari Singh Shri Sunder Lal s/o Shri Hari Singh Shri Joginder Pal r/o 19/10-A/66 Jaipur House, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 19/10-A/66 in Jaipur House, Agra on a plot measuring 317.130 sq. meters sold for an apparent consideration of Rs. 1,20,000/-.

B. C. CHATURVEDI. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-7-1979

Shri Om Prakash Agarwal
 6 Late Sri Kundan Lal
 7 Flat No. 21 Sunita cough Parade,
 Bombay-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nathi Lal s/o Shri Babu Lal. Smt. Premdevi w/o Shri Nathi Lal, Shri Mahabir Pd. s/o Shri Nathi Lal r/o Sultanpura. Cantt., Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. F. No. 763/Acq./Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 1-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 94, Sultanpura, Cantt., Agra sold for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority. Inspecting Assti. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-7-1979

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-18-216GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th July 1979

Ref. No. F. No. 958/Acq./Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Otlice of the Registering Officer at

Saharanpur on 26-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the esaid instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Shri Chaitu Pisar Vir Singh, Agriculture r/o Village Puvarka Post Khas Parg., Tah. & Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Om Vir minor, Umar Takhminan 16 years, Rajan minor Umar Hakhminan 14 years, Tasvir minor Umar Takhminan 12 years Raj kumar minor Umar Takhminan 8 years under guardianship of Vilayat Prakash avalj Kudarti, f/o minors r/o vill. Pavarka Parg. Tah. Distt. Saharannur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at vill. Puvarka, Tah. & Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 36,500/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 30-7-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1979

Ref. No. F. No. 923-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 26-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Madan Singh, Jaivir Singh ss/o Shri Jhamman, r/o Khurja Distt. Bulandshahar

(Transferors)

 Shri Subhash Chandra s/o Shri Phool Chand, Khurja, B. Shahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 3019, 3020, 3024, 3025, 3026, 3030, 3032 situated at Khurja sold for an apparent consideration of Rs. 8500/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd August 1979

Ref. No. 938-A/Kanpur/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dadri on 9-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Raj Rani w/o Shri Jai Nath Gupta S/Shri Raj Nath & Surinder Gupta ss/o Shri Jai Nath Gupta r/o 3 Central Avenue Maharani Bagh, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Chetan Swarup Gupta s/o Shri H. S. Gupta S/Shri Alok Gupta & Arun Gupta ss/o Shri Chetan Gupta Smt. Indra Gupta w/o Shri Chetan Gupta r/o 16 Eastern Avenue Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 232, 384, 486, 708 and 232 including Tubewell khothi situated at Chaprauli Pargana Dadri Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 11,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd August 1979

Ref. No. 945-A/Kaupur/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-12-1978

for an apparent ensideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Johara Khatun w/o late Mohd. Ahmad Ali, Jamil Ahmad, Smt. Tabsum w/o Shri Dilshad, Najma Khatum w/o Shri Sartaj Ahmad r/o 105/234A Chamanganj. Kanpur.

(Transferor)

(2) Management Committee of Mosque Kalan Iftakharabad, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 90/102A lftikharabad, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Kanpur.

Date: 3-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri P. N. Kapoor, B-340 New Triveni Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Ved Prakash, Dharam Prakash, Smt. Ameeta Nagia 24/44 Birhana Road, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August 1979

Ref. No. 946-A/Acq./Kan/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereknafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 26-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 117/71 Sarvodaya Nagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 143,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-8-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th August 1979

Ref. No. 709/Acq/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntala Devi w/o Shri Rabal Singh r/o 117-H, 1 (431) 120, Kaka Deo, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Jaiswal w/o Shri Tribhuwan Nath Jaiswal r/o 21/1, Chatai Mehal and Shri Paras Nath Jaisawal s/o Raja Ram Jaiswal r/o 31/6 Ghumani Mehal, Kanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 118/335-C, situated at Kaushalpuri, Kanpur sold for an apparent Consideration of Rs. 84,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur.

Date: 7-8-1979

(1) Shri M. S. R. Baig, S/o M. Mohd. Ali Baig, H. No. 11-2-555/1-B, Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chambli Nath, S/o Shiv Kumar, H.No. 15-5-332 at Osmanghai, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 153/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 5-9-1111 Port situated at No. 9 at King Koti, Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-9-1111 Portion No. 9 situated at King Kothi, Road, Hyderabad, registered vide Document No. 5627/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

Scal :

(1) M/s Associated Builders, & Real Fistate Agents, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M's Vazz Enterprises, by Prop: A. Gani, Room. No. 10 on 2nd floor of Abid Shopping Centre, Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC, No. 154/79-80.—Whereas, 4 K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Room No. 10 on 2nd floor of Abid's Shoping Centre Hyd.

(and morefull y described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad in December 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 10 on 2nd floor of Abid Shopping Centre, situated at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5422/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEFR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presents, namely:—

19—216GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 155/79-80.--Whereas I, K. K. VEFR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-44/13/2 situated at 1st floor Chikadpally, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Sri M. S. Badramma, W/o M. B. Satyanarayana, late, 2. M. S. Veeresh, 3. B. Jagdeshwar Rao, 4. M. S. Suresh, 5. M. S. Hanumantha Rao, 6. M. S. Ramesh, 7. Mrs. Rukmini 8. Mrs. N. Vijayalaxmi, W/o B. K. Nelli, 9. Mrs. M. Chandrakala, all residing at H.No. 1-8-44/13/2 Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gurdass, S/o late Tanumal, H. No. 1-8-44/13/2 at Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Ist floor of the Building M. No. 1-8-44/13/2 admeasuring 244.00 Sq. Mets, situated at Chikkadpally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5442/78 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th July 1979

Ref. No. RAC. No. 156/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Port. 1-8-44/13/2 situated at Ground floor at Chikkad-pally, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in December 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- at Hyderabad, on December 1978
 - (1) S. Sri, Smt. M. B. Badramma, W/o late M. B. Stayanarayana, 2. M. S. Veeresh, 3. B. Jagdeshwar Rao, 4. M. S. Suresh, 5. M. S. Hanumantha Rao, 6. M. S. Ramesh, 7. Mrs. Rukmini W/o V. Yadagiri, 8. Mrs. N. Vijavalaxmi, W/o B. K. Nalli, 9, Mrs. M. Chandrakala, W/o M. Venkateratna all residing at H. No. 1-8-44/13/2 at Chikkadpally, Hyderabad. (Transferor)
 - (2) Sri Bhagwandass, S/o late Tanumal, H.No. 1-8-44/13/2 at Chikkapally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of building M. No. 1-8-44/13/2 admeasuring 244. S. Mets, situated at Chikapally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2037/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

Seal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 157/79 30.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 1-2-24 situated at GganmabalRoad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 29D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sadhu Saraswathama w/o late S. Sreenivasa Sastry, 2. Sri S. Sivanandha Sastry, 3. S. Guru Murthy, 4. Dr. Sadhu Vijayakumar, H. No. 16-9-32/A/1 at Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. V. Kamath, Szo V. N. Kamath, 49-C-at Palinaka Bandra, Bombay-50.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Vacant site M. No. 1-2-24 at Gaganmahal Road. Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5636/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 158/79-80.—Whereas, I K. K. VELR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-2-41 situated at Gaganmahal Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Sadhu Sasaraswatham, G. P. A. S. Sivanandha Sasty, 2. Sri S. Sivanandha Sasty, 3. S. Guri-Murthy, 4. Dr. Sadhu Vijayakumar, H.No. 16-9-32/A/1 at Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Seshagiri N. Kamath, H. No. 1-2-41 at Gagan-mahal Road, Hyderabad. 29.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the stylice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & vacant site M. No. 1-2-24/1 at Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5637/ 78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 159/79-80.—Whereas I, K. K. VEFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000. - and bearing

No. 3-5-879 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Srinivas S. Achaya, Reader, Osmania University H.No. 4-1-896, A at Tilak Road, Hyderabad, 1. (Transferor)

(2) Sri Anirudh Gupta, S/o Sri Ramnivas Gupta, H. No. 21-2-661 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-5-879 admeasuring 580 Sq. Yds., Opposit to M.L.A. Quarters Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5281-78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 160/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 3-4-462 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more mully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Sri D. R. Vasudev, S/o D. L. Rangappa, R/o Kaukuntla Vig Taq, Atmakur, Mahaboobnagar-Dist. 2. Smt. S. Lalitha Devi, W/o S. Tukaram, 12-10-399/2, Sitapalmand Sec-bad. 3. D. R. Ravindranath, 3-4-462, Narayanguda, Hyd. 4. Smt. N. Asra Santosh, W/o Santosh, 3-4-462/Narayanguda, Hyd. 5. D. R. Sudhir Chandra, 6. Smt. D. S. Suchitra, W/o Sudhakar, 7. D. R. Navinchandra, all R/o 3-4-462 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. R. Prabhakar Ruo, H. No. 5-5-973/Λ, at Hindinagar, Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed Building M. No. 3-4-462 at Narayanguda, Hyderabad, admeasuring 754 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5653/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 161, 79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Site 820 Mts, situated at Mydukur Road, Proddatur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur in Dec-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Sri T. Sankara Narayana Rao, 2. T. Padmanabha Rao, both residing at Vasanthapet, Proddatur-Cuddapah-Dist,

(Transferor

(2) Smt. Sabirunnishbi, W/o late S. A. Sattar Sahib, R'o Kagithalapenta Street, Cuddapah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open site about 820 Sq. Mts. situated at Myduku Road, Proddatur-Cuddapah-Dist, registered vide Doc. No. 332/78 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 162/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lands S. No. 181/1 & 181/2 situated at Kondapet Villg. Cuddapah

(and more fully described

ir the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Cuddapah in December-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-216GI/79

(1) Sri V. Shaik Anwar Basha, S/o V. S. Madar Saheb, Business at Cuddapah.

(Transferor)

(2) Sri Ongole Subbareddy, S/o Sesha Reddy, Pennapally Village, Sidhout Tq, Cuddapah, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Kondapet Village, in Survey No. 181/1 and 181/2 Cuddapah-Tq, Cuddapah Dist. admeasuring Acrs. 2.45 registered vide Document No. 5255/78 in the office of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shaik Chinna Madar Saheb, 2. Shaik Anwar Basha, residing at Cuddapah.

(Transferor)

 Sri Ongole Venkatasubba Reddy, R/o Ponnapally-Village, Sidhout-Tq., Cuddapah. Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 163/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land S. No. 181/1 & 181/2 situated at Kondapet Vg. Cuddapah-Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Cuddapah in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Kondapet Village, Cuddapab-Tq, Cuddapah-Dist, in Survey. No. 181/1 and 181/2 total land 2.30 Acrs, registered vide Doc. No. 5256/78 in the office of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 164/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-374 situated at St. 2, Himayatnagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Satchidananda, C/o Mrs. N. Shyamala Rao, C.C.M.B. R. R. Labs, Tarnamaka, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Dr. Vasanth Rao, Nivargikar, H. No. 3-6-374 at Street. No. 2 Himayatnagar, Hyderabad.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-374, known as "Kalpana" street. No. 2 at Himayatnagar Hyderabad, registered vide Document No. 5285/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1979

Ref. No. P. R. No. 660 Acq. 23-1329/7-4/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mun. House No. 3328, New Muni. No. 409, 409/1, situated at Ward No. 4, Potoliavad, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gandabhai Haribhai Gandhi;
 Smt. Gajraben Gandabhai Gandhi;
 Potaiavad, Navsari.

(Transferors)

(2) Shri Jagabhai Nichhabhai Patel; Smt. Shantaben Jagabhai Patel; Fana Falia, Village—Satem, Navsari.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 142 sq. yds. situated at Muni. House No. 3328, new Muni. No. 409, 409/1, at Ward No. 4, Potaliavad, Navseri duly registered with the registering authority at Navsari in the month of December, 1978

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IJ, Ahmedabad

Date: 26-3-1979

Scal 2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1979

Ref. No. P. R. No. 662 Acq. 23-1331/19-8/78-79.—Where I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2218, 2221 and 2222.

situated at Word No. 10, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ranchhoddas Tribhovandas;
 Soni Falia,
 Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mahndrabhai—Urf—Mangubhai Ghelabhai Desai; Shanti-niketan Society, Bungalow No. 211, Station Road, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 212-12-13 sq. mts. situated at Nondh No. 2218, 2221 and 2222 in Ward No. 10, Surat registered with the registering authority at Surat in the month of December, 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th April 1979

Ref. No. Acq. 23-I-1984(806)/11-4/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Double storeyed Residential Building standing on land 268-6-0 Sq. Yds. situated at Street No. 3, Bhojeshwar Plot, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Porbandar on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Rct, to the following persons, namely:——

 Shri Mohanlal Sunderji Trivedi; Near Income-tax Officer, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Dosabhai Anandji Modha & Others, Street No. 3, Bhojeshwar Plot, Porbandar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed residential building standing on land admeasuring 268-6-0 Sq. Yds., situated at Street No. 3, Bhojeshwar Plot, Porbandar, vide sale deed No. 3481/5-12-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th April 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2065(808)/16-1/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City Survey No. 22/1—F-8, Paiki Plot No. 21 & 22, situated at Bedi Bunder Road, Near Aaram Hotel, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 9-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Shri Madhukant Narbheram Rathi;
 112/B, Sumer Club Road,
 Jamnagar.

(Transferor)

 Smt. Vimalaben Vallabhdas Patel;
 Shri Vallabhdas Ambabhai Patel, Krishna Kunj, New Jail Road, Near Pavan Chakki, Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A small room standing on land admeasuring 6550 Sq. ft, bearing City S. No. 22-1-F-8; Paiki Plot No. 21 and 22, situated at Bedi Bunder Road, Near Aaram Hotel, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 67 dated 9-1-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th April 1979

Ref. No. P.R. No. 666 Acq. 23-1357/19-7/78-79,—Wherekis I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2064-B,

situated at Bhojabhai Sheri, Ward No. 6, Mahidharpura, area Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Surbhiben Bhadreshkumar, Kagalwala, Rushikesh Apartment, Nanpura, Surat.
 - Bhartiben daughter of Sumangauvi Chimanlal, Kaji's Mahollo, Haripura, Surat.

(Transferors)

 Shri Babubhai Thakorbhai Jariwala, 5/16, Haripura, Bhoya Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land and building, situated at Bhojabhai Sheri, Mahidharpua, bearing Nondh No. 2064B at Ward No. 6, Surat duly registered in the month of December, 1978 with the registering wuthority, at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1979

Ref. No. P. R. N. 667 Acq. 23-1358/19-7/78/79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Compentent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1456, Ward No. 1, situated at Marwari Mahollo, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

21-216GI/79

(1) Shri Satischandra Lallubhai Kapadia, Flat No. 85, Dip Mangal Society, Nr. Dalichandnagar, Nanpura, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kapilaben Dhirajlal Vanbavala,
 - 2. Shri Vasantlal Dhirajlal Vankalvala,
 - 3. Shri Dhansukhlal Dhirajlal Vankavala,
 - 4. Shri Bipinchandra Dhirajlal Vankavala,
 - 5. Shri Rameshchandra Dhirajlal Vankavala, Resi: Jamrukh Gali, Nathu Valdya Chawl, Nanpura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 142 Sq. yds. situated at Nondh No. 1456, Ward No. 1, Marwari Mahollo, Nanpura, duly registered with registering authority at Surat in the month of December, 1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd May 1979

Ref. No. P. R. No. 671, Acq. 23-1192/6-1/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Survey No. 129, Plot No. 28, 29

situated at Jetalpur Village on road connecting Urmi Society and old Padra Road, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 4-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Bhailalbhai Karsandas Patel, 2. Ravjibhai Umedbhai Patel,
 - Ravional Officional Patel,
 Bhailalbhai Karsandas Patel,
 Juna Padra, Baroda.

(Transferors)

(2) Sapna Co-op. Housing Society Ltd., 63, Haribhakti Coop. Housing Society, Juna Padra Road, Barodo.

(Transferees)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with plinth construction for Apartment Buildings at Rev. Survey No. 129 of Jetalpur village Plot No. 28, 29 on road connecting Urmi Society and Old Padra Road, Baroda and tully described in the sale-deed registered under Nos. 5735 to 5737 on 5-12-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad-II

Date: 2-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd May 1979

Ref. No. P.R. No. 672 Acq. 23-1228/6-1/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Sur. No. 121, 116, Final Plot No. 547 Plot No. 23A of Urmi

Society, Covered under T.P. S. No. 1, Baroda at Jatalpur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tux Act, 1922 11 of 1922 of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayantibhai Devjibhai, 23, Urmi Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Gordhanbhai Amin, 23-A Urmi Society, Sayaji Ganj Ward, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with a single storeyed bungalow, Plot No. 23A of Urmi Society, Baroda, covered under T.P.S. No. 1 at Jetalpur village, R.S. No. 121, 116, F.P. No. 547 and fully decribed in the sale deed registered under No. 5917 on 21-12-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2-5-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1979

Ref. No. P.R. No. 681 Acq. 23-1203/19-7/78-79—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 93, Ward No. 9, Northern Side "Y", Property, situated at Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent ronsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustees of Khandwala Family Trusts:-
 - 1. Urmilaben Wife of Ratanlal Vithaldas.
 - 2. Dilip Ratanlal Khandwala.
 - 3. Sanat Ratanlal Khandvala.
 - 4. Jagdish Ratanlal Khandvala.
 - 5. Vijay Ratanlal Khandvala, r/o Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferors)

(2) Amratlal Nagindas Gajiwala, Champaklal Nagindas Gajiwala, Resi: Navapura, Limbu Sheri, Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bullding admeasuring 160.53 Mtrs., situated at Nondh No. 93, 42, 50, 9 Northern Side property "Y" in Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat, duyl registered with registering authority at Surat in the month of December, 1978

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-5-1979

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 10th May 1979

Ref. No. P. R. No. 680 Acq. 23-1209/19-8/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 93, Word No. 9, Southern side portion of the property Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Trustees of Khandwala Family Trusts: 1. Urmilaben-Wife of Ratanlal Vithaldas
 - Dilip Ratanlal
 - Sanat Rutanial
 - 4. Jagdish Ratanial
 - 5. Vijay Ratanlal.

r/o Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat. (Transferors)

(2) 1. Shantaben wd/o Kashiram Maganlal

Dhansukhram Kashiram
 Dhirajlal Kashiram

- Jekishandas Kashiram Rameshchandra Kashiram
- Bhukbandas

Shantaben Kashiram

Guardian of minor Maheshchandra Kashiram Guardian of Promochandra Kashiram.

Resi: Navgadhia Sheri, Navapura, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern side portion of land and building, Khundvala sheri, Wadi Falia, Surat at Nonth No. 93, Ward No. 9, admeasuring 142.15 Sq. yrd. Mirs. duly registered with registering authority in the month of December, 1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-5-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 10th May 1979

Ref. No. P. R. No. 679 Acq. 23-1208/19-8/78-79,--Whereas 1, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 93, Ward No. 9, Southern side property situated at Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustees of Khandwala Family Trusts:—
 1. Urmilaben—Wife of Ratanlal Vithaldas
 - 2. Dilip Ratanlal
 - Sanat Ratanlal
 Jagdish Ratanlal
 Vijay Ratanlal
 - r/o Khandvala Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferors)

(2) Kantilal Jagjivandas Jarivala Ramanben Balabhai Jurivala Khandvala Sheri, Wadi-falia, Suraf

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern side of Khandwala building situated at Nondh No. 93, Ward No. 9, Khandwala sheri, Wadi falia, Surat admeasuring 142.15 sq. mtrs. duly registered with registering authority at Surat in the month of December, 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1979

Ref. No. Acq. 23-1-2043(818)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

on plot No. 18-A building known as "SONAK" situated at Harihar Coop. Housing Society, Kalawad Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate propeedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ratilal Vrajlal Trivedi, Harihar Coop. Housing Society, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Maniben Anandbhai Kansagta, Lath Bhimora, Taluka Upleta, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on plot No. A/18 standing on land 301-2-0 sq. yd. situated at Harihar Coop. Housing Society I.td., Kalawad Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5082-21/12/1978 & i.e. Property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Austl. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2294(822)/1-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 424-Paiki Ground Foor Portion of building, situated at Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, (Shahpu-Ward-2) A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eveston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jayantilal Popatled Mehta, Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, Gheekanta, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manharkumar Babubhai Modi, Gheekanta Post Office Guli, Opp. Gajkaran's Wadi, Ahmedabad.

(Transferee)

- Shri Chamnaji Taraji,
 Opp. Gajkaron's Wadi,
 Ahmedabad.
 - Shri Sankalchand Chelaji, Opp. Gajkaran's Wadi, Ahmedabad,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (i.e. Ground Floor) at S. No. 424-B, Ward Shahpur-2, situated at Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, Gheekanta, Ahmedabad, standing on land 83.61.30 sq. mts. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10653/4-12-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2295(823)/1-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 424-B—1st Floor portion of building, situated at Gheekanta Post Office Lane, Opp. Gajkaran's Wadi, (Shahpur Ward-2), Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-216GI/79

 Shri Jayantilal Popatlal Mehta; Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, Gheekanta, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Nalinkumar Babubhai Modi, Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, Gheekanta, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (i.e. 1st floor) at S. No. 424-B, Ward Shahpur-2, situated at Gheekanta Post Office Gali, Opp. Gajkaran's Wadi, Gheekanta, Ahmedabad, standing on land 83.61.30 sq. mts—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 10652/4-12-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Ahmedabad

Date: 23-6-1979

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1979

Ref. No. Acq-23-I-1998(824)/16-6/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Known as "Wardhman"

situated at Dhebarbhai Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kiritkumar Chimanlalbhai Dalal;
 Shri Nitinkumar Mulsonkarbhai Dalal, Plot No. 78, Maheta Building, Sion West, Bombay-400020.

(Transferors)

(2) Shri Jaysukhlal Nandlalbhai Shah, (Advocate), Opp. Mehta Petrol Pump, Dhebarbhai Road, Rajkot.

(Transferee)

(3) Shri Kantilal T. Parikh, "Wardhman" Dhebar Road, Rajkot.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as "Wardhman" standing on land, admeasuring 810 sq. yds., situated at Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed Registered vide Regn. No. 4969 dated 14-12-1978,

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-6-1979

Seal ;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1979

No. Acq. 23-I-2145(825)/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Double storeyed bldg, at Parabazar, Rajkot situated at Parabazar, Opp. Vegetable Market, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Venilal Dahyabhai Modi and Smt. Damayanti Venilal Modi; Parabazar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Chhabildas Sukhlal Pala, Swiss Watch Co. Daraji Bazar, Rajkot.

(Transferce)

*(3) 1. Rina Book Centre.

2. Shri Amratlal Champsibhai.

3. Ramehandra & Co. All at Parabazar, Rajkot.

(person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 115.9 sq. yds, situated at Parabazar, Opp. Vegetable Market, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered by the registering Officer, Rajkot, as per intimation received in December, 1978. Ahmedabad.

> S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 2nd July, 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1979

Ref. No. Acq. 23-I-1999(828)/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shri Vallabh Kanya Vidyalaya Road, West side to Old Raghuvir Oil Mill, Rajkot, Vallabh Vidyalaya Road, Nr. Dhebar Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the constderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Prabhulal Odhavji Damadiya,

Power of Attorney holder of

(1) Shrimati Jayakunvar Natwarlal Damadiya,

(2) Shri Bapalal Odhavji Domadiya,

Nr. Juna Power House, Domadia Building, Raikot.

(Transferor)

(2) (1) Shri Harsukhlal Gokaldas,(2) Shri Narottamdas Gokaldas,

33, Commercial Chambers, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 500 sq. yds. situated at Shri Vallabh Kanya Vidyalaya Road, West side to Old Raghuvir Oil Mill, Nr. Dhebar Road, Rajkot, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4868 dated 7-12-1978 by the Registering Officer, Rajkot. Ahmedabad.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 13th July, 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedahad-380 009, the 31st July 1979

No. Acq. 23-I-2037(836)/11-2/78-79.--Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and, bearing

No. Land a.lm. 1672-20-0 sq. metre of Hari Oil Mill situated at North side of Old Post Office, Keshod

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Keshod on 30-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than biteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shantaben Charadchandra
(2) Prafulrai Bhagwandas & Others,

Legal beirs of Bhagwandas Valii Cholera

Legal heirs of Bhagwandas Valji Cholera, Nr. Old Post Office, Keshod, Dist. Junegadh. (Transferor)

- (2) (1) Prabhaben Jayantilal Nathwani,
 - (2) Rasilaben Harilal Nathwani,
 (3) Asmitaben Rameshchandra Nathwani,
 All c/o Mukundbhai Bagheda,
 Jal Apartments, 3rd Floor, Shraddhanand Road,
 Vile Parle, Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1672-20-0 sq. metre of Hari Oil Mill situated at Northern side of old Post office, Keshod, duly registered by Registering Officer, Keshod vide sale-deed No. 1134/30-12-1978 i.e. property as fully described therein. Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 31st July, 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 31st July 1979

No. Acq. 23-I-1983(837)/11-4/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Muni. Cences No. 10-5-22 Lekh No. 79 of 1931-32 & Lekh No. 110 of 1953-54 on land adm. 355-1-8 sq. yd. situated at near Neelam Guest House, on S.T. Road, Porbandar (and more fully described in the schedule tennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Porbandar on 14-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmidas Jayant Gokani, Power of attorney holder of Srhi Damodarbhui Meghji, Kedareshwar, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Narandas Gordhandas Lohana, "Hemkunj", S.T. Road, Nr. Neelam Guest House, Porbandar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Hemkunj" standing on land 355-1-8 sq. yds. bearing Muni. Cences No. 10-5-22 situated on S.T. Road, Nr. Neelam Guest House, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbandar, vide sale-deed No. 3574/14-12-78 i.e. property as fully described therein. Dt. 31-7-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 31st July, 1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad,th e 27th July 1979

No. Acq. 23-I-2089(832)/11-4/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 3484/1, City Survey No. 3, Street No. 196 situated at Lal Bungalow Road, Nr. New Fuwara, Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shah Lalitchandra Damodar, Bhatia Bazar, Nr. Gopinathji's Haveli, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Jiwabhai Ranmal, Wadia Road, Nr. New Fuwara, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 330 sq. yds. bearing S. No. 3484/1, City Survey No. 3, Street No. 196, situated at LaiBungalow Road, Near New Fuwara, Porbandar—duly registered by Registering Officer, Porbandar, vide sale-deed No. 3557/13-12-1978 i.e. property as fully described therein. Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt: : 27-7-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1979

No. Acq. 23-I-1703(833)/11-6/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imbaovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 58, Khad Khad Ward No. 1, situated at Krishnanagar, Verawal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Verawal on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpawati Tulsidas, Near Old Court, Verawal, Dist. Junagadh.

(Transferor)

 Shri Rameshchandra Prabhudas, M. G. Road, Verawal, Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this setice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 190.45 sq. metre bearing Plot No. 58 Khad Khad, Ward No. 1, situated at Krishnanagar, Verawal, duly registered by Registering Officer, Verawal, vide sale-deed No. 1170/30-12-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt.: 27-7-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1979

Ref. No. P.R. No. 695 Acq. 23-1210/198/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 416, Wd. No. 9 situated at Store Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 23—216GI/79

(1) 1. Shantaben Vaikunthrai; 2. Jyotindra Vaikunthrai;

3. Jayprakash Vaikunthrai & Hema N. Desai; P.A. Holder:—
Hansaben Bapubhai Desai
Gitaben Vaikunthrai Mehta;
Minaxiben Vaikunthrai Mehta;
Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Bhagwandas Gopaldas Jariwala; 9/416, Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Wd. No. 9, Nondh No. 416, admeasuring 148.83 sq. mts. situated at Store Sheri, Wadi Falia. Surat duly registered on 26-12-78 with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt. 28th July, 1979. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

No. Acq. 23-II-1273(698)/4-3/78-79.--Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Rev. Survey No. 5, Paiki Plot No. A situated at Broach (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Somabhai Nanabhai, Vill. Avi, Dist. Broach.

(Transferor)

- (2) M/s. Ajanta Corporation, through partners:
 (1) Shri P. S. Prajapati

 - (2) Shri Nayankumor Madhusudan Majmudar, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Revenue Survey No. 5, Paiki Sub-Plot No. A admeasuring 7029 sq. yds. situated at Bharuoh duly registered with registering authority at Broach, on 21-12-1978

> S. C. PARIKH. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahm debad.

Dt. 3-8-1979. Seaf .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

No. Acq. 23-II-1275(699)/4-3/78-79.—Whereas, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Revenue Survey No. 6 situated at Bharuch, Avi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 7-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (1) Jasuben, wd/o Mohanbhai Madhavbhai,

Laxmiben wd/o Budhabhai Jevabhai, (3)

Hansaben, daughter of Jevabhai Mavjibhai, P.A. holder of 1 to 3

(1) Himatbhai Tribhovan

(2) Rameshbhai Mohanbhai,

Avi, Broach.

(Transferors)

(2) M/s. Ambica Corporation,

through: partners: (1) Shri Poonambhai S. Prajapati (2) Shri Nayankumar Madhusudan Majumdar Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferors)

Obejctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Revenue Survey No. 6, situated at Bharuch Avi, admeasuring 2 acres 24 gunthas, duly registered with registering authority at Broach on 7-12-1978.

> S. C. PARIKH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Pange-U, Ahmedabad.

Dt. 3-8-1979 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

No. Acq. 23-II-1302(700)/7-4/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 220, 221, Paiki Tikha No. 24, C. Sur. No. 1007 situated at Navsari Jalalpore Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Shanker Vijay Co. Partners:
 - (1) Vasantrai Dahyabhai Desai, Navsari
 - (2) Bipinchandra Ishwerlal Desai, Abrama, Tal. Navsari
 - (3) Kantilal Chhotubhai Desai, Abrama Tal.
 - (4) Pankajbhai Somehand Shah, at present Bombay
 - (5) Pravinkumar Javerchand Shah, at present Bombay
 - (6) Shakuntalaben Gulabbhai Desai, Navsari.
 - (7) Parbhubhai Dajibhai Patel, Navsari,
 - (8) Prakash Vasantrai Desai, Navsari

(Transferor)(s)

(2) 1. Dr. Prakash Vasantrai Desai,

2. Dr. Ushaben Prakashbhai Desai, At present in America (U.S.A.)

(Transferee)(9)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bldg. bearing S. No. 220 and 221 Paiki, Tikha No. 24-C, Sur. No. 1007, admensuring 23520 sq. mtrs., Paiki 1398.94 sq. mts. situated at Navsari, Jalalpore Road, Navsari, duly registered with the Registering Authority at Navsari on 21-12-1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 3-8-1979

Scal:

Adam Ibrahim, Rampur Tunki, Surat.

(2) 1. Ismail Ahmed Kidi,

Tankaria, Dist. Broach. Yusuf Mohmed Patel,

Rampura, Chhadaol Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

No. Acq. 23-II-1300(701)/19-8/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 1022-K Paiki and 1024/50 Paiki-A area situated at Ward No. 7, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 8-12-1978

for an apparent consideration which is less. than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Wd. No. 7, Nondh No. 1022-K Paiki and 1024/50 Paiki 'A' area, admeasuring 123.4.50 sq. mts. duly registered on 8-12-1978, with registering Authority, Surat.

> S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 3-8-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 702 Acq. 23-1297/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nordh No. 1746-B, Wd. No. 5, Saiyedpura, Opp. Police Chawky situated at Surat

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on 6-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Hiralal Dahyabhai Modi; Nanpura, Dhobi Sheri, Surat.

(Transferor)(s)

- (2) 1. Nirmalaben Chhaganlal, Rampura, Charkhana Chakla, Surat.
 - 2. Gamanlal Chhotalal, Begampura, Bhula Modi Chawl. Surat.
 - Ishverlal Chhotalal, Havadia Chakla, Kala Shipat Pole, Surat.
 - 4. Minor Bhupendra Kantilal, 12/2620, Saiyedpura, Aga Vad, Surat.
 - Minor Rajen —do— Kantilal Nanalal —do—

 - Smt. Chandanben Natverlal, Saiyedpura, Mota Kadia Sheri, Surat.
 - Hafsabibi Ismail Ibrah Mahollo, Rander, Surat. Ibrahim Dudha, Chhachha
 - 9. Mariumbibi --do— Mota Bazar, Rander, Surat, 10. Fatmabibi --do— Chhachha Maholla, Rander,
 - Surat.
 - 11. Maheruni Kamalkhan, 28, Punit Society, Rander Rd., Surat.
 - 12. Rameshchandra Jaikishandas Shethna, Nanpura, Kharva Vad, Surat.

(Transferee)(s)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto OT a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1746-B Wd. No. 5, Saiyedpura, Opp. Police Gate, Surat, admeasuring 53.61 sq. mtrs. duly registered with registering authority at Surat on 6-12-78.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 3-8-1979

(1) Adam Ibrahim, Rampura, Tunki, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Ibrahim Mohmed Patel

2. Yusuf Ismail Patel

3. Ayasha Ibrahim Patel
All residing at: Rampura, Chhada Ole,

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P. R. No. 70 Whereas I, S. C. PARIKH, P. R. No. 703/Acq. 23-1298/19-8/78-79.—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1022-K Paiki and 1024/50 paiki area, situated at Ward No. 7, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 8th December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690' of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Ward No. 7, Nondh No. 1022-K paiki and 1024/50 paiki 'B' area admeasuring 123 24 50 sq. mtrs. registered on 8-12-78 with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

(1) Adam Ibrahim, Rampura, Tunki, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Ahmed Mahamed Pandor, Itava, Tal. Palsana, Dist. Surat.
 - Mahmad Ahmed Pandor, Itava, Tal. Palsana, Dist. Surat.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 704 Acq,23-1299/19-8/78-79.—Whereas J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearng No.

Nondh No. 1022-K Paiki and 1024/50 paiki, C area, situated at Ward No. 7, Surat

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acs, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Ward No. 7, Nondh No. 1022-K paiki and 1024/50 paiki 'C' area admeasuring 123.24.50 sq. mtrs. duly registered on 8-12-78, registered with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 705 Acq. 23-1241/19-8/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 430, situated at Dumas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24—216 G1/79

(1) Dhanjibhai Maganbhai Hasmukhbhai Macanbhai Magubhai Maganbhai Mahendra Maganbhai Maniben w/o Maganbhai Lalbhai, Kanbiyad, Dumas.

(Transferors)

 Shri Chhotubhai Keshavbhai Pithavola, Bhimporta Taluka Chorayasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dumas, admeasuring 2 Acre 9 Gunthas Survey No. 430, duly registered on 2-12-75, with the registering authority, at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P. R. No. 706 Acq. 23-1241/19-8/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 431, Hissa 2, paiki land,

situated at Dumas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahendrakumar Maganlal Dhansukhlal Maganlal Shahmukhbhai Maganlal Magubhai Maganlal Maniben wd/o Muganbhai Lalbhai, Kanbivad, Dumas.

(Transferors)

 Shri Chhotubhai Keshavbhai Pithavala, Sultanabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.and admeasuring 3 Acre, situated at Dumas Survey No. 431, Hissa 2 Paiki, duly registered with registering authority at Surat on 2-12-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Insecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IJ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 707 Acq. 23-1241/19-8/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 382-Part 1 (Hissa-1),

situated at Dumas

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Revaben wd./o Hirjivan Madhubhai Mohanbhai Harjivanbhai Gopalbhai Harjivanbhai Ramubhai Harjivanbhai Kanbivad Dumas, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Chhotubhai Keshavbhai Pithawala, Sultanabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dumas admeasuring 2 Acre 2 Gunthas bearing Sur. No. 382, Part-I (Hissa-1) duly registered in the month of December, 1978 with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 708 Acq. 23-1241/19-8/78-79,—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 421,

situated at Village Sultanabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen—percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the angresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Nathubhai Lalabhai lshverbhai Nathubhai Jayantibhai Nathubhai Bhagvatibhai Nathubhai Manharbhai Nathubhai. Maniben wd/o Maganbhai Lalbhai Dhansukhbhai Maganbhai Shahmulbhai Maganbhai Mahendra Maganbhai, Dumas Tal. Choryasi.

(Transferor)

 Shri Chhotubhai Keshavbhai Pithawala, Sultanabad, Tal. Choryasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sultanabad, bearing Survey No. 421, admeasuring 2 Acre 33 gunthas duly registered on 2-12-78 with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1979

Ref. No. P. R. No. 709 Acq. 23-1241/19-8/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 245, Part 1 (Hissa-2) and S. No. 245, Part-2, situated at Sultanabad, Taluka Choryasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) I. Venilal Dayaram Dalal
 - Lilavatiben Venilal Dalal Rameshbhai Venilal

 - Niranjan Venilal
 - 5. Shri Mukund Venilal Dalal, Balaji Road, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Chhotubhai Keshavbhai Pithawala 2. Maniben Chhotubhai Pithawala

 - 3. Shri Ashokbhai Chhotubhai Pithawala 4. Ajitbhai Chhotubhai Pithawala
 - Maheshbhai Chhotubhai Pithawala Bayadyan Chhotubhai Pithawala, Sultanabad, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Sulbanabad, Survey No. 245, Part 1 and 2 (Hissa 1 & 2) adm. 2 Acre 23 gunthas and 1 Acre 6 gunthas respectively, duly registered with registering authority at Surat in the month of December. 1978.

S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1979

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 10th August 1979

Ref. No. A-1/78-79/Sil/438-46.—Whereas, 1, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section **269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 4867/4868 and 2nd R. S. Patta No. 739 situated at Word No. 19, Holding No. 210 of Ambikapur, Silchar Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silchar on 12-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Udai Narayan Gosai,

Shri Bidyadhar Gosai
 Shrimati Mira Gosai (Minor).
 Shrimati Malati Gosai (Minor).
 Shri Shyam Sundar Gosai (Minor).
 Soo. Late Shiv Sankar Gosai.

Shrimati Maheshwari Gosai.
 W/o. Late Shiv Sankar Gosai.

Shrimati Urmila Gosai.
 D/o Late Shiv Sankar Gosai
 W/o. Kamal Gosai
 C/o. Goswami Traders, New Market,
 Dimapur, (Nagaland)
 Vill Binnakandighat
 P. O. Lakhimur, Dt. Carthar

P. O. Lakhipur. Dt. Cachar. 8. Shrimati Sabitri Gosai. D'o. Late Shiv Sankar Gosai W/o. Shri Motilal Gosai C/o. Messrs Union Flour Mills Meherpur, Silchar.

(Transferor)

(2) Shri Sanpatmal Pugalia S/o. Shri Arjunlal Pugalia C/o. Messers National Enterprise Premtala, P.O. Silchar.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha 11 Chattak along with a R.C.C. building measuring 800 sq. ft. (app) situated at Hailakandi Road of Rangirkhari, Silchar Town in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 10-8-79